एक धोखा खाया हुआ देश:

विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं

खंड I

गतिवर्धन के बारे में टेम्पलटन की राष्ट्रीय रिपोर्ट

एक धोखा खाया हुआ देश:

विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं

खंड I

निकोलॅस कोलेंजलो
सूसान जी० एसूलीन
मिरासा यू० एम० ग्रॉस

गतिवर्धन के बारे में टेम्पलटन की राष्ट्रीय रिपोर्ट

नेशनल एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन द्वारा समर्थित

© 2004 प्रतिभाशाली शिक्षा और प्रतिभा विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलिन एन० ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र

बेनसॅन और हेप्कर डिज़ाइन, आयोवा शहर, आयोवा द्वारा रचित
मुख्य-पृष्ठ कला: जोन बेन्सन
आयोवा यूनिवर्सिटी, आयोवा शहर, आयोवा में प्रकाशित

अक्तूबर 2004

प्रतिभाशाली शिक्षा और प्रतिभा विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलिन एन० ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
कॉलेज ऑफ एजुकेशन
आयोवा यूनिवर्सिटी
600 ब्लैंक हॉनर्स केंद्र
आयोवा शहर, आयोवा 52242-0454
800.336.6463
http://www.education.uiowa.edu/belinblank

प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा संबंधी अनुसंधान, संसाधन और जानकारी का केंद्र (जी.ई.आर.आर.आई.सी.)
न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी,
यू.एन.एस.डब्लयू. सिडनी,
न्यू साउथ वेल्स,
ऑस्ट्रेलिया 2052
http://gerric.arts.unsw.edu.au/

http://nationdeceived.org

एक धोखा खाया हुआ देश : विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं

आभार vii

अतिथि द्वारा भूमिका ix

विद्यालयों के लिए संदेश xi

अध्याय 1 अमरीका उत्कृष्टता को नज़रअंदाज़ कर रहा है 1

अध्याय 2 विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से रोकते हैं 5

अध्याय 3 अमरीका में गतिवर्धन का इतिहास 11

अध्याय 4 एक आसान हाँ: समय से पहले विद्यालय जाने की शुरूआत 15

अध्याय 5 प्राथमिक विद्यालय में एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना 19

अध्याय 6 प्रतिभा-खोज क्रांति 25

अध्याय 7 कठिन चुनाव: उच्च विद्यालय की चुनौतियां 29

अध्याय 8 उन्नत प्लेसमेंट के बारे में पूरी जानकारी 31

अध्याय 9 समय से पूर्व कॉलेज जाना 35

अध्याय 10 लोक नीति: आकांक्षाओं के कानून 39

अध्याय 11 पैसा बोलता है: गतिवर्धन का वित्तीय पक्ष 43

अध्याय 12 गतिवर्धन संबंधी विचार 45

अध्याय 13 शिक्षक कैसे मदद कर सकते हैं 49

उपसंहार 52

परिशिष्ट क *एक धोखा खाया हुआ देश: विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं का कार्यकारी सारांश* 53

परिशिष्ट ख लेखकों के बारे में 54

परिशिष्ट ग *प्रतिभाशाली शिक्षा और योग्यता विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलिन एन० ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र* 56

परिशिष्ट घ *मेधावी बच्चों की शिक्षा संबंधी अनुसंधान, संसाधन और जानकारी का केंद्र* 57

परिशिष्ट च *जॉन टेम्पलटन फ़ाउंडेशन* 58

परिशिष्ट छ शिक्षकों और अभिभावकों के लिए संसाधन 59

परिशिष्ट ज आप अभी क्या कर सकते हैं 67

आभार

यह सच्चे अर्थों में एक राष्ट्रीय रिपोर्ट है। हमने जॉन टेंपलटन संस्थान की सहायता से मई 2003 में आयोवा यूनिवर्सिटी में गतिवर्धन पर एक शिखर सम्मेलन आयोजित किया। हमने देशभर से प्रतिष्ठित विद्वानों और शिक्षकों को आमंत्रित किया ताकि वे गतिवर्धन के बारे में एक राष्ट्रीय रिपोर्ट बनाने में हमारी मदद कर सकें। इसमें भाग लेने वालों की पूरी सूची खंड II के परिशिष्ट च में दी गई है।

हमने साथ मिलकर, इस बारे में चर्चा की कि अत्यधिक सक्षम छात्रों के बारे में सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने के लिए विद्यालयों को क्या जानना आवश्यक है। इन ओजपूर्ण चर्चाओं के फलस्वरूप *एक धोखा खाया हुआ देश: विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं* के दो खंड बने।

खंड II में दी गई जानकारी खंड I की विषय-वस्तु का आधार बनी। हम तीनों ने फ़ॉर्मेट और विषय-वस्तु के संबंध में सभी अंतिम निर्णय लिए और हम खंड I की विषय-वस्तु के लिए उत्तरदायी हैं। हम निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने खंड II के लिए अध्याय लिखे :
लिंडा ई० ब्रॉडी, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी
जेम्स जे० गालाघेर, चैपल हिल स्थित उत्तरी कैरोलीना यूनिवर्सिटी
एरिक डी० जोन्स, बाउलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी
जेम्स ए० कुलिक, मिशीगन यूनिवर्सिटी
डेविड लुबिन्स्की, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी
एन्न ई० लुप्कोव्स्की-शॉपलिक, कार्नेजी मेलन यूनिवर्सिटी
सिडनी एम० मून, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी
मिशेल सी० मुराटोरी, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी
पौला ओल्स्ज़व्स्की-कुबिलियस, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी
सैली एम० राइस, कनैक्टीकॅट यूनिवर्सिटी
नैन्सी एम० रॉबिनसन, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी
कारेन बी० रॉजर्स, सेंट थॉमस यूनिवर्सिटी
डब्लयू० टॉमस सदर्न, ओहियो का मियामी यूनिवर्सिटी
जूलियन सी० स्टैन्ली, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी

निम्नलिखित व्यक्तियों ने खंड I के मसौदों का पुनरावलोकन किया और विचारशील अंतर्दृष्टि एवं संपादकीय टिप्पणियां प्रदान कीं। इस परियोजना के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए हम उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

क्लार बाल्डस, बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी
लौरा बेलिन, स्वतंत्र लेखिका
कैमिला बेनबो, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी
के कोलेन्जलो, निजी व्यवसाय करने वाली थेरेपिस्ट
लौरी क्रोफ़्ट, बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी
सैंड्रा डैमिको, आयोवा यूनिवर्सिटी
जैन डेविडसन, डेविडसन संस्थान
टूडी डे, एलियांत अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी
जेरिलाइन फ़िशर, बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी
जैनेल ग्रैमेन्स, डेवेनपोर्ट सामुदायिक विद्यालय
कैथरीन हर्श, बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी
पीटर ह्लेबोविश, आयोवा यूनिवर्सिटी
कैथरीन हॉकमैन, न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी
आरोन हॉफ़मैन, उच्च विद्यालय का छात्र
एन हॉफ़मैन, शैक्षिक परामर्शदाता

जूडी जेफ़ी, शिक्षा विभाग, आयोवा स्टेट
डेविड लुबिन्स्की, वेंडरबिल्ट यूनिवर्सिटी
रोसान मालेक, शिक्षा विभाग, आयोवा स्टेट
जेम्स मार्शैल, आयोवा यूनिवर्सिटी
मेगन फ़ोले निक्पन, बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी
क्रिस्टीना हैम पीटरसन, एक्ट० इंक
लेन प्लग, आयोवा शहर सामुदायिक विद्यालय जिला
जोसफ़ रेन्ज़ुली, कनैक्टीकॅट यूनिवर्सिटी
एन रोबिनसॅन, अर्कान्सस यूनिवर्सिटी
एन्ड्रू शीही, आयोवा संस्थान यूनिवर्सिटी
जूलियॅन सी० स्टैन्ली, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी
टेड स्टिलविल, शिक्षा विभाग, आयोवा स्टेट
रेना सबोन्टिक, अमरीकी मानसिक संघ

हम निम्नलिखित द्वारा प्रदान की गई सहायता के लिए आभार प्रकट करते हैं :
लिंडा ब्रॉडी, जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी
जेन क्लैरेनबैक, नेशनल एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन
नैन्सी रॉबिनसन, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी

परियोजना में सहायता करने के लिए हम फ्रान्सेस ब्लम, प्रशासनिक सचिव और रशेल हैनसॅन, सचिव, बेलिन-ब्लांक केंद्र के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं।

हम पूरे देश के उन सभी अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों को धन्यवाद देते हैं जो इस रिपोर्ट के साक्षात्कार के लिए तैयार थे और हमें अपनी उम्मीदों और चिंताओं के बारे में बताया। आपकी मदद के बिना यह रिपोर्ट तैयार करना संभव नहीं था।

हम पेनसिल्वेनिया के जॉन टेंपलटन संस्थान के आभारी हैं, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार करने में उदारतापूर्वक हमारी सहायता की। उनकी उदारता के कारण ही यह रिपोर्ट नि:शुल्क दी जाती है।
हम डॉ० आर्थर श्वार्ज़ द्वारा दी गई मदद के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस रिपोर्ट के लिए डॉ० श्वार्ज़ ने टेंपलटन संस्थान की ओर से मूल समर्थक के रूप में काम किया।

दोनों खंडों के रचनात्मक और व्यावसायिक डिज़ाइन के लिए हम बेन्सन व हेपकर डिज़ाइन के रोबिन हेपकर और जोन बेन्सन का आभार व्यक्त करते हैं।

लेखन परामर्शदाता के रूप में काम करने के लिए हम सुश्री अविया कुश्नर का विशेष तौर पर आभार प्रकट करते हैं। उनकी अंतर्दृष्टि और शानदार लेखन कौशल खंड I के लिए अमूल्य थे।

इससे जुड़े सभी लोगों के योगदान के लिए हम आभारी हैं। हम तीनों ने विषय-वस्तु के संबंध में सभी अंतिम निर्णय लिए और हम खंड I की विषय-वस्तु के लिए उत्तरदायी हैं।

निकोलॅस कोलेंजलो
सूसान एसूलीन
मिरासा ग्रॉस

अतिथि द्वारा भूमिका

गतिवर्धन के बारे में टेंपलटन रिपोर्ट का पहला खंड देश के विद्यालयों में सबसे होनहार छात्रों के गतिवर्धन संबंधी अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता के बारे में खतरे की घंटी बजाता है। विगत 50 वर्षों में स्थापित ठोस अनुसंधान आधार पर यह पाया गया कि गतिवर्धन का जितना प्रयोग होता रहा है, असल में उससे अधिक इस्तेमाल का हकदार है।

विभिन्न रूपों में गतिवर्धन के सकारात्मक प्रभावों को अनुसंधान लगातार दिखाते रहे हैं। बावजू इसके, शैक्षिक संस्थान, ख़ासकर प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय स्तरों पर, खोए हुए अवसरों और अनुक्रमिक आरेखों एवं स्वस्थ सामाजिक-भावनात्मक समायोजन को नुकसान पहुँचाने वाले बेबुनियाद डर पर आधारित परिणामों के कारण विश्वास नहीं कर पाते। इस खंड में बताया गया है कि वर्तमान और प्रासंगिक अध्ययनों से प्रेरित होकर प्रतिभासंपन्न शिक्षा और मनोविज्ञान के क्षेत्र की आवाज़ों ने लगातार गतिवर्धन का समर्थन किया है लेकिन इसका कोई फ़ायदा नहीं हुआ।

टेंपलटन रिपोर्ट गतिवर्धन के बारे में गलत अवधारणाओं को दूर करते हुए और अनुसंधान, वास्तविक व्यवहारों और छात्रों के जीवन की असली कहानियों के माध्यम से उनके प्रभाव के साथ वर्तमान स्थिति पर कार्रवाई करती है। काम करने का यह बहुआयामी ढंग गतिवर्धन के प्रति अधिक अनुकूल दृष्टिकोण विकसित करने में आम जनता और शिक्षकों की मदद कर सकता है। अंततः बहुत कुछ राज्यों और विद्यालय जिलों में कार्रवाई करने के लिए प्रेरणा के तौर पर इस रिपोर्ट का इस्तेमाल करने वाले शिक्षकों पर निर्भर करेगा।

"केवल न कहो" के नारे को खारिज करते हुए यह रिपोर्ट पाठकों को गतिवर्धन के लिए "हाँ" कहने के लिए कहता है। एक छात्र की तत्परता का व्यापक मूल्यांकन करने से गतिवर्धन रणनीति से छात्र को मिलाने का आधार प्राप्त होता है।

यह रिपोर्ट कई प्रकार के गतिवर्धन और उनसे संबंधित सामाजिक चिंताओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताती है। यह कॉलेजों, विद्यालयों और अभिभावकों के लिए गतिवर्धन की लागत सार्थकता की भी पुष्टि करती है। शिक्षक और आम अध्यायक गतिवर्धन की इन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए क्या कर सकते हैं इस बारे में विशिष्ट विचार भी दिए गए हैं।

हम उम्मीद करते हैं कि इस रिपोर्ट की लोकप्रियता शिक्षा के बारे में "सबके लिए एक ही चीज़ ठीक है" मानसिकता के सशक्त सामाजिक विश्वास को खत्म कर प्रतिभासंपन्न छात्रों को विद्यालय में पीछे रखने वाले बंधनों से मुक्त करेगी। अब समय आ गया है कि हम कोई महत्त्वपूर्ण काम करें।

एफ़०. रिचर्ड ओलेन्चक, पीएच.डी., पी.सी.
एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन के अध्यक्ष
प्रोफ़ेसर, मनोविज्ञानी और निदेशक

शहरी प्रतिभा अनुसंधान संस्थान
हाउस्टन यूनिवर्सिटी

जोयॅस वॉनटसेल-बास्का, ईडी.डी.
एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन के निर्वाचितअध्यक्ष
जोडी और लेटॅन स्मिथ प्रोफ़ेसर ऑफ एजुकेशन और कार्यकारी निदेशक
मेधावी बच्चों की शिक्षा के लिए केंद्र
विलियॅम और मेरी कॉलेज

विद्यालयों के लिए संदेश

इस रिपोर्ट के हम तीन लेखकों ने एक साथ शिक्षा के क्षेत्र में 100 वर्ष से अधिक समय बिताया है। यह हमारे जीवन-भर का काम है। हम शिक्षकों और उनके छात्रों के जीवन में उनकी भागीदारी का बहुत सम्मान करते हैं।

कक्षा में पढ़ाने वाले अध्यापकों के रुप में हमने शिक्षा के क्षेत्र में काम करना शुरू किया। पढ़ाने की हमारी अपनी प्रक्रिया, अनुसंधान और लेखन में में साम्यता से हम बार-बार उत्कृष्टता को अंतर्निहित करते रहे है। हम जानते हैं कि प्रतिभासंपन्नता लिंग, जातीय आधार, सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक स्थान पर निर्भर नहीं करता। अमरीका की सभी कक्षाओं, ग्रामीण क्षेत्रों, शहर के भीतर और शहर से लगी बस्तियों सबमें, ऐसे छात्र हैं जो गतिवर्धन के लिए तैयार हैं। यह छात्र सार्वजनिक और निजी विद्यालयोंसे लेकर वैकल्पिक तरह के विद्यालयों में भी पाए जाते हैं।

हालांकि कुछ लोगों ने अमीर बच्चों के लिए कार्रवाई के तौर पर शैक्षिक गतिवर्धन की आलोचना की है, परंतु इसके आगे का सच कुछ और है। दरअसल, जिन अभिभावकों के पास आर्थिक सामर्थ्य है, विद्यालय अगर उनका गतिवर्धन नहीं करता तो वे अपने बच्चे के गतिवर्धन का इंतज़ाम स्वयं कर सकते हैं। वे अपने बच्चे को निजी विद्यालय में भर्ती कर सकते हैं, उसके मार्गदर्शन के लिए पैसे दे सकते हैं या फिर गतिवर्धन वाली ग्रीष्मकालीन कक्षाओं और पाठ्यक्रम के अतिरिक्त संसाधनों के लिए खर्च कर सकते हैं। परंतु अगर विद्यालय इंकार कर दें तो अक्सर गरीब बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम का अनुभव प्राप्त करने की कोई उम्मीद नहीं होती।

हम गतिवर्धन के बारे में सच्चाई को सबके सामने लाने के लिए इसलिए भावविह्वल हैं क्योंकि हम जानते हैं कि बच्चों के लिए इसके संभावित फ़ायदे क्या हैं। गतिवर्धन ऐसे शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए बहुत ज़रूरी है, जिनके पास इसके विकल्प ढूंढने के माध्यम नहीं होंगे।

गतिवर्धन वह प्रक्रिया है, जिसमें छात्रों को सामान्य से अधिक तेजी से या सामान्य से कम उम्र में शैक्षिक कार्यक्रम द्वारा आगे बढ़ाया जाता है। इसका अर्थ पाठ्यक्रम के स्तर, जटिलता और गति को छात्र की तत्परता और प्रेरणा के समान रखना है। गतिवर्धन के उदाहरणों में समय से पूर्व विद्यालय में प्रवेश, एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना, किसी विषय-विशेष में आगे बढ़ना या उन्नत प्लेसमेंट (ए.पी.) शामिल हैं। गतिवर्धन शैक्षिक रुप से प्रभावी और सस्ता है। यह अमीर विद्यालयों और गरीब विद्यालयों के छात्रों के बीच समानता लाने में मदद कर सकता है।

यह रिपोर्ट गतिवर्धन के बारे में अमरीका के विद्यालयों में चर्चा में बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाई गई है। हमारा अनुभव है कि कई शिक्षक और प्रशासक उच्च-योग्यता वाले छात्रों को उनकी प्रतिभा की गति के साथ-साथ चलने का लचीलापन प्रदान करना चाहते हैं लेकिन शिक्षक सहायता और मान्यता चाहते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह रिपोर्ट उन्हें उचित सहायता देगी ताकि वे समझ सकें कि प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए गतिवर्धन अत्यंत प्रभावी कार्रवाई है। आखिरकार, गतिवर्धन एक बच्चे, एक परिवार, एक स्थिति का प्रश्न है।

गतिवर्धन एक शक्तिशाली शैक्षिक सहयोगी है परंतु यह ऐसी रणनीति है, जिसे अभिभावकों की भागीदारी के साथ-साथ व्यक्तिगत ज़रूरतों और परिस्थितियों के प्रति संवेदनशीलता की आवश्यकता है। इसलिए इस रिपोर्ट को केवल अध्यायकों को गतिवर्धन के मूल्य के बारे में प्रेरित करने के लिए ही नहीं अपितु गतिवर्धन कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से विद्यालयों के प्रशासन में मदद करने के लिए भी बनाया गया है। हम यह उम्मीद करते हैं कि प्रतिभासंपन्न छात्रों के गतिवर्धन के बारे में भविष्य में शिक्षकों और अभिभावकों के बीच होने वाली चर्चाएं इन ज़रूरी प्रश्नों से शुरू होंगी:

1. क्या आपके बच्चे की तत्परता जानने के लिए हमने उसका/उसकी व्यापक मूल्यांकन किया है?
2. उसकी तत्परता को ध्यान में रखते हुए किस प्रकार के गतिवर्धन को कार्यान्वित करना सर्वोत्तम होगा ?
3. हम जानते हैं कि कुछ संदर्भों में गतिवर्धन प्रभावी नहीं होता। एक विद्यालय के तौर पर आपके बच्चे की सफलता को जितना ज़्यादा हो सके उतना ज़्यादा करने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

हमने अपने करियर को बच्चों को सफलता प्राप्त करने का अवसर देने में मदद करने के लिए विद्यालयों को समर्पित किया है। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे देश के छात्र जिन ऊँचाइयों को छूना चाहते हैं, उन्हें छूने में उनकी मदद करने के लिए आप हमारा साथ देंगे।

निकोलॅस कोलैंजलो, पीएच.डी. *सूसान जी एसूलीन, पीएच.डी.* *मिरासा यू. एम. ग्रॉस, पीएच.डी.*

1ST

अमरीका उत्कृष्टता को नज़रअंदाज करता है

क्या अमरीका उत्कृष्टता को नज़रअंदाज कर रहा है ? अख़बारों की सुर्खियां एलान करतीं हैं कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसे कमजोर विद्यार्थियों का निर्माण कर रहे हैं, जो दूसरे देशों के हमउम्र विद्यार्थियों के मुकाबले पिछड़े हुए हैं। इस बीच, एक ख़ामोश कहानी भी है, जिसे अंधेरे में छिपाकर रखा गया है – लेकिन यह उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितना हमारे देश के भविष्यनिर्माता।

हर राज्य में, हर विद्यालय में, बड़े शहरों में और छोटे कृषक समुदायों में विद्यार्थी व्यवस्था द्वारा दी जाने वाली चुनौतियों से कहीं अधिक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

ये बच्चे किसी भी नेता के किये गये वादों से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वे उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले बच्चे हैं जो सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ते हैं। ये वो बच्चे हैं जो तीन साल की उम्र में शैंपू की बोतलों पर लिखी इबारतें पढ़ लेते हैं और पाँच साल की उम्र में अख़बारों के संपादकीय पढ़ते हैं। वे किराने के सामानों की कीमतें को नकदी जोड़ने वाली कंप्यूटरीकृत मशीन से अधिक तेज़ी से जोड़ सकते हैं। वे अपने माता-पिता को चकित करते हैं और नाना-नानी, दादा-दादी की वाहवाही लूटते हैं।

लेकिन जब वे विद्यालय में प्रवेश करते हैं तो चीज़ें बदल जातीं हैं। अक्सर वे कक्षा में सबसे हताश विद्यार्थी होते हैं। वे नर्सरी में ही बोर हो जाते हैं और पहली कक्षा में एक बार फिर बोर होते हैं। साल-दर-साल, वे ऐसा बहुत कम सीखते हैं जो वे पहले से नहीं जानते हों। वे उम्मीद करते हैं कि स्थितियों में सुधार होगा मगर ऐसा कम ही होता है। इनमें से कई के लिए कुछ नहीं बदलता।

अमरीका की विद्यालयी व्यवस्था मेधावी विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों के साथ बंधे-बंधाये तरीके से सीखने के लिए बाध्य करती है। शिक्षक और प्रधानाचार्य उन विद्यार्थियों के प्रति उदासीन रहते हैं, जिनमें उन्हें जितना सिखाया जा रहा है, उससे अधिक – बहुत अधिक सीखने की ललक होती हैं।

प्रशंसा और प्रोत्साहन की जगह ऐसे विद्यार्थियों को केवल एक ही शब्द मिलता है – नहीं। जब वे कोई चुनौती लेने की बात करते हैं तो उन्हें ऐसा करने से रोका जाता है। जब वे उड़ना चाहते हैं तो उनके पंख बांध लिये जाते हैं।

अपनी कक्षा में रहो। अपनी हद को समझो।

यह एक राष्ट्रीय घोटाला है। और इसकी कीमत चुकाने की गति मंद हो सकती है लेकिन इससे अमरीकी उत्कृष्टता का लगातारपतन हो रहा है।

शीर्षक के विषय में

इस रिपोर्ट का शीर्षक, *धोखा खाया हुआ एक देश: विद्यालय अमरीका के प्रतिभाशाली विधार्थियों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं,* दर्शाता है कि हमारे देश की कक्षाओं में प्रतिदिन क्या होता है। जब हम अपने-आप से यह कहते हैं कि हमारे प्रतिभासंपन्न विद्यार्थियों को तेजी से आगे बढ़ने से कोई फायदा नहीं होगा, तब हम खुद को, अपने विद्यार्थियों और देश को धोखा देते हैं।

हम जानते हैं कि धोखा खाया हुआ एक अत्यंत सशक्त शब्द है। इस शीर्षक को चुनने से पहले हमने बड़ी संख्या में लोगों से चर्चा की और हम इसका समर्थन करते हैं।

यह शीर्षक भड़काने वाला – किंतु सटीक है। यह शीर्षक हमारी ओर से अमरीका को एक ईमानदार संदेश है, और यह संदेश है: खुद को और अपने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को धोखा देने की हिमायत अब किसी भी तरह नहीं की जा सकती।

इस रिपोर्ट के खंड 2 के 20 सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे

1. मेधावी बच्चों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी सबसे कारगर कार्रवाई है - गतिवर्धन।

2. शिक्षा और सामाजिक दोनों दृष्टियों से मेधावी छात्रों के लिए गतिवर्धन के दीर्घकालीन लाभदायक प्रभाव होते हैं।

3. गतिवर्धन एक लगभग मुफ़्त कार्रवाई है।

4. आमतौर पर मेधावी बच्चे अपने हमउम्र बच्चों के मुकाबले सामाजिक व भावनात्मक दृष्टि से ज़्यादा परिपक्व होते हैं। गतिवर्धन कई मेधावी विद्यार्थियों के लिए सहपाठियों के साथ एक बेहतर व्यक्तिगत परिपक्व-मेल प्रदान करता है।

5. जब मेधावी बच्चों को उनके हमउम्र बच्चों के लिए विकसित पाठ्यक्रम दिया जाता है तो हो सकता है कि वे ऊब जाएं और दुखी हों और सीखने से विमुख हो जाएं।

6. परीक्षण, ख़ासकर अपने दर्जे से ऊपर के दर्जे के लिए परीक्षण (बड़ी उम्र के विद्यार्थियों के लिए विकसित की गई परीक्षाओं का प्रयोग करना), उन बच्चों की खोज के लिए बहुत कारगर है जिन्हें गतिवर्धन से लाभ हो सकता है।

7. विद्यालयों को गतिवर्धन-संबंधी अच्छे निर्णय लेने में मदद करने के लिए प्रमाण और उपाय मौजूद हैं जिनके फलस्वरूप योग्य विद्यार्थियों के लिए यह एक कम जोख़िम / अधिक सफलता वाली कार्रवाई है। *आयोवा गतिवर्धन मापदंड विद्यालयों* को पूर्ण-कक्षा गतिवर्धन के बारे में निर्णय लेने में मदद करने के लिए बनाया गया एक ऐसा कारगर उपकरण है जिसकी कारगरता सिद्ध हो चुकी है।

8. मेधावी बच्चों के लिए उपलब्ध 18 प्रकार के गतिवर्धन दो मुख्य श्रेणियों में आते हैं: कक्षा पर आधारित गतिवर्धन, जो विद्यार्थी द्वारा K–12 प्रणाली में बिताए गए वर्षों की संख्या घटाता है, और विषय पर आधारित गतिवर्धन, जो सामान्य के मुकाबले अधिक जल्दी उन्नत विषय-वस्तु की अनुमति देता है।

9. कुछ मेधावी विधार्थियों के लिए विद्यालय में समय से पूर्व प्रवेश शिक्षा और सामाजिक दोनों दृष्टियों से एक बेहतरीन विकल्प है। आमतौर पर शीघ्र भर्ती होने वाले उच्च क्षमता वाले छोटे बच्चे अपने से बड़े सहपाठियों के साथ आसानी से हिल-मिल जाते हैं।

10. समय से पहले कॉलेज में भर्ती होने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पढ़ाई में लघुकालीन और दीर्घकालीन दोनों सफलताएं मिलतीं हैं जिससे आगे चल कर उन्हें अपने काम में सफलता और व्यक्तिगत संतोष मिलता है।

11. हाई-स्कूल में पढ़ने वाले जो मेधावी विद्यार्थी अपने हमउम्र बच्चों के साथ रहना चाहते हैं उनके लिए समय से पहले पूर्णकालीन कॉलेज में जाने के कई विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें हाई-स्कूल और कॉलेज, पत्राचार द्वारा शिक्षा और ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में दोहरी भर्ती शामिल है। जो मेधावी विद्यार्थी हाई-स्कूल में पढ़ते हुए कॉलेज के स्तर के पाठ्यक्रम पढ़ना चाहते हैं उनके लिए उन्नत प्लेसमेंट (ए पी) बड़े पैमाने का बेहतरीन विकल्प है।

12. कॉलेज में समय से पहले प्रवेश करने वाले बहुत कम बच्चों को सामाजिक या भावनात्मक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जब यह सामने आतीं हैं तो आमतौर पर लघुकालीन और समायोजन प्रक्रिया का हिस्सा होतीं हैं।

13. अत्याधिक मेधावी विद्यार्थियों के लिए पूर्ण गतिवर्धन (दो या दो से अधिक कक्षाएं पार करना) पढ़ाई और सामाजिक दोनों दृष्टियों से कारगर साबित होता है।

14. इसकी सफलता और कारगरता के प्रचुर अनुसंधान प्रमाणों के बावजूद कई शिक्षक काफ़ी हद तक गतिवर्धन के ख़िलाफ हैं।

15. शिक्षा के क्षेत्र में गतिवर्धन के प्रति अमरीका के नज़रियों में बड़े पैमाने में बदलाव को बढ़ावा देने के लिए हमें बदलाव के सभी माध्यमों का इस्तेमाल करने की ज़रूरत होगी : कानून, न्यायालय, प्रशासनिक नियम और व्यावसायिक कदम।

16. विकलांग मेधावी विद्यार्थियों के लिए गतिवर्धन विकल्पों का उचित कार्यान्वयन करने के लिए बहुत अधिक समय और संसाधन लगते हैं।

17. बच्चे के गतिवर्धन के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया में अभिभावकों को पूरी तरह शामिल करना महत्त्वपूर्ण है।

18. गतिवर्धन के संदर्भ में जो कुछेक समस्याएं सामने आयीं हैं उनका मूल कारण अपूर्ण या खराब योजना है।

19. शैक्षिक निष्पक्षता का अर्थ शैक्षिक समानता नहीं है। निष्पक्षता सीखने की तैयारी से संबंधित व्यक्तिगत भिन्नताओं को ध्यान में रखती है और प्रत्येक विद्यार्थी के मूल्य को स्वीकार करती है।

20. शिक्षकों के लिए मुख्य प्रश्न यह नहीं है कि *क्या* एक मेधावी विद्यार्थी का गतिवर्धन करना जरुरी है अपितु यह है कि यह *कैसे* करना है।

इन मुद्दों के बारे में जानकारी देने वाले अनुसंधान के बारे में अधिक जानकारी के लिए *एक धोखा खाया हुआ देश* का खंड 2 देखें

अमरीका का जवाब है – "नहीं"

अमरीका के सर्वाधिक मेधावी विद्यार्थियों को क्या सुनने को मिलता है ? हर साल, देश भर में, जिन विद्यार्थियों को अपनी प्राकृतिक सीखने की गति से आगे होना चाहिए उन्हें इंतज़ार करने को कहा जाता है। हज़ारों विद्यार्थियों को अपनी अपेक्षाएं नीची करने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए इंतज़ार करने को कहा जाता है। वे जो भी करना चाहते हैं उनके शिक्षक कहते हैं कि यह बाद में किया जा सकता है।

कई विद्यालय संघों के अनुसार इंतज़ार करना एक बुद्धिमत्ता का काम है। यही बच्चे के लिए सर्वोत्तम है।

मगर समस्या है कि ऐसा नहीं है। एक के बाद एक अनुसंधान हमें यह बताते हैं जो कई मेधावी परंतु ऊबे हुए विद्यार्थी पहले से जानते हैं – आम कक्षा में चुनौती का अभाव है। जब उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की बात आती है तो हम खुद को धोखा दे रहे हैं। उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इसे आगे बढ़ने में मदद करने की ज़रूरत है।

उत्कृष्टता की शुरूआत महज एक शब्द से होती है – 'हाँ'।

मेधावी बच्चों को गणित की जटिल समस्याएं देने के लिए 'हाँ'। उन्हें एक और भाषा सीखने देने के लिए 'हाँ'। उन्हें गतिवर्धन कर अपने आयु-वर्ग से आगे की कक्षाओं में पढ़ने देने के लिए 'हाँ'। उन्हें उड़ने देने के लिए 'हाँ'।

इसकी बजाय हम नहीं कहते हैं। और न कह कर हम मेधावी बच्चों की प्रेरणा को क्षतिग्रस्त करते हैं और स्वयं को हानि पहुँचाते हैं। हम इस विचार से जुड़े रहते हैं कि सभी बच्चे अपनी उम्र के बच्चों के साथ बेहतर रहेंगे। हम इस पर प्रश्नचिन्ह भी नहीं लगाते। और हमारे देश, हमारे समाज और हमारे बच्चों को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

उत्कृष्टता अपनी सक्रियता खो सकती है। यह आत्मतुष्टि बन सकती है। यह उदासीनता बन सकती है। अगर इसे नज़रंदाज़ किया जाए तो यह जो हमेशा बनती है वह जो यह हो सकती है उससे कम ही होता है। जब हम गतिवर्धन को ना कहते हैं तो हम चुपचाप, और विडंबना यह है कि अच्छे इरादों के बावजूद, अपने देश के मानकों को उत्कृष्टता से नीचे मूलभूत कौशल की ओर धकेलते हैं। उत्कृष्टता को बस नज़रंदाज़ किया जाता है।

'हाँ' की कीमत

उत्कृष्टता को पुनः जीवंत करने की क्या कीमत होगी ?

बहुत कम। मेधावी बच्चों को आगे बढ़ाने की कीमत न के बराबर है। दरअसल, अक्सर गतिवर्धन से पैसा बचता है।

जब एक हाई-स्कूल का विद्यार्थी उन्नत प्लेसमेंट (ए पी) कक्षाओं जैसे कॉलेज के स्तर के पाठ्यक्रम पढ़ता है तो उसके माता-पिता हज़ारों डॉलर बचाते हैं क्योंकि अधिकतर विश्वविद्यालयों में इन पाठ्यक्रमों की कीमत यही होती।

2004 में देश भर में 19 लाख ए पी परीक्षाएं देने वाले 10 लाख से भी ज़्यादा विद्यार्थियों के माता-पिता कॉलेज की पढ़ाई पर खर्च होने वाले लाखों डॉलर बचा रहे हैं। और साथ ही समुदाय में कम उम्र के व्यावसायी आने से हमारे आस-पड़ोस सशक्त होते हैं और कर आधार बढ़ता है।

अमरीकी विद्यार्थियों के लिए 'हाँ' का क्या अर्थ हो सकता है इस बारे में और जानने के लिए आगे पढ़ें। नर्सरी, प्राथमिक विद्यालय, हाई स्कूल और कॉलेज के स्तरों पर हाँ के अर्थ में थोड़ा अंतर है। मगर लगभग सभी स्थितियों में यह एक महत्त्वपूर्ण शब्द है। अमरीकी उपलब्धि की लंबी गाथा का यह पहला अक्षर है।

'हाँ' वह शब्द है जो बहुत धन बचाता है मगर साथ-साथ यह कई मेधावी छोटे दिमाग भी बचाता है। और कई स्थितियों में यह उन विद्यार्थियों को कई सालों के अकेलेपन और सामाजिक अलगाव से भी बचाता है जो अपने हमउम्र बच्चों के साथ ठीक से हिल-मिल नहीं पाते और जो अपने जैसी रुचियों वाले मित्र चाहते हैं।

'हाँ' उन बच्चों के लिए उपलब्धि की राहें खोलता है जिन्हें चुनौती का इंतज़ार है।

विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से रोकते हैं

शैक्षिक रुप से उन्नत छात्रों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, इस बात पर विचार-विमर्श के लिए मिलने वाले अभिभावकों और शिक्षकों को, उनके विद्यालय द्वारा कई प्रकार के सुझाव दिए जाते हैं। कुछ सुझावों को सुनने के बाद ऐसा लगता है मानो गतिवर्धन कोई डरावनी चीज हो। ऐसे सुझाव पुराने मिथकों का एक नया रूप हो सकते हैं।

यह जानना बहुत कठिन है कि असली सच्चाई क्या है और अर्थहीन बातें क्या-क्या हैं। बौद्धिक अनुसंधान यह बताता है कि गतिवर्धन के बारे में आप जो भी सुनते हैं, उनमें अधिकतर गलत होता है, कुछ आंशिक रूप से सच होता है और कुछ वाकई सच होता है।

मिथक और सत्य

हमारे शीर्षक के अनुसार, अमरीका को धोखा दिया गया है क्योंकि हम कई दशकों से मेधावी छात्रों के गतिवर्धन की प्रभावोत्पादकता के बारे में सच्चाई जानते हैं। तथापि, यह सच हमारे देश के नौनिहालों के लिए शिक्षा नीति बनाने का निर्णय लेने वालों से छुपा कर रखा गया है। इसलिए गतिवर्धन के बारे में लिए गए निर्णय पारंपरिक रुप से व्यक्तिगत पूर्वग्रहों या अधूरी और गलत जानकारी पर आधारित होते हैं। शिक्षा के लिए राजनीतिक झगड़ों के बीच होनहार बच्चों का हित कहीं खो गया है।

विद्यालयों ने अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को अलग-अलग कारणों से आगे बढ़ने से रोका है। अब महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह हैं कि ऐसा क्यों और कैसे होता है। हमारे वर्तमान अनुसंधान के क्रम में व्यापक अध्ययन और अपने अनुभवों और दक्षता के बारे में जानकारी साझा करने वाले अग्रणी शिक्षकों के साथ साक्षात्कारों के आधार पर हमने बारह मुख्य कारणों का पता लगाया है :

अपने देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों और शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए गहन अनुसंधान के नतीजों के आधार पर हमने प्रत्येक कारण के लिए उत्तर भी दिया है।

गतिवर्धन क्या है ?

गतिवर्धन एक प्रकार का शैक्षिक कार्य है जो छात्रों को शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से सामान्य गति के मुकाबले अधिक तेजी से और औसत उम्र से जल्दी आगे बढ़ाता है।

गतिवर्धन में केवल एक विषय में गतिवर्धन, पूरी कक्षा छोड़ कर अगली कक्षा में जाना, समय से पहले विद्यालय में नामांकन जाना और उन्नत प्लेसमेंट [एड्वांस्ड प्लेसमेंट] पाठ्यक्रम शामिल है।

गतिवर्धन का अर्थ है छात्र की तत्परता और प्रेरणा की गति के साथ उसके स्तर, जटिलता और पाठ्यक्रम के साथ सामंजस्य स्थापित करना।

यह परिभाषित करना महत्त्वपूर्ण है कि गतिवर्धन का अर्थ क्या नहीं है। इसका अर्थ बच्चे को आगे धकेलना नहीं है। इसका अर्थ कत्तई नहीं है कि बच्चे को उसके तैयार होने से पहले ही उन्नत पाठ्य-सामग्री पढ़ने या अपने से बड़े बच्चों के साथ मिलने-जुलने के लिए दबाव डाला जाए।

दरअसल, गतिवर्धन का मतलब छात्रों को ऊंची उडान भरने देना है। गतिवर्धन एक कार्यनीति है जो व्यक्तिगत भिन्नताओं का सम्मान करती है और इस तथ्य को स्वीकारती है कि ये भिन्नताएं शैक्षिक लचीलेपन के योग्य हैं। यह संचयी शैक्षिक लाभ प्रदान करता है।

मिथक

गतिवर्धन एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा नहीं है क्योंकि अधिकतर छात्रों को इसकी ज़रूरत नहीं है।

यथार्थ

गतिवर्धन का महत्त्व अंकों से प्रेरित नहीं है बल्कि उच्च योग्यता वाले छात्रों की शैक्षिक ज़रूरतों के साथ न्याय करने के कारण है। कई ज़रूरी शैक्षिक कार्यक्रम आंकड़ों की बजाय ज़रूरत के आधार पर काम करते हैं। इनमें "हेड स्टार्ट प्रोग्राम" और द्विभाषी शिक्षा शामिल हैं। इसका महत्त्व केवल इसलिए कम नहीं हो जाता क्योंकि अधिकतर बच्चों को गतिवर्धन की ज़रूरत नहीं है।

ऐसी कोई प्रणाली नहीं है जो यह पता लगाने में हमारी मदद कर सके कि कितने विद्यार्थियों को गतिवर्धन की ज़रूरत है, लेकिन हमारे पास अपनी भविष्यवाणियों के लिए दो ऐतिहासिक सूचक हैं।

(1) कई सालों से, मानक परीक्षण ने त्वरित पाठ्यक्रम और प्लेसमेंट के लिए छात्रों की तत्परता के बारे में सटीक और उपयोगी जानकारी प्रदान किया है। तत्परता के अन्य सूचकों में शामिल हैं: प्रेरणा, दैनिक प्रदर्शन और माता-पिता एवं अध्यापक द्वारा निगरानी। यह सब विद्यालयों में आसानी से उपलब्ध हैं।

(2) उन्नत प्लेसमेंट (ए० पी०) पाठ्यक्रम मूलतः कुछ आभिजात्य विद्यालयों तक सीमित थे लेकिन अमरीका के 60% उच्च विद्यालयों के लाखों छात्रों के लिए यह सुविधा मुहैय्या कराई गई है। अब प्रश्न है, सभी उच्च विद्यालय में क्यों नहीं कराई गई?

अमरीका में गतिवर्धन को स्वीकार नहीं किए जाने के 12 कारण

कारण #1 : शिक्षकों में गतिवर्धन के बारे में जानकारी का अभाव। गतिवर्धन के फ़ायदों के बारे में हुए अनुसंधान से प्राप्त प्रमाणों के बारे में अधिकतर विद्यालयों के शिक्षकों को जानकारी नहीं है।

उत्तर : इस रिपोर्ट का प्राथमिक उद्देश्य इस अवरोध को समाप्त करना है। दो खंडों वाली इस व्यापक रिपोर्ट में गतिवर्धन के बारे में गहन अनुसंधान की पूरी जानकारी दी गई है और यह रिपोर्ट सभी विद्यालयों में मुफ़्त उपलब्ध है।

कारण #2 : गतिवर्धन में बारे में विश्वास की गति का उच्च नहीं होना। संभव है K–12 शिक्षकों को एक हस्तक्षेप के रुप में गतिवर्धन के बारे में जानकारी हो लेकिन इस विकल्प के प्रयोग के लिए आत्मविश्वास नहीं हो।

उत्तर : हम मानते हैं कि सभी शिक्षक ऐसे निर्णय लेते हैं, जिन्हें वे अपने विद्यार्थियों के बेहतर हित के लिए उचित समझते हैं। गतिवर्धन के विभिन्न शैक्षिक और सामाजिक लाभों के बारे में उत्साहजनक साक्ष्यों से शिक्षकों में इतना आत्मविश्वास आना चाहिए कि वे गतिवर्धन पर विचार कर सकें।

कारण #3 : गतिवर्धन व्यक्तिगत विश्वासों के प्रतिकूल है। जब व्यक्तिगत विश्वासों और अनुसंधान के साक्ष्य के बीच विरोधाभास होता है तो लगभग हर बार व्यक्तिगत विश्वास ही विजयी होता है।

उत्तर : यह रिपोर्ट शिक्षकों और माता-पिता को गतिवर्धन के बारे में अपने-अपने विश्वासों का पुनर्मूल्यांकन करते हुए उन्हें आत्मविश्लेषण और चर्चा के लिए आमंत्रित करती है।

कारण #4 : उम्र सबसे ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है। कई शिक्षकों के लिए, ग्रेड निर्धारण के लिए प्राथमिक निर्धारक बच्चों की तत्परता नहीं बल्कि उनकी उम्र हो गई है।

उत्तर : यह धारणा कि उम्र के अनुसार कक्षा की समानता होती है, व्यक्तिगत भिन्नताओं के बारे में हमारी जानकारी के विपरीत है। अनुसंधान बताते हैं कि होनहार विद्यार्थी शैक्षिक और भावनात्मक दृष्टि से अपने हम-उम्र बच्चों के मुकाबले अधिक उन्नत हैं। इसलिए, यह अधिक उपयुक्त है कि ग्रेड प्लेसमेंट के लिए मुख्य निर्धारक उम्र की बजाय तत्परता को माना जाए।

कारण #5 : खेद करने से बेहतर है - सुरक्षित रहना। अधिकतर शिक्षक गतिवर्धन नहीं करने को अधिक सुरक्षित विकल्प मानते हैं – उन्हें लगता है कि कुछ नहीं करना नुकसानदेह नहीं है।

उत्तर : कुछ नहीं करना "नुकसान नहीं पहुँचाने" के समान नहीं है। गतिवर्धन नहीं करने का निर्णय अपने-आप में एक हस्तक्षेप है। साक्ष्य बताते हैं कि जब बच्चों की शैक्षिक और सामाजिक ज़रूरतें पूरी नहीं होतीं तब उन्हें बोरियत और विद्यालय से अलगाव महसूस होने लगता है।

कारण #6 : शिक्षण कॉलेजों में गतिवर्धन नहीं पढ़ाया जाता है। शिक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले ये संस्थान शिक्षकों और प्रबंधकों को गतिवर्धन संबंधी निर्णय लेने के लिए तैयार नहीं करते।

उत्तर : प्रचुर अनुसंधान सामग्री उपलब्ध हैं लेकिन शिक्षण कॉलेजों के प्रोफ़ेसर भावी अध्यापकों के सामने उन्हें प्रस्तुत नहीं करते हैं। यह रिपोर्ट उन्हें सूचित करने में सहायता करेगी। हम जानते हैं कि संकाय अनुसंधान का सम्मान करते हैं और हमें उम्मीद है कि वे इस जानकारी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करेंगे।

कारण #7 : बच्चों को आगे धकेलना अनुचित है। शिक्षक और माता-पिता गतिवर्धन को बच्चों से उनका बचपन जल्दी छीनने के रुप में देखते हैं।

उत्तर : गतिवर्धन छात्र को समुचित गति से आगे बढ़ाता है। जल्दबाज़ी के बारे में चिंतित होकर, एक ऐसे उत्साही, जोशीले और होनहार बच्चे की बराबरी करने का अवसर गंवा देते हैं, जिसमें सही पाठ्यक्रम के साथ आगे बढ़ने की क्षमता है। वे होनहार छात्र की सीखने की ललक की अनदेखी करते हैं।

कारण #8 : नए मित्र बनाना मुश्किल है। शिक्षक डरते हैं कि जिन बच्चों का गतिवर्धन किया जाता है वे नई कक्षा में सामाजिक रुप से उचित तालमेल नहीं बना पाते हैं।

उत्तर : विद्यालय के वातावरण में सामाजिक तालमेल एक उलझा हुआ विषय है। गतिवर्धन किए जाने वाले कुछ बच्चे आसानी से या तत्काल तालमेल नहीं बना पाते हैं। वैसे बच्चे, जो अपने हम-उम्र छात्रों से खुद को अलग महसूस करते हैं, उनमें सामाजिक आत्मविश्वास विकसित करने के लिए समय की आवश्यकता हो सकती है।

हालांकि गतिवर्धन के परिवेश में सामाजिक सफलता का प्रमाण उतना स्पष्ट नहीं है जितना कि शैक्षिक सफलता का है, बावजूद इसके यह नकारात्मक नहीं है बल्कि अधिक सकारात्मक है। गतिवर्धन मित्रता के दायरे का विस्तार करता है। कई होनहार बच्चे अधिक उम्र के बच्चों की ओर आकर्षित होते हैं इसलिए मित्र बनाना ज़्यादा आसान हो जाता है।

मिथक

गतिवर्धन अमीरों के लिए है।

यथार्थ

प्रतिभा जातीयता, लिंग, भौगोलिक और आर्थिक पृष्ठभूमि में भेद के बिना सभी जनसंख्या समूहों में मौजूद है। गतिवर्धन उन छात्रों के लिए सबसे ज़्यादा लाभदायक है जो गरीब घरों से आते हैं क्योंकि अमीर माता-पिता अपने बच्चों को अतिरिक्त मौके देने में सक्षम हैं जो चुनौतीपूर्ण और त्वरित हो। गतिवर्धन अवसरों के स्तर को समान बनाता है क्योंकि परिवार या विद्यालय के लिए इसकी लागत नगण्य होती है।

"एक अफ्रीकी-अमरीकी के रुप में

जिनके पास अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों और गरीब छात्रों के लिए काम करने का पर्याप्त अनुभव था, उनके लिए मै हमेशा बच्चों की कमज़ोरी की जगह उनकी क्षमता पर ध्यान केन्द्रित करने का पक्षधर रहा हूँ। मैं उन अल्पसंख्यक समुदाय के और गरीब बच्चों के लिए एक प्रभावी उपाय के रुप में गतिवर्धन का पक्षधर हूँ, जो ऐसी चुनौती के लिए तैयार हैं।

प्रोफ़ेसर डोना वाई० फ़ोर्ड, वैंडरबिल्ट विश्वविद्यालय

किसका गतिवर्धन होना चाहिए ?

इस रिपोर्ट में, हमने बुद्धिमान, होनहार, उच्च योग्यता वाले और अत्याधिक सक्षम जैसे समानार्थी शब्दों का प्रयोग किया है। यह सभी शब्द यह इंगित करते हैं कि गतिवर्धन का लाभ उन छात्रों को होता है जो शैक्षिक क्षमता और तत्परता की दृष्टि से विशिष्ट होते हैं।

सभी गतिवर्धनों के लिए उच्च शैक्षिक योग्यता आवश्यक है। मानकीकृत परीक्षा अंक और अध्यापक के प्रेक्षण इस बात का प्रमाण देते हैं कि एक छात्र ने वर्तमान पाठ्यक्रम अच्छी तरह आत्मसात कर लिया है और वह अधिक तेज़ और जटिल पाठ्यक्रम के लिए तैयार है। लेकिन पाठ्यक्रम को आत्मसात करना ऐसी तमाम विशेषताओं में से एक है जिन्हें यह तय करते हुए ध्यान में रखना चाहिए कि बच्चा गतिवर्धन के लिए तैयार है। क्या गतिवर्धन उपयुक्त है, इस विषय पर गौर करते समय माता-पिता और शिक्षक बच्चे की प्रेरणा, उसकी सामाजिक-भावनात्मक परिपक्वता और रुचियों के बारे सोचना चाहेंगे।

कम-से-कम 18 अलग-अलग तरह के गतिवर्धन हैं और माता-पिता तथा शिक्षकों को ऐसा लग सकता है कि उनके बच्चे के लिए कोई एक उपयुक्त है तो दूसरा उपयुक्त नहीं है। उदाहरण के लिए, एक कक्षा पढ़े बिना सीधे अगली कक्षा में जाने वाले छात्र को सफल होने के लिए शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ भावनात्मक परिपक्वता की भी ज़रूरत होती है। तथापि, केवल एक विषय में गतिवर्धन के संदर्भ में, शैक्षिक योग्यता अधिक महत्त्वपूर्ण कसौटी है जबकि सामाजिक-भावनात्मक परिपक्वता अधिक चिंता का विषय नहीं है।

कितने छात्रों का गतिवर्धन किया जाना चाहिए ? आज इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। हम जानते हैं कि पूरे अमरीका में बड़ी संख्या में छात्र उन्नत प्लेसमेंट (ए० पी०) कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। लेकिन हमारे पास यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि कितने बच्चे अन्य प्रकार के गतिवर्धनों में भाग लेते हैं। चूंकि पिछले कई दशकों में अमरीका के अधिकतर विद्यालयों में गतिवर्धन को स्वीकार नहीं किया गया इसलिए हम नहीं जानते कि कितने बच्चे भाग ले सकते हैं या कितने बच्चों को इसमें भाग लेना चाहिए। आने वाले समय में, गतिवर्धन को एक नई स्वीकृति मिलने और अधिक सूचनाओं की उपलब्धता के साथ हमें इसके प्रसार का निर्धारण करने में मार्गदर्शन के लिए आंकड़े उपलब्ध होने चाहिए।

कारण #9 : सबके लिए समान अवसर की तुलना में केवल एक बच्चा कम महत्त्वपूर्ण है। पढ़ाई के बारे में राजनीतिक मतभेदों और सांस्कृतिक संघर्षों में व्यक्तिगत भिन्नता की अनदेखी की गई है।

उत्तर : जब शिक्षक निष्पक्षता और एकरूपता में अंतर नहीं कर पाते तो वे चाहते हैं कि सभी छात्र एक समय पर एक ही पाठ्यक्रम पढ़ें। यह समान अवसर का उल्लंघन है।

जब गतिवर्धन की बात आती है तो अधिकतर बच्चों को इसकी ज़रूरत नहीं होती। दरअसल, यह उनके लिए शैक्षिक और सामाजिक दोनों ही दृष्टियों से प्रतिकूल होगा। लेकिन् जिन बच्चों को इसकी ज़रूरत है उनके लिए गतिवर्धन एक उपयुक्त और चुनौतीपूर्ण शिक्षा का सर्वोत्तम अवसर है।

योग्यता का मूल्यांकन करने और व्यक्तिगत भिन्नताओं को स्वीकारते हुए विशेष कार्यक्रम बनाने के बारे में हमारा बहुत कुछ जानते हैं। किसी बच्चे की ज़रूरतों को पहचानने में लचीलापन का होना शिक्षा का आधार है। तथापि, जब राजनीतिक और सांस्कृतिक दबाव व्यक्तियों की सीखने की ज़रूरतों को समांगीकृत करते हैं और हम ऐसा अभिनय करते हैं मानो कोई अर्थपूर्ण विद्यार्जन-संबंधी अंतर नहीं है तो कभी-कभी यह लचीलापन खो जाता है।

बच्चों के शैक्षिक भिन्नताओं की अनदेखी करना न तो लोकतंत्रीय है और न ही उपयोगी है। कक्षा में पढ़ाने वाला हर शिक्षक जानता है कि बच्चों की अलग-अलग शैक्षिक और सामाजिक ज़रूरतें होतीं हैं। गतिवर्धन व्यक्तिगत भिन्नताओं की सम्मानजनक स्वीकृति के साथ-साथ उनका समाधान करने का भी माध्यम है।

कारण #10 : यह अन्य बच्चों को व्यथित करेगा। कभी-कभी शिक्षक डरते हैं कि एक बच्चे का गतिवर्धन करने से अन्य छात्रों के आत्मसम्मान में कमी आएगी।

उत्तर : यह एक महत्त्वपूर्ण विषय है। हम विद्यालयों में जो कुछ भी करते हैं वह सभी विद्यार्थियों के प्रति सम्मान और चिंता पर आधारित होना चाहिए। दरअसल, संवेदनशीलता का यह स्तर उन बातों में से एक है जो अमरीका को ख़ास बनाता है।

तथापि बच्चों को अपने हम-उम्र बच्चों को कई क्षेत्रों, जैसे खेल-कूद और संगीत, में अलग-अलग गति से प्रगति करते हुए देखने की आदत है। विद्यालय में एक या दो बच्चों का गतिवर्धन करने से कक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बहुत कम संभावना होती है।

कारण #11 : बच्चों के ज्ञान में कमी रह जाएगी। शिक्षक इस बारे में चिंतित हैं कि जिन छात्रों का गतिवर्धन किया गया है अवधारणाओं की समझ उनमें कम होगी।

उत्तर : हम छात्रों का गतिवर्धन इसलिए करते हैं क्योंकि वे अपने शैक्षिक विकास और ज्ञान में हम-उम्र बच्चों से काफ़ी आगे हैं। होनहार छात्र तेजी से सीखते हैं और उनमें कोई भी कमी जल्द ही पूरी हो जाती है।

कारण #12 : विपदाएं यादगार होतीं हैं। गतिवर्धन के असफल मामले मौजूद हैं परंतु सफलता की कमी के कारण ही इनकी संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है।

उत्तर : अच्छी ख़बरों से कोई ख़बर नहीं बनती। दूसरी ओर बुरी ख़बरों से अख़बार बिकते हैं और ये समुदायों में तेज़ी से फैलती है। बिना व्यक्तिगत जानकारी के भी लोग किसी असफल गतिवर्धन के बारे में बार-बार और बढ़ा-चढ़ाकर कहानियां सुनाएंगे। अनुसंधानकर्त्ता यह स्वीकार करते हैं कि गतिवर्धन उत्कृष्ट नहीं है और कुछ परिस्थितियों में हो सकता है कि यह आदर्श नहीं हो लेकिन ऐसे मामले अक्सर अधूरी योजना और नकारात्मक मनोवृतियों से उत्पन्न होते हैं।

हमें यह मानना होगा कि एक बहुत ही सकारात्मक कार्रवाई में भी कमियां हो सकती हैं। कुछ कमजोर निर्णय गतिवर्धन को एक विकल्प मानने के महत्त्व को कम नहीं करते। उत्कृष्ट योजना बनाकर असफलताओं को न्यूनतम किया जा सकता है।

निष्कर्ष : गतिवर्धन कारगर है। किसी अत्यधिक योग्यता वाले बच्चे को कैसे शिक्षित किया जाना चाहिए, इस विषय पर चर्चा में इसे अवश्य शामिल करना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम खुद को और अपने बच्चों को धोखा देना बंद करें।

अमरीका में गतिवर्धन का इतिहास

अमरीका की नींव इस विश्वास के साथ डाली गई थी कि हर व्यक्ति को अपने-अपने सपनों को पूरा करने का जन्मसिद्ध अधिकार है, जिसे स्वतंत्रता की घोषणा में "जीवन, स्वतंत्रता और आनंद की खोज" का सार्वभौमिक अधिकार कहा गया।

हमारे देश के इतिहास के शुरूआती दिनों में, होनहार युवाओं को कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में उच्च-शिक्षा के अपने सपने को पूरा करने की कोशिश करते प्राय: मिलते थे। उच्च शिक्षा के लिए उन्हें घर पर ट्यूटरों द्वारा तैयार किया जाता था या फिर वे एक कमरे वाले विद्यालयों से उपाधियां प्राप्त करते थे। हमारे देश में बड़े निगमों और व्यापक स्कूली व्यवस्था के आदर्श बनने से पहले वैयक्तिक स्तर की शिक्षा मानक प्रथा थी।

एक कमरे वाले विद्यालय बच्चों को उनकी ही गति से पढ़ने देते थे। शिक्षक अपने छात्रों को भली-भांति जानते थे और छात्रों की प्रगति में कोई बाधा नहीं होती। कालांतर में, जनसंख्या में निरन्तर वृद्धि और अमरीका की संस्कृति के अधिक सामूहिक और मानक होने के साथ-साथ, एक कमरे वाले विद्यालयों का स्थान ऐसे विद्यालयों ने ले लिया जहाँ विद्यार्थियों की योग्यता और प्रेरणा की बजाय उम्र के अनुसार उनके समूह बनाए जाते थे।

यह एक शैक्षिक निर्णय नहीं था। यह बच्चे और किशोर के विकास की संकीर्ण समझ पर आधारित एक संगठनात्मक निर्णय था, जिसका लक्ष्य बच्चों को उनके हमउम्र बच्चों के साथ रखना था। यह सामूहिक समानताओं को स्वीकारने और उसके अनुसार प्रतिक्रिया करने की महत्त्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता था। यह संगठन के औद्योगिक मॉडल की निपुणता के प्रति अमरीकी विश्वास के समानांतर भी था।

इसमें व्यक्तिगत असमानताओं के अभिमूल्यन की कमी थी। शैक्षिक आवश्यकताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं चरम सीमा पर अधिक स्पष्ट होती हैं। विद्यार्थियों ने वह अधिकार खो दिया, जिसमें वे इस आधार पर अपनी शिक्षा को निर्देशित करते थे कि नई और जटिल सामग्री को कितनी जल्दी सीख सकते हैं।

आज भी कभी-कभी, उन्नत विद्यार्थी समय से पहले कॉलेज पहुँच जाते हैं, लेकिन, चूंकि होनहार छात्रों के लिए संवर्धन कार्यक्रम तैयार हुए इसलिए उन्नत छात्रों को उनके हमउम्र बच्चों के साथ रखा जाने लगा। एक, दो या तीन साल आगे बढ़ाने की संभावना की जगह विद्यालय-पश्चात संवर्धन

यह मसला अलग क्यों है

ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो शिक्षा हमेशा से जटिल और बहु-आयामी उद्यम रहा है; इसलिए, परिवर्तनशील घटकों को अलग करना चुनौतीपूर्ण है। आज अमरीका में कई ऐसी शिक्षा प्रणालियां हैं, जिनके पास उनके कार्यान्वयन के समर्थन में स्पष्ट अनुसंधान प्रमाण नहीं हैं। उन्हें व्यक्तिगत मान्यताओं या राजनीतिक आदेशों के कारण कार्यान्वित किया जाता है।

लेकिन, एक कार्रवाई के रुप में गतिवर्धन इनसे अलग है। कई दशकों के अनुसंधान इसका पुरजोर समर्थन करते हैं, बावजूद इसके, ज्यादातर शैक्षिक समुदाय इस अनुसंधान के नीति-संबंधी अभिप्रायों की उपेक्षा करते हैं।

इसलिए हमें निम्नलिखित बातें स्पष्ट करने की बाध्यता महसूस होती है : (1) गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान खर्चीला और तर्कयुक्त है; और (2) हमें ऐसी किसी दूसरी शिक्षा प्रणाली के बारे में जानकारी नहीं है, जिसके लिए इतनी अच्छी तरह से अनुसंधान किया गया हो, इसके बावजूद इसका शायद ही कार्यान्वित किया गया है।

गतिवर्धन के प्रकार

1. नर्सरी में समय से पहले नामांकन
2. पहली कक्षा में समय से पहले नामांकन
3. कोई कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना
4. निरंतर प्रगति
5. अपनी गति के अनुसार शिक्षा
6. विषय-वस्तु गतिवर्धन / आंशिक गतिवर्धन
7. संयुक्त कक्षाएं
8. पाठ्यक्रम को सुगठित करना
9. कई सालों के पाठ्यक्रम को कम समय में पूरा करना
10. मार्गदर्शन
11. पढ़ाई के अतिरिक्त कार्यक्रम
12. पत्राचार पाठ्यक्रम
13. समय-पूर्व स्नातक
14. साथ-साथ/दोहरा नामांकन
15. उन्नत प्लेसमेंट
16. परीक्षा द्वारा पाठ्य-इकाई पूरा करना
17. कॉलेज में गतिवर्धन
18. माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय या कॉलज में समय से पहले नामांकन

"गतिवर्धन के प्रकार: पहलू और मुद्दे" ("Types of Acceleration: Dimensions and Issues)," डब्ल्यू० टी० सदर्न और ई० डी० जोन्स द्वारा लिखित *एक धोखा खाया हुआ देश* (A Nation Deceived) V. II, पाठ 1, pp. 5–12 से उद्धृत।

ने ले ली। जिस गति से आप सीखने को तैयार थे उसी गति से सीखने का विकल्प यानी आनंद प्राप्ति की कोशिश में कमी आ गई।

युद्ध के वर्ष

अमरीका ने पारंपरिक रुप से, युद्ध के समय विद्यार्थियों को अधिक तेज़ी से कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। संकट के इस समय में हमारे नेता यह स्वीकार करते हैं कि परंपराओं और नियमों के मुकाबले क्षमता और कौशल ज़्यादा महत्त्वपूर्ण हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध से ठीक पहले, ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय, इल्लिनोइस विश्वविद्यालय और शिकागो विश्वविद्यालय सभी ने कॉलेज में कम उम्र के छात्रों का नामांकन करने के कार्यक्रम शुरू किये। कोरियाई युद्ध के दौरान भी विश्वविद्यालयों की ऐसी ही प्रतिक्रिया थी। फ़ोर्ड फ़ाउंडेशन ने सेना में भर्ती होने से पहले 16 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां देकर पूर्णकालिक विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा के लिए नामांकन में सहायता दी थी। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले 12 कॉलेजों ने इस प्रयास के ख़त्म होने के बाद भी कम उम्र के छात्रों को स्वीकर करते रहे लेकिन उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों का नामांकन सक्रियता से करना और उन्हें विशेष वित्तीय सहायता देना बंद कर दिया।

तथापि, फ़ोर्ड फ़ाउंडेशन ने 1950 के दशक के मध्य में एक विशेष काम किया, जो अब प्रति वर्ष लाखों अमरीकी छात्रों की सहायता करता है। उसने कॉलेज बोर्ड उन्नत प्लेसमेंट कार्यक्रम (ए०पी०) की स्थापना की, जो कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को उच्च विद्यालय के छात्रों को पाठ्यक्रम इकाई और उच्च प्रतिष्ठा प्रदान करने का अवसर देता है।

वर्ष 2004 में आश्चर्यजनक रुप से 19 लाख छात्रों ने ए०पी० परीक्षा दी। यह छात्र पिछली पीढ़ियों के एक कमरे वाले विद्यालयों के तेज़ी से आगे बढ़ने वाले छात्रों के वंशज हैं।

अगर उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया जाए तो मेधावी छात्र आज भी "हाँ" कहते हैं।

अमरीका के नेता अक्सर एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाते थे

गतिवर्धन अमरीकी शिक्षा के ऐतिहासिक ढांचे का हिस्सा है। गतिवर्धन करने वाले छात्र अमरीका के नेताओं के पदचिन्हों पर चलते हैं।

नागरिक अधिकार आंदोलन के नेता और नोबल शांति पुरस्कार विजेता मार्टिन लूथर किंग, जूनियर, ने 15 साल की उम्र में उच्च विद्यालय की शिक्षा पूरी की।

कवि टी० एस० इलियट की तरह ही, कलाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए महान दक्षिणी लेखक यूडोरा वेल्टी का भी गतिवर्धन किया गया था। चिकित्सा और शरीर विज्ञान के क्षेत्र में जोशुआ लीडरबर्ग सबसे कम उम्र के नोबल पुरस्कार विजेता थे। विज्ञान के क्षेत्र में जेम्स वॉटसन और चार्ल्स टाउन्स एक कक्षा पढ़े बिना सीधे अगली कक्षा में गए थे और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सांद्रा डे ओ'कोन्नूर 16 साल की उम्र में स्नातक हुईं। यह सभी ऐसे गतिवर्धन के प्रमुख उदाहरण हैं, जो कारगर हुए।

गतिवर्धन लंबे समय से कामयाब होता रहा है। डब्ल्यू० ई० बी० डुबुआ एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में गए और उन्होंने 16 साल की उम्र में उच्च विद्यालय की शिक्षा पूरी की। टी० एस० इलियट ने हार्वर्ड से अपनी पूर्वस्नातक डिग्री तीन सालों में और स्नाकोत्तर डिग्री एक साल में पूरी की और साहित्य का नोबल पुरस्कार प्राप्त किया।

एक तरफ जहाँ मिथक कहते हैं कि एक कक्षा पढ़े बिना आगे बढ़ने वाले छात्र शायद ही समाज में अपना स्थान बना पाते हैं वहीं दूसरी तरफ वास्तविकता यह है कि ऐसे ही छात्रों ने अमरीका को महान ऊँचाई पर ले गए हैं। अपने व्यक्तिगत सपनों को पूरा करने वाले युवा वर्ग अक्सर वही वर्ग होता है, जो हमें यह समझने के लिए प्रेरित करते हैं कि असल में हमारे राष्ट्र का सपना क्या हैं।

जब महान नेता जल्दी समाज तक पहुँचते हैं तो सभी को फ़ायदा होता है। अपने देश के इतिहास की शुरूआत में ही हमने इस अवधारणा को समझ लिया था और आज यह सच भी है। गतिवर्धन केवल उस अकेले होनहार बच्चे का मसला नहीं है, जो कक्षा में अपनी क्षमता से कम चुनौती का सामना कर रहा है। इसका संबंध कई हज़ार बच्चों से है और यह अमरीका के भविष्य से जुड़ा है।

'उत्कृष्टता' की जड़ें

यूनानी भाषा से है, जो दरअसल अन्य लोगों को पीछे छोड़ना नहीं है, या उनसे अधिक महान बनना भी नहीं है बल्कि इसका अर्थ है - प्राकृतिक रुप से बढ़ना – पल्लवित-पुष्पित होना, जैसे फसल बढ़ती है। इस शब्द के लिए विश्व की प्राचीनतम जड़ें, यूनानी भाषा से है, जो "पहाड़ी" शब्द से है।

"उस पहाड़ी की कल्पना करें। इसे प्राकृतिक दृश्य पर नहीं रखा गया था ताकि घास का विशाल मैदान खुद को समतल महसूस कर सके। इसे पूरी ऊँचाई तक नहीं उठाया गया ताकि आकाश चकित नहीं हो सके। पहाड़ी होना ही इसका काम है। हम नहीं जानते कि ऐसा क्यों है लेकिन इतना जरुर जानते हैं कि पहाड़ी के बिना दुनिया असहनीय होगी।"

जोरी ग्राहम द्वारा लिखित "बौद्धिक उत्कृष्टता के मूल्यांकन के लिए एक पुकार" (A Call to Appreciate Intellectual Excellence) के विज़न v. 5 (1), p. 7 से उद्धृत।

जोरी ग्राहम को 1996 में *The Dream of the Unified Field: New and Selected Poems* के लिए कविता का पुलित्जर पुरस्कार प्राप्त हुआ। ग्राहम को मैकआर्थर फ़ाउंडेशन की फ़ैलोशिप सहित और भी कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं।

एक आसान हाँ : समय से पहले विद्यालय जाने की शुरूआत

आम तौर पर अभिभावकों का ही ध्यान सबसे पहले इसकी तरफ जाता है। "वह शैंपू की शीशी पर लिखी इबारत पढ़ रहा है", एक माँ ने अपने तीन-साल के बच्चे के बारे में कहा।

लेकिन इसके बाद अभिभावकों को एक और चकित कर देने वाले सच का पता लगता है।

अधिकतर जिलों के विद्यालय में, आम तौर पर चार साल के ऐसे बच्चे को विद्यालय जाने की शुरूआत करने से रोका जाता है, जो धाराप्रवाह पढ़ता है, पहले से ही गिनती आती है, सामाजिक दृष्टि से परिपक्व है और दिन-भर के लिए अपने माता-पिता से अलग रहने के लिए तैयार है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अनुसंधान बताते हैं कि माता-पिता इस बात का निर्णय बेहतर कर सकते हैं कि उनके बच्चे में उच्च कौशल हैं या नहीं। वे यह भी जानते हैं कि उनके बच्चे विद्यालय जाने के लिए सामाजिक तौर पर कब तैयार हैं।

यह जानने में अभिभावकों का स्वार्थ निहित होता है कि उनके बच्चे कितने सक्षम हैं ताकि वे बच्चे की जरुरतों के अनुसार उचित कार्यक्रमों को प्राप्त कर सकें।

उच्च कौशल वाले बच्चों को उनकी क्षमता की ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए उन्हें समय से पहले विद्यालय भेजने की शुरुआर करना उचित और कारगर तरीका है। नवीनतम *स्टेट ऑफ दि स्टेट्स गिफ्टेड एंड टैलेन्टेड एजुकेशन रिपोर्ट* (2001–2002) के अनुसार, ज्यादातर राज्यों में समय से पूर्व विद्यालय में भर्ती के संबंध में कोई स्पष्ट नीति नहीं है। विद्यालय के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों की कमी, पहली समस्या है, जिसका सामना पढ़ने वाले, सीखने में रुचि लेनेवाले तथा और अधिक सीखने की इच्छा रखने वाले एक चार साल के बच्चे को करना पड़ता है। लेकिन, प्रशासनिक अवरोध नहीं होने के बावजूद भी कई जिलों के विद्यालय पाँच साल से कम उम्र के बच्चों का नामांकन विद्यालय में करना ठीक नहीं समझते।

इस अनिच्छा के कारण समस्याएं उत्पन्न होती हैं। संभव है, कोई बच्चा बोरियत के साथ विद्यालय जाना शुरू करे और बाद में भी वह बोर ही होता रहे। वह कई सालों तक ऐसी कक्षाओं में रह सकते हैं जो उनके लिए बहुत आसान हैं। आम तौर पर विद्यार्थी को गतिवर्धन के योग्य समझने तक विद्यालय के कई साल बीत जाते हैं और तब तक बहुत-सा बहुमूल्य समय निकल चुका होता है।

कम उम्र में विद्यालय जाने की शुरुआत करने वाले मेधावी बच्चों के सामान्य गुण

- समय से पहले बोलने की क्षमता
- सशक्त गणित संबंधी कौशल
- लंबे समय तक ध्यान देने की क्षमता
- समय से पहले काल्पनिक आधार पर तर्क करने की क्षमता
- समय में समय से पहले रुचि

“गतिवर्धन

शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ज़्यादा अजीब तथ्यों में से एक है। मेरे ध्यान में ऐसा कोई और मुद्दा नहीं आता जिसमें अनुसंधान द्वारा सामने आए तथ्यों और पेशेवर लोगों के विश्वास के बीच इतना फर्क हो। गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान समान रुप से इतने सकारात्मक हैं और उपयुक्त गतिवर्धन के लाभ इतने स्पष्ट हैं कि यह समझना मुश्किल है कि कोई शिक्षक इसका विरोध कैसे कर सकता है।”

जेम्स एच० बोर्लैंड, प्रोफ़ेसर, टीचर्स कॉलेज, कोलम्बिया विश्वविद्यालय
मेधावी व्यक्तियों के लिए कार्यक्रमों की आयोजना और उनका कार्यान्वियन, 1989 (पृष्ठ 185)।

विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि एक साधारण “हाँ” किसी बच्चे को बचा सकता है।

बोरियत कारक

आमतौर पर, अभिभावकों को इस बात का शक सबसे पहले होता है कि उनके बच्चे को विद्यालय में कोई चुनौती नहीं दी जा रही। संभव है, एक पिता ऐसा महसूस करे कि उसका बच्चा तब ज़्यादा खुश दिखता है, जब उसे ऐसी किताबें या पहेलियां मिलती हैं जो बच्चे को चुनौती देती हो।

अभिभावक के इन प्रेक्षणों का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमानों की प्रचुरता है। सामान्यतया, उन बच्चों का प्रदर्शन शैक्षिक और सामाजिक दोनों ही दृष्टियों से बेहतर होता है, जिन्हें ध्यानपूर्वक समय से पहले विद्यालय में नामांकन के लिए चुना जाता है।

इसके कारण बहुत स्पष्ट हैं। विद्यालय जाने की शुरूआत समय से पहले होने पर, कम चुनौतियों का सामना करने वाला बच्चा यह नहीं सीखता कि बोरियत कैसी होती है। जिस बच्चे को सही कक्षा में रखा जाएगा, यह नहीं समझेगा कि विद्यालय आसान है और वह बिना काम किए सफल हो सकता है और वह शुरू से ही यह सीखेगा कि स्वयं को बेहतर बनाने की कोशिश करना सीखने का एक अद्‌भुत भाग है।

हम सभी ऐसे होनहार बच्चों को जानते हैं जो बड़े होकर प्रेरणाहीन व्यस्क बने। विद्यालय बहुत ज़्यादा आसान था और आलसीपन अभ्यस्त तरीका बन गया। समय से पहले चुनौतियां देकर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जो बच्चे पढ़ने का इंतज़ार नहीं कर सकते, वे बड़े होकर सीखने का इंतज़ार नहीं कर सकने वाले किशोर बनें।

अटपटे अंतराल से बचना

प्राथमिक कक्षाओं के दौरान समय से पूर्व गतिवर्धन के क्रम में कुछ ही हफ़्तों में संभावित ज्ञान और कौशल के बीच का अंतराल कम हो जाता है। एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने से ज्ञान के स्तर में दीर्घकालीन अंतराल नहीं आ पाता है।

मित्र छोड़ना और नए मित्र बनाना

कभी-कभी हम इस बात से चिंतित होटल हैं कि जो बच्चे एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाते हैं, उन्हें अपने मित्रों को छोड़ना पड़ता है। समय से पहले विद्यालय जाने की शुरूआत करने से और एक ही कक्षा में विद्यालय की शिक्षा पूरी कर होनहार छात्रों को अपने जाने-पहचाने सहपाठियों को नहीं छोड़ना पड़ेगा। वे विद्यालय में पहले दिन से ही उपयुक्त कक्षा में होते हैं।

इस कहानी का दूसरा पहलू भी है। कई प्रतिभासंपन्न विद्यार्थी अपने हम-उम्र बच्चों के साथ मित्रता नहीं कर पाते।

आमतौर पर वे अपने हम-उम्र बच्चों के मुकाबले सामाजिक और भावनात्मक दृष्टि से अधिक परिपक्व होते हैं। मित्रता के बारे में उनके विचार थोड़े अलग होते हैं। जिस उम्र में अधिकतर बच्चों के लिए मित्र का अर्थ एक ऐसा व्यक्ति होता है जिसके साथ वे खेल सकें, हो सकता है कि होनहार विद्यार्थी उसी उम्र में अपने विचार और भावनाएं साझा करने वाले एक सच्चे मित्र की तलाश में हों।

होनहार बच्चों के अभिभावक अक्सर महसूस करते हैं कि उनके बच्चे प्राकृतिक रुप से पड़ोस में रहने वाले अलग-अलग उम्र के उन बच्चों की तरफ आकर्षित होते हैं, जो समान शैक्षिक या बौद्धिक रुचि वाले हैं। उनके पसंदीदा खेल और किताबें उन किताबों जैसी हैं, जिन्हें बड़े बच्चे पढ़ते हैं। बड़े बच्चे भी उन्हें खुशी-खुशी स्वीकार करते हैं।

इसलिए प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना, मित्रों को छोड़ने का प्रश्न न होकर ऐसी जगह जाने का विषय हो सकता है जहाँ मित्र इंतज़ार कर रहे हों।

विद्यालय का सामाजिक पक्ष

अनुसंधानकर्ताओं ने उस प्रश्न पर गौर किया है जो कई अभिभावक घबराते हुए खुद से पूछते हैं: अगर कक्षा के दूसरे विद्यार्थी बड़े हों तो मेरे बच्चे के सामाजिक जीवन का क्या होगा ?

इसका जवाब यह है कि विद्यालय में ध्यानपूर्वक जाँच-पड़ताल के बाद लगभग भर्ती किए जाने वाले सभी होनहार बच्चे, बड़ी उम्र वाले अपने सहपाठियों के साथ सामाजिक रुप से अच्छी तरह तालमेल बना लेते हैं। संक्षेप में, कम उम्र के विद्यार्थी मित्र बनाते हैं। दरअसल वे हम-उम्र बच्चों के मुकाबले बड़ी उम्र के उन विद्यार्थियों के साथ अधिक खुश होते हैं जिनकी रुचियां एक जैसी होती हैं। इसका दूसरा पक्ष यह है कि आंकड़े कुछ डरावनी कहानियों को प्रस्तुत कर सकते हैं। संभव है, जिन बच्चों को जल्दी विद्यालय जाने के लिए *विशेषकर* नहीं चुना गया लेकिन अपने सहपाठियों के मुकाबले छोटे होते हैं – जैसे वैसे बच्चे जिनका जन्मदिन गर्मियों में आता है, वे अपने से बड़े सहपाठियों के मुकाबले अपरिपक्व हों।

ऐसा इसलिए है क्योंकि उम्र तत्परता के सूचकों में से केवल एक ही सूचक है। परंतु उम्र के साथ-साथ उन्नत कौशल और परिपक्वता एक दूसरा समीकरण है।

जिस बच्चे को इसलिए आगे किया गया है क्योंकि वह पहले ही आगे है, उनमें नकारात्मक सामाजिक परिणाम शायद ही मिलता है।

तकनीक पकड़ना

कम उम्र के बच्चों में उन्नत शैक्षिक कौशल हो सकता है लेकिन अक्सर उनका शारीरिक-समन्वय अब भी हम-उम्र बच्चे के जैसा होता है। इसका अर्थ है कि लिखना, काटना और चित्र बनाना उनके लिए विशेष चुनौतियां प्रदान कर सकता हो।

चिंता का एक और विषय थकान है। छह साल के बच्चे के मुकाबले एक चार साल का बच्चा जल्दी थक जाता है।

परंतु रोचक बात यह है कि गति-संबंधी कौशल और ओजस्विता संबंधी चिंताओं के बावजूद अनुसंधान दर्शाता है कि उन्नत ज्ञान-संबंधी विकास के कारण नर्सरी और पहली कक्षा में समय से पहले भर्ती होने वाले बच्चे सभी क्षेत्रों में अपने से बड़ी उम्र के सहपाठियों के बराबर या उनसे बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

गतिवर्धन करने के निर्णय का एक बहुत गंभीर पहलू है - इससे जुड़े वयस्कों का दृष्टिकोण। जब वयस्क अच्छी तरह समझ-बूझ कर निर्णय लेते हैं और छात्रों की सफलता के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं तो जल्दी पढ़ाई शुरू करने वाले होनहार छात्र सफल होते हैं।

अगर हम पहले ही "हाँ" कह सकते हैं तो हम उपलब्धि की यात्रा को और सरल बनाएंगे। हमारे बच्चों के लिए संदेश यह होगा कि वे एक ऐसी दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं जो उनकी तत्परता के अनुसार प्रतिक्रिया देगा।

क्या जल्दी विद्यालय जाने की शुरुआत हमेशा अच्छी होती है ?

विद्यालय जल्दी जाने की शुरुआत करने का निर्णय लेने में सबसे कठिन भाग उस निर्णय का समय होता है। इस कार्रवाई में अभी यह जानना मुश्किल है कि एक बच्चे का व्यक्तित्व विद्यालय या सहपाठियों के साथ संबंधों के रुप में कैसे जुड़ेगा।

दूसरी समस्या यह है कि समय से पहले भर्ती एक ऐसा निर्णय है जिसे उलटना मुश्किल है। बच्चे का गतिवर्धन करने के बाद अधिकतर शिक्षक, विद्यार्थी या अभिभावक उसे नर्सरी या पहली कक्षा दोहराना नहीं चाहेंगे।

कभी-कभी गलत निर्णय का डर सही निर्णय लेने से रोकता है। अधिकतर विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि *आयोवा गतिवर्धन मानदंड* जैसे सतर्क निर्धारण और मार्गदर्शन उपकरण के साथ अभिभावक और शिक्षक विद्यालय जाने की शुरुआत के सही समय के बारे में उचित निर्णय ले सकते हैं ताकि बच्चे एक चुनौतीपूर्ण वातावरण में हों और अपनी शिक्षा का सबसे ज़्यादा लाभ उठा सकें।

*पृष्ठ 23 *पर आयोवा गतिवर्धन मापक साइडबार* देखें।

प्राथमिक विद्यालय में एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना

कभी-कभी बच्चा इतना ऊब गया होगा कि वह खुद प्रधानाचार्य के कार्यालय जाकर अगली कक्षा में भेजे जाने का निवेदन करेगा। दूसरे मामलों में, शिक्षक यह देखेंगे कि एक बच्चा अपनी कक्षा के अन्य बच्चों से कहीं आगे है या फिर अभिभावक इस बात से परेशान होंगे कि विद्यालय उनके बच्चे के लिए बहुत ज़्यादा आसान है।

"मैं ऊब गया हूँ" लगातार यह सुनते-सुनते अभिभावकों को यह एक मंत्र-सा लगने लगेगा।

हालांकि कई विद्यालयों में अच्छे संवर्धन कार्यक्रम है परंतु कुछ उन्नत श्रेणी के बच्चों के लिए संवर्धन पर्याप्त नहीं है। चुनौतियों की अत्याधिक कमी से त्रस्त बच्चे को एक या दो चुनौतीपूर्ण घंटे राहत देने के लिए पर्याप्त नहीं होते। दरअसल, इन छात्रों को अधिक उपयुक्त समाधान की ज़रूरत है - आमतौर पर गतिवर्धन के रूप में।

मिशिगन विश्वविद्यालय में इस विषय के विशेषज्ञ प्रोफ़ेसर जेम्स कुलिक के अनुसार "प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए कोई भी व्यवस्था गतिवर्धन जितनी कारगर नहीं है।"

पच्चीस सालों से अधिक समय से कुलिक इस विषय पर अध्ययन कर रहे हैं कि प्रतिभासंपन्न बच्चे विद्यालय में कैसा प्रदर्शन करते हैं। वे जानते हैं कि शिक्षक गतिवर्धन को शक की नज़र से देखते हैं, तथापि अपने अनुसंधान के फलस्वरूप कुलिक को इस बात पर विश्वास है कि गतिवर्धन के पक्ष में बहुत अधिक प्रमाण हैं।

शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र के अन्य अग्रणी अनुसंधानकर्त्ता उनका ज़ोरदार समर्थन करते हैं। जो विशेषज्ञ दिन भर स्पष्ट अंको को देखते हैं उनके लिए एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने का मामला स्पष्ट लगता है।

कुलिक सबसे ज़्यादा यह देखते हैं कि आमतौर पर गतिवर्धन के दीर्घकालीन सकारात्मक प्रभाव होते हैं। जिन बच्चों को एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में भेजा जाता है, उनके उच्च डिग्रियां प्राप्त करने की अधिक संभावना होती है और कुलिक को विश्वास है कि एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने से छात्रों को उपलब्धियां प्राप्त करने में मदद मिलती है।

कुलिक कहते हैं, "कुल मिलाकर देखा जाए तो इन अनुसंधानों का संदेश स्पष्ट है। गतिवर्धन होनहार छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर बहुत असर डालता है।"

अपने शिक्षक को जेनी का पत्र

जेनी जब तीसरी कक्षा में थी तब उसने अपने शिक्षक को यह पत्र लिखा था और गतिवर्धन के बारे में एक चर्चा की शुरूआत की। वर्तनी जेनी की है।

आदरणीय श्रीमती स०

मुझे लगता है कि मुझे दिया जा रहा काम हतोत्साहित करने वाला है क्योंकि यह बेहद आसान है। इसमें से अधिकतर मुझे पहले से पता है इसलिए मैं जबरदस्ती यह काम करती हूँ और मुझे दूसरे छात्रों के अपने स्तर तक पहुँचने का इंतज़ार करना पड़ता है। मैं जिस कक्षा में जाना सबसे अधिक पसंद करूंगी वह कॉलेज है लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकती। इसलिए क्या मुझे कुछ ज़्यादा चुनौतीपूर्ण काम नहीं दिया जा सकता ? उदाहरण के लिए, मैं किसी भी कक्षा में जा सकूँ जब तक कि वह लिंकन प्राथमिक या लिंकन माध्यमिक विद्यालय में हो। मैं 5वीं कक्षा में पढ़ने की कोशिश करना चाहती हूँ, मुझे शक है लेकिन वहाँ जाकर देखना अच्छा लगेगा कि यह कैसी है। अगर मैं लिंकन प्राथमिक विद्यालय छोड़ती हूँ तो मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता क्योंकि यहाँ मेरे लिए कुछ भी महत्त्पूर्ण नहीं है और न ही ऐसा कोई सच्चा मित्र है जिसकी मुझे याद आएगी।

भवदीया, जेनी

द आयोवा एक्सलरेशन स्केल, 2रा संस्करण, पृष्ठ 16 से पुनः प्रकाशित

"मैं निस्संदेह कहूंगा कि हम

बहुत तेज़ी से बड़े नहीं हो रहे हैं क्योंकि मुझे लगता है कि हम अपने अंदर छिपे बच्चों को दिखाने से कम डरते हैं। जब आप उच्च विद्यालय में जाते हैं जो आपको तेज़ी से बड़ा होने के लिए मजबूर कर रहा है क्योंकि वहाँ सभी लोग अपनी उम्र से बड़ा दिखने की कोशिश करते हैं। यहाँ [वाशिंगटन विश्वविद्यालय के समय से पूर्व प्रवेश कार्यक्रम में] आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। यहाँ आप कभी-कभार थोड़ा बचपना दिखाने से नहीं डरते जो दरअसल अच्छा है।"

वाशिंगटन विश्वविद्यालय के समय से पूर्व प्रवेश कार्यक्रम का विद्यार्थी
1998/ 1999 की सर्दियों के *द जर्नल ऑफ़ सेकंडरी गिफ़्टेड एजुकेशन* में प्रकाशित के० डी० नोबल, टी० आरंड्ट, टी० निकॉलसन, टी० स्लेटन और ए० ज़मोरा द्वारा लिखित "डिफ़्रेंट स्ट्रोक्स" से उद्धृत।

क्या बच्चा चुनौती चाहता है ?

हालांकि गतिवर्धन शैक्षिक दृष्टि से एक अच्छा कदम हो सकता है लेकिन ज़रूरी नहीं है कि यह एक आसान कदम हो। एक जानी-पहचानी जगह को किसी अंजान जगह के लिए छोड़ना कभी भी एक आसान निर्णय नहीं होता।

अभिप्रेरण एक महत्त्वपूर्ण कारक है। अगर एक बच्चा शैक्षिक दृष्टि से बहुत आगे है परंतु एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में नहीं जाना चाहता तो शायद उसे ऐसा नहीं करना चाहिए। गतिवर्धन की ज़रूरत उन विद्यार्थियों को है जो चुनौती का सामना करने और दौड़ कर आगे बढ़ने के लिए आतुर हैं।

अगर कोई बच्चा अपने माता-पिता, अध्यापक या प्रधानाचार्य से चुनौतीपूर्ण काम देने की ज़िद्द करता है तो यह एक सशक्त संकेत है कि गतिवर्धन सही निर्णय हो सकता है।

महत्त्वाकांक्षा जल्दी शुरू होती है

जब आठ साल का एक बच्चा कोई कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाता है तो एक आश्चर्यजनक लाभार्थी हो सकता है – वही बच्चा, जब उसकी उम्र बाईस साल की हो। अध्ययन बताते हैं कि जिन छात्रों का गतिवर्धन नहीं किया गया उनके मुकाबले आमतौर पर वे छात्र, जिनका गतिवर्धन किया जाता है, उनमें ऐसे करियरों की आकांक्षा रखने की दर अधिक होती है जिसके लिए स्नातक डिग्री से अधिक पढ़ाई करने की ज़रूरत होती है।

अनुसंधानकर्त्ताओं ने किस प्रकार का अंतर पाया है ?

1974 में जिन छात्रों का गतिवर्धन किया गया था उनमें से 58% छात्र स्नातकोत्तर डिग्री चाहते थे जबकि बाकी छात्रों में यह दर 24% थी। 1983 तक पहुँचते-पहुँचते जैसे-जैसे कॉलेज की पढ़ाई करने की ज़रूरत जीवन का एक आर्थिक तथ्य बन गई, यह अंतर कम हो गया था। फिर भी शेष 73% छात्रों के मुकाबले 88% ऐसे छात्र, जिनका गतिवर्धन किया गया था, स्नातकोत्तर डिग्री या अधिक चाहते थे।

यह निष्कर्ष बहुत पहले से ज्ञात है। जिन बच्चों का गतिवर्धन किया जाता है वे बड़े होकर महत्त्वाकांक्षी वयस्क बनते हैं।

शैक्षिक प्रदर्शन में प्रगति होती है

जिन बच्चों का गतिवर्धन किया जाता है, एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने के बाद शैक्षिक दृष्टि से उनका प्रदर्शन बहुत ज़्यादा अच्छा होता है। उपलब्धि परीक्षाओं में, गतिवर्धन किए जाने वाले होनहार छात्र, अपने से बड़े उन होनहार छात्रों की तरह बेहतर प्रदर्शन करते हैं जिनका गतिवर्धन नहीं किया गया।

इसलिए परीक्षाएं दर्शाती हैं कि जो बच्चे एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाते हैं वे हर दृष्टि से अपने नए सहपाठियों की बराबरी करते हैं। परंतु असल लाभ तब

सामने आता है जब एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने वाले होनहार छात्रों की तुलना उनसे की जाती है जिन्होंने किसी कक्षा की पढ़ाई नहीं छोड़ी है।

जब एक कक्षा पढ़े बिना दूसरी कक्षा में जाने का काम सही ढंग से किया जाता है, तब भी वह छात्र जिसका गतिवर्धन किया गया है, अगली नई कक्षा के बेहतरीन छात्रों में से एक होगा। यह एक महत्वपूर्ण खोज है क्योंकि कम उम्र के विद्यार्थियों में एक प्राकृतिक कमी होती है।

आमतौर पर माना जाता है कि गणित और अंग्रेज़ी में प्रदर्शन उम्र पर निर्भर करता है। जिन छात्रों का गतिवर्धन किया जाता है, उम्र में छोटा होने की प्राकृतिक सीमाओं के बावजूद वे लगभग एक कक्षा आगे के अंक प्राप्त करते हैं।

गतिवर्धन समय का उपहार है। एक बच्चे के लिए एक कक्षा की पढ़ाई किए बिना अगली कक्षा में जाने का अर्थ है विद्यालय में उसके समय का बारहवां भाग व्यर्थ नहीं हुआ। अगर कोई बच्चा दो साल की पढ़ाई किए बिना आगे बढ़ता है तो इसका अर्थ है उसके शैक्षिक कार्यक्रम का पूरा छठा भाग व्यर्थ समय बिताने की बजाय कुछ सीखने में लगा। पृष्ठ 45 पर अलेक्सिस हैन्सन नामक ऐसे विद्यार्थी का साक्षात्कार देखें, जिसका गतिवर्धन किया गया था।

गतिवर्धन के विकल्प ज़्यादा कमज़ोर हैं

कई विद्यालय प्रतिभासंपन्न छात्रों के विद्यार्जन और सामाजिक-भावनात्मक ज़रूरतों को अलग-अलग तरीकों से संबोधित करते हैं। क्षमता के आधार पर समूह बनाना, संवर्धन गतिविधियां, संकर्षण संसाधन कक्ष, कक्षा में फर्क करना, स्वतंत्र परियोजनाएं और सहयोगात्मक विद्यार्जन ऐसे कुछ प्रस्ताव हैं जिनके बारे में लोगों को ज़्यादा जानकारी है। विद्यालय विशेष विषयों की परियोजनाओं, कार्यक्षेत्र में यात्राएं, शतरंज और विद्यार्थियों के लिए विद्यार्जन के मौके बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित करते हैं। इन सभी गतिविधियों के अपने-अपने स्थान और पक्षधर हैं।

उच्च योग्यता वाले बच्चों की कुछ ज़रूरतें संवर्धन जैसी इन अतिरिक्त व्यवस्थाओं द्वारा पूरी की जा सकती हैं। हम मानते हैं कि यह ऐसी महत्त्वपूर्ण और लाभदायक गतिविधियां हैं जो एक व्यापक छात्र-वर्ग की शिक्षा में योगदान देती हैं। छात्रों की मदद करने वाली हर बात महत्त्वपूर्ण है और हमारा अनुभव यह कहता है कि इन गतिविधियों के संचालक संवर्धन परियोजनाओं को यथासंभव कारगर बनाने की दिशा में बेहतर कार्य करते हैं। हम विकल्पों के तौर पर इन परियोजनाओं का समर्थन करते हैं।

तथापि, उच्च योग्यता वाले छात्रों के लिए इनमें से किसी भी गतिविधि ने गतिवर्धन विकल्पों की तरह सोचने के लिए विवश करने वाला अनुसंधान प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। यहाँ तक कि समान क्षमता वाले बच्चों का समूह बनाना, जिसे अनुसंधान का पर्याप्त समर्थन प्राप्त है, भी उच्च योग्यता वाले बच्चों के लिए तभी प्रभावशाली होता दिखाई देता है जब पाठ्यक्रम का गतिवर्धन किया जाता है।

"होनहार व्यक्तियों के वयस्क सर्वेक्षण

दर्शाते हैं कि उन्हें अपने गतिवर्धन किए जाने का कोई दुख नहीं है। इसकी बजाय उन्हें इस बात का खेद है कि उनका और अधिक गतिवर्धन नहीं किया गया।"

द जर्नल ऑफ़ अप्लायड साइकोलॉजी, 86, 718–729 में छपे डी० लुबिंस्की, आर० एम वेब्ब, एम० जे० मोरलॉक, सी० पी० बेनबो (2001) "10,000 में सबसे पहला: अत्यधिक होनहार बच्चों का एक 10 वर्षीय अनुवर्ती कार्यक्रम" से उद्धृत।

क्या संवर्धन पर्याप्त है? चूंकि संवर्धन छात्रों को अपने हम-उम्र बच्चों के साथ ही रखता है इसलिए शिक्षक इस बात की चिंता नहीं करते कि इससे बच्चों को सामाजिक या भावनात्मक नुकसान हो सकता है। तथापि, जब प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए संवर्धन में अधिक तेज़ी से और ऊंचे स्तर का काम शामिल नहीं होता तो यह एक कार्रवाई के तौर पर प्रभावी नहीं होता।

केवल प्रतिभासंपन्न बच्चों को एक साथ रखने से और पाठ्यक्रम में गतिवर्धन नहीं करने से शैक्षिक लाभ बहुत कम होता है। गतिवर्धन किया गया पाठ्यक्रम इसका मुख्य भाग है।

कभी-कभी प्रतिभावान छात्रों को अलग कक्षाओं में पढ़ाया जाता है लेकिन उनका गतिवर्धन नहीं किया जाता। इसके प्रभावों का अध्ययन करने वाले अनुसंधानकर्त्ताओं ने हैरान कर देने वाली बात पाई। अगर प्रतिभावान छात्रों को नियमित कक्षा वाला पाठ्यक्रम ही दिया जाता था तो उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर इसका कोई प्रभाव नहीं होता।

विशेष समूह वाले छात्रों को गणित की उस कक्षा का कोई भी शैक्षिक लाभ नहीं होता था, जिसमें अधिक ऊंचे स्तर का गणित नहीं पढ़ाया जाता था। इसलिए अधिक चुनौतीपूर्ण सामग्री के बिना होनहार छात्रों से भरा एक कमरा शैक्षिक दृष्टि से बेकार है।

अगर विशेष समूह को अलग पाठ्यक्रम दिया जाता तो शैक्षिक दृष्टि से इसका कुछ लाभ हो सकता था परंतु यह लाभ गतिवर्धन जितना नहीं है।

स्पष्टतः, होनहार छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन को सबसे ज़्यादा बढ़ाने का बेहतरीन तरीका पाठ्यक्रम की गति और स्तर को जितना ऊंचा हो सके, उतना ऊंचा करना है।

संख्याओं के अनुसार

प्रति वर्ष सातवीं और आठवीं कक्षा के 2,00,000 छात्र एसएटी या एसीटी कॉलेज की प्रवेश परीक्षाएं देते हैं। अधिकतर बच्चों के अंक उच्च विद्यालय के उन वरिष्ठ छात्रों के बराबर होते हैं, जो आमतौर पर चार या पाँच साल बड़े होते हैं।

लेकिन परीक्षा देने वाले 2,00,000 छोटे बच्चों के उस समूह (माध्यमिक विद्यालय के छात्र) के शैक्षिक दृष्टि से सशक्त सदस्य – जिन्होंने उच्च विद्यालय के वरिष्ठ विद्यार्थियों के औसत अंकों के बराबर या ज़्यादा अंक प्राप्त किए – विशेष रुप से प्रतिभासंपन्न हैं। अनुसंधानकर्त्ताओं का कहना है कि वे छात्र उच्च विद्यालय की साल भर की पढ़ाई तीन हफ़्तों में समझ सकते हैं।

दरअसल एसएटी में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों जैसे अच्छे अंक प्राप्त करने वाले कुछ छात्र असल में उच्च विद्यालय की पूरे साल की पढ़ाई डेढ़ हफ़्ते में समझ सकते हैं।

सामाजिक चिंताएं

अधिकतर अभिभावक शैक्षिक प्रभावों के बजाय अपने बच्चों के लिए मित्रों के बारे में ज़्यादा चिंता करते हैं। परंतु अनुसंधानकर्त्ताओं ने किसी बुद्धिमान एकाकी व्यक्ति की छवि नहीं पाई है जिसके साथ बात करने वाला कोई नहीं हो।

अध्ययन बताते हैं कि जिन छात्रों का गतिवर्धन किया जाता है वे विद्यालय की गतिविधियों में भाग लेते हैं और अपने प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक होता है।

आत्मसम्मान और गतिवर्धन के बीच अंतर्व्यवहार को समझना जटिल काम है। अनुसंधान इस बारे में स्पष्ट नहीं हैं कि क्या ऊंचे आत्मसम्मान से अधिक उपलब्धियां प्राप्त होती हैं या फिर अधिक उपलब्धियों से आत्मसम्मान में बढ़ोतरी होती है।

जब होनहार बच्चे ऐसे छात्रों की कक्षा में पढ़ते हैं जो उनके जितने होनहार नहीं हों तो उनका शैक्षिक आत्मसम्मान कुछ ज़्यादा बढ़ सकता है। जब उनका गतिवर्धन कर ऐसे छात्रों के साथ रखा जाता है जो उनकी बराबरी वाले हैं तो वे अपनी छवि अधिक वास्तविक रुप में विकसित करते हैं और कुछ समय के लिए उनका आत्मसम्मान थोड़ा कम हो सकता है। इसे कभी-कभी बड़े-तालाब-की-छोटी-मछली (या नदी का मेंढ़क) प्रभाव कहा जाता है।

सामान्यतया, शैक्षिक आत्मसम्मान में यह बदलाव लंबे समय तक नहीं रहता और जल्द ही आत्मविश्वास लौट आता है। इसका एक और फ़ायदा यह है कि जिन छात्रों का गतिवर्धन किया जाता है उनके आत्मसम्मान में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी होती है क्योंकि वे नई कक्षा में मित्र और सामाजिक स्वीकृति पाते हैं।

एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने का निर्णय : *आयोवा गतिवर्धन मानदंड*

एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में भेजा जाए या नहीं, यह निर्णय लेना हमेशा ही एक जटिल काम होता है। तथापि, शिक्षकों को यह निर्णय लेने में मदद करने के लिए कुछ ऐसी प्रणालियां हैं जिनकी कारगरता सिद्ध हो चुकी है। *आयोवा गतिवर्धन मानदंड (आई.ए.एस.)* एक ऐसा तरीका है जिसका प्रयोग अमरीका के सभी 50 विद्यालयों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूज़ीलैंड में भी किया जाता है।

आई.ए.एस. में दस खंड हैं और यह सब प्रकार के घटकों को ध्यान में रखता है – जैसे बच्चे की उम्र, विद्यालय द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषय और क्या कोई भाई-बहन उसी कक्षा में होगा या नहीं। दस-खंडों वाला मानदंड विद्यालय और परिवार के बारे में सामान्य जानकारी के साथ शुरू होते हुए आई.क्यू., भाई-बहन के बारे में जानकारी और गतिवर्धन के बारे में छात्र की व्यक्तिगत भावनाओं की ओर बढ़ता है। फिर विद्यालय का इतिहास और विभिन्न क्षमता, स्वाभाविक प्रवृति और उपलब्धि संबंधी परीक्षाओं को शामिल किया जाता है। अंत में इन सभी घटकों के अंकों का जोड़ निकाला जाता है।

आई.ए.एस. उन अभिभावकों, शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए एक अत्यंत उपयोगी मार्गदर्शक हो सकता है, जो गतिवर्धन का निर्णय लेने के लिए सभी घटकों का महत्व आँकने की कोशिश कर रहे हैं। *आई.ए.एस.* एक ब्यौरेवार उपयोग संबंधी पुस्तिका के साथ आता है, जिसमें सभी दस खंडों के बारे में विस्तृत जानकारी दी होती है और इसमें मामलों के अध्ययन और भरे हुए प्रपत्रों के नमूने दिए होते हैं। *आई.ए.एस.* में उन शिक्षकों और अभिभावकों के लिए प्रासंगिक अनुसंधान का सारांश भी दिया होता है जो इस बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं कि यह निर्णय कैसे लिया जाए कि गतिवर्धन किस प्रकार का होना चाहिए।

आयोवा गतिवर्धन मानदंड की स्पष्ट योजना की बदौलत विद्यालयों को संगठित ढंग से पूरे प्रासंगिक आंकड़े एकत्रित करने में मदद मिलती है। *आई.ए.एस.* सभी जिलों के लिए आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है।

आयोवा गतिवर्धन मानदंड और आई.ए.एस. पुस्तिका, 2रा संस्करण ग्रेट पोटेंशियल प्रेस या www.giftedbooks.com पर उपलब्ध हैं।

प्रतिभा-खोज क्रांति

एक व्यक्ति के प्रतिभा-खोज का सपना देखने से पहले होनहार बच्चे अपने भौगोलिक स्थान तक सीमित थे। अगर उनकी मदद के लिए आस-पास कोई स्थानीय शिक्षक उपलब्ध होता था तो बहुत अच्छा और अगर नहीं तो उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था।

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर जूलियन स्टैन्ली ने 60 सालों से अधिक समय तक परीक्षा लेने और गणित में तेज़ छात्रों का अध्ययन किया है। एक दिन वे 12 साल के एक बच्चे से मिले जिसने उनका जीवन बदल दिया।

स्टैन्ली याद करते हैं "मैं उच्च विद्यालय के 12 साल के एक ऐसे छात्र से मिला जो फोर्ट्रान (सॉफ़्टवेयर प्रोग्रामिंग भाषा) में स्नातक छात्रों की मदद कर रहा था।" "जनवरी 1969 तक वह महज 13 साल का था और 8वीं कक्षा में पढ़ता था। मैंने उसे एसएटी की परीक्षा दिलवाई और उसने बहुत अच्छे अंक प्राप्त किए।"

"मैंने उसकी मदद करने का तरीका खोजने की बहुत कोशिश की। मैं कई उच्च-स्तरीय उच्च विद्यालयों में गया और उनसे निवेदन किया कि उसे उन्नत प्लेसमेंट (ए.पी.) पाठ्यक्रम पढ़ने दें। उन्होंने ऐसा करने से इंकार कर दिया।"

उस लड़के के पास इसके अलावा कोई चारा नहीं था कि स्थानीय विद्यालय में जाए और वे ऐसा करने के लिए मान जाते। और इसके बाद केवल एक विकल्प बचता – कॉलेज।

"इसलिए 13 साल की उम्र में उसने जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में पढ़ना शुरू किया। शुरू में उसने भौतिक शास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान और कैलकुलस की पढ़ाई की और अच्छे अंक प्राप्त किए। 17 साल की उम्र तक उसने हॉपकिन्स से बी.ए. और एम.ए. कर लिया था," स्टैन्ली कहते हैं।

"मैं सावधान था। मैंने सोचा कि शायद वह ऐसा एकमात्र बच्चा था," वे कहते हैं। "लेकिन इसके बाद एक और माँ ने मुझे फ़ोन किया और यही मेरी शुरूआत थी।"

1971 में स्पेन्सर संस्थान ने गणित में प्रतिभाशाली बच्चों की मदद के लिए स्टैन्ली को 2,66,100 डॉलर का अनुदान दिया। यह उस बड़े सपने की ओर पहला कदम था जो अब हज़ारों की मदद करता है।

प्रतिभा-खोज क्या है ?

प्रतिभा-खोज होनहार बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है। इसलिए आप ऐसे अकेले व्यक्ति नहीं हैं, जो इसके बारे में कुछ नहीं जानते।

प्रति वर्ष कक्षा दो से नौ तक के विद्यार्थी उन्नत शैक्षिक योग्यता का पता लगाने के लिए बनाई गई परीक्षाएं देते हैं। यह कभी-कभी एस.ए.टी. होती है तो कभी ए.सी.टी. और कभी एक विषय विशेष में क्षमता का मूल्यांकन करने और उसे पहचानने के लिए विशेष परीक्षा होती है।

कई बच्चों के लिए साल के यही कुछेक घंटे होते हैं जब उन्हें असल में चुनौती दी जाती है।

प्रतिभा-खोज के इन अभियानों के फलस्वरूप शैक्षिक दृष्टि से उन्नत कई छात्र विश्वविद्यालय परिसरों में आयोजित ग्रीष्मकालीन संवर्धन कार्यक्रमों या उन्हें चुनौती देने के लिए बनाए गए दूसरे विशेष कार्यक्रमों में प्रवेश करते हैं।

तो फिर आपने प्रतिभा-खोज के बारे में पहले क्यों नहीं सुना?

क्योंकि अब तक किसी ने आपको नहीं बताया। जानकारी ही शक्ति है। अगर आप किसी ऐसे बच्चे को जानते हैं जिसे प्रतिभा-खोज से फायदा हो सकता है तो कृपया परिशिष्ट छः में दी गई केंद्रों की सूची में से किसी एक से संपर्क करें।

प्रतिभा-खोज अनुभव का आंतरिक भाग

केटी मॅकक्लैड आयोवा एक गुदरी केंद्र में पली-बढ़ीं और उन्होंने प्राथमिक विद्यालय में एक प्रतिभा-खोज अभियान में भाग लिया। इस खोज ने उन्हें उन ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों के बारे में जानने में मदद की जिसे हाल ही में कॉलेज से स्नातक हुए इस छात्र को अच्छी तरह याद हैं।

वे कहती हैं, "कक्षाओं में जाना और ऐसे तमाम बच्चों से मिलना, जिन्हें सीखना पसंद था, बहुत मज़ेदार था।" "ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम में सीखना पसंद करने में कोई हर्ज नहीं था। मुझे याद है कि छठी कक्षा में मैंने *बेओवुल्फ़* नामक किताब पढ़ी थी. . . उनके पास हमारे लिए उद्धरण थे। गर्मियों में मैं बस सीखने के लिए सीख सकती थी, केवल अंक पाने के लिए नहीं।"

पहला प्रतिभा-खोज अभियान

कई बड़े सपनों की तरह इसकी शुरूआत भी छोटी थी।

"1971 में मैं कई होनहार लड़के और लड़कियों के साथ काम करता था," स्टैन्ली कहते हैं, "परंतु मैं जानता था कि बाहर और बहुत ज़्यादा प्रतिभाशाली बच्चे थे। हमने प्रतिभाशाली छात्रों को पहचानने के अखबार द्वारा और मौखिक रुप से कई तरीके अपनाए। हम सफल हुए लेकिन हम जानते थे कि जिसे हम देख रहे थे, वह हिमालय की चोटी मात्र थी।"

इसने स्टैन्ली को विश्वास दिलाया कि उन्हें खोजना चाहिए था। गहन खोज।

"हमने 1972 में बाल्टीमोर क्षेत्र में 450 होनहार लड़के और लड़कियों के लिए प्रतिभा-खोज अभियान शुरू किया। उन्हें मदद की ज़रूरत थी, जो उन्हें विद्यालयों से नहीं मिल रही थी।"

अब स्टैन्ली ने अपने जीवन-कार्य का रुख बदल दिया, और यहाँ था – इन होनहार बच्चों की मदद करना।

"उन गर्मियों में हमने एक तेज़ गति वाली गणित की कक्षा शुरू की क्योंकि *हमने निश्चय किया कि हम इन बच्चों को केवल देखने के लिए नहीं अपितु हम उनकी मदद करने के लिए खोज रहे थे*।"

एक दर्जन से 2,00,000 तक

यह पहले एक छात्र और फिर एक दर्जन छात्रों के साथ शुरू हो सकता हो लेकिन जल्द ही हज़ारों छात्र प्रतिभा-खोज अभियान में शामिल हो गए।

"1979 तक हमारे पास 2000 छात्र थे," स्टैन्ली याद करते हैं। "इस कार्यक्रम के प्रशासन करने के लिए हमने प्रतिभाशाली युवाओं के लिए जॉन हॉपकिन्स केंद्र (सी. टी.वाई.) की स्थापना की।

"आज सी.टी.वाई. और इससे जुड़े ड्यूक विश्वविद्यालय, नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय व डेन्वर विश्वविद्यालय में 20,000 से 25,000 छात्र ग्रीष्म-कालीन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और प्रति वर्ष 7वीं और 8वीं कक्षा के 2,00,000 छात्र प्रतिभा-खोज अभियान में एस.ए.टी. की परीक्षा देते हैं।"

कल्पना करें कि हर पाँच साल में, दस लाख अवर उच्च विद्यालय के अत्यधिक योग्य विद्यार्थी वास्तव में कॉलेज में प्रवेश की परीक्षा देते हैं जो कॉलेज में प्रवेश की सामान्य उम्र से लगभग चार साल पहले है; इनमें से बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन करते हैं। वे केवल परीक्षा देने के लिए परीक्षा नहीं देते। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा-खोज द्वारा परीक्षण से इन छात्रों के लिए असल में अवसरों के द्वार खुल जाते हैं। अंततः इनमें से कई छात्रों को ऐसे पाठ्यक्रमों में पढ़ने का मौका मिलता है जो असल में उन्हें चुनौती देते हैं और ऐसे सीखने की ललक में बराबरी वाले हमउम्र छात्रों से मिलने का भी मौका मिलता है।

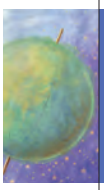

बच्चों को प्रतिभा-खोज अभियान से कैसे लाभ होता है ?

"अंततः – योग्यता की असली परीक्षा

पहला काम यह पता लगाना है कि वे असल में कितने सक्षम हैं – वे कितने तेज़ हो सकते हैं। आमतौर पर वे विद्यालय में अग्रणी होते हैं और संभाव है कि वे उससे बेहतर हों," प्रोफ़ेसर जूलियन सी० स्टैन्ली कहते हैं। "कुछ अपनी समझ से भी अधिक योग्य होते हैं तो कुछ उससे कम योग्य हैं। इन प्रतिभा-खोज अभियानों में भाग लेने वाले सभी छात्रों में कम-से-कम 5% शैक्षिक दृष्टि से पहले से ही शीर्ष होते हैं; यानी हमउम्र 20 बच्चों में से पहले स्थान पर।"

भाग लेने वालों के लिए अवसर

प्रतिभा-खोज अभियानों का गतिवर्धन के साथ गहरा संबंध है। प्रतिभा-खोज अभियान में भाग लेने वाले छात्र प्रतिभा-खोज अभियान केंद्रों द्वारा गर्मियों में और पूरे साल के दौरान प्रस्तावित विशेष गतिवर्धक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए पात्र हैं।

सीखना पसंद करनेवाले नए मित्रों से मिलना

ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम ऐसे होनहार बच्चों से मिलने का शानदार मौका है जिन्हें सीखने में मजा आता है। यही उनके असली बौद्धिक हमउम्र हैं। ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रमों में भाग लेने वाले कई छात्र यहीं अपने अंतरंग मित्र बनाते हैं। इन कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम दोनों क्षेत्रों की बेहतरीन स्थितियों को साथ लेकर चलते हैं: गतिवर्धन वाली पाठ्य सामग्री और होनहार हमउम्र।

कॉलेज का अनुभव पाएं

बच्चों को कॉलेज-परिसर में रहने और कॉलेज के पाठ्यक्रम पढ़ने से भविष्य के बारे में अंदाज़ा हो जाता है। यह महज एक चुनौती नहीं है बल्कि इससे भविष्य के लिए कल्पना और तैयारी को भी बढ़ावा मिलता है।

प्रतिभा-खोज अभियान में कैसे भाग लिया जा सकता है

विश्वविद्यालय आधारित कई केंद्र 2–9 कक्षाओं के छात्रों के लिए शैक्षिक प्रतिभा-खोज अभियान चलाते हैं। प्रतिभा-खोज अभियानों की परीक्षाओं के योग्य करार दिए जाने के विशिष्ट निर्देश होते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए परिशिष्ट छ: देखें।

कठिन चुनाव: उच्च विद्यालय की चुनौतियां

अमरीका के उच्च विद्यालय बहुत-सी अप्रयुक्त शैक्षिक प्रतिभा को छुपाने के स्थान बनते जा रहे हैं।

एक बड़े स्लेटी रंग के उदासीन उपनगरीय उच्च विद्यालय मे एक अकेले छात्र को दिखाए जाने वाले उन सभी लोकप्रिय फिल्मों के बावजूद, अनुसंधानकर्त्ता देख रहे हैं कि आश्चर्यजनक रूप से बड़ी संख्या में विद्यार्थी बहुत कम समय में उच्च विद्यालय की शिक्षा पूरी कर लेते हैं।

प्रतिभा-खोज अभियान हमें उन विद्यार्थियों की संख्या के बारे में जानकारी देते हैं, जो माध्यमिक विद्यालय या कनिष्ठ उच्च विद्यालयों में पढ़ते हुए ही उच्च विद्यालय की कक्षाओं के लिए तैयार होते हैं।

स्पष्टतः इन विद्यार्थियों को हमारे ध्यानाकर्षण की ज़रूरत है। साल-दर-साल उनका प्रदर्शन यह साबित करता है कि हमें उनके लिए चुनौतियां खोजनी होंगी।

जब कनिष्ठ उच्च विद्यालय के ये विद्यार्थी उच्च विद्यालय में प्रवेश करते हैं तो हमें उनके लिए तैयार होना होगा।

शानदार और बेकार

कुछ प्रतिभासंपन्न विद्यार्थियों को एक मुश्किल चुनाव करना होता है। क्या उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए, भले ही इसका परिणाम सामाजिक अस्वीकृति ही क्यों न हो? या फिर हमउम्र छात्रों द्वारा अपनाए जाने के लिए उन्हें अपनी क्षमताओं को यथासंभव घटाना चाहिए? आश्चर्यजनक बात है कि अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि मंदबुद्धि बनने के लिए प्राथमिक विद्यालय से ही दबाव पड़ना शुरू हो जाता है। माध्यमिक विद्यालय तक आते-आते कुछ प्रतिभासंपन्न छात्र भूमिगत हो चुके होते हैं।

उच्च विद्यालय ही वह जगह है जहाँ असल में दृष्टिकोण का महत्त्व दिखने लगता है। व्यक्तियों और गतिविधियों को 'शानदार' या 'बेकार' करार दिया जाता है। जो अधिकतर छात्रों के लिए शानदार होता है वही अक्सर शैक्षिक दृष्टि से उन्नत छात्रों के लिए अप्रासंगिक या उबाऊ होता है।

यह एकाकी खोज है और यह विशेष रुप से एक अस्थिर समय पर सामने आई है – जब पहचान और आत्मविश्वास समय के साथ-साथ बदलते हैं।

आम किशोर पार्टियों, दोस्तों और प्रेम-संबंधों के बारे में सोच रहे होते हैं। परंतु अनुसंधान बताते हैं कि शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभासंपन्न छात्र इन मुद्दों के साथ-साथ किसी और चीज़ के बारे में भी सोच रहे होते हैं। वे चिंतन के बारे में सोचते हैं।

वे चाहते हैं कि उन्हें शैक्षिक रुप से चुनौती दी जाए। उन्हें सीखना पसंद है और वे कई विषयों को पसंद करते हैं। और उन्हें एक बहुत अलग पाठ्यक्रम की ज़रूरत है – एक ऐसा पाठ्यक्रम जिसकी योजना एक प्रेरित और अत्यधिक योग्य छात्र के लिए बनाई गई हो।

ऐसे प्रतिभासंपन्न छात्र एक अलग दृष्टिकोण के साथ आते हैं और चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम के साथ इस दृष्टिकोण का सम्मान किया जाना चाहिए। अगर उन्हें अलग पाठ्यक्रम प्रदान नहीं किया जाता तो किशोर महत्त्वाकांक्षा आसानी से बोरियत और चुक गए अवसरों से भरे जीवनकाल में बदल सकती है।

युद्ध, शांति और बेरोज़गारी

राष्ट्रीय संकट के समय उच्च विद्यालय के होनहार छात्रों का गतिवर्धन करना जनसाधारण के लिए अचानक महत्त्वपूर्ण बन जाता है। आर्थिक मंदी के समय इस प्रथा को गलत समझा जाता था क्योंकि कोई भी अधिक लोगों को रोजगार ढूंढते हुए नहीं देखना चाहता था। कम-से-कम उच्च विद्यालय में पढ़ने वाला विद्यार्थी शायद पूर्णकालीन नौकरी नहीं ढूंढ रहा होता था।

1940 के दशक की तरह युद्ध के समय उच्च विद्यालय के छात्रों का अधिकारिक कार्यक्रमों में गतिवर्धन किया जाता है। देश को कुशल कर्मचारियों और शिक्षकों की बेहद ज़रूरत थी। उच्च विद्यालयों और उनके सर्वाधिक प्रतिभासंपन्न छात्रों ने उस आमंत्रण के प्रति अपनी प्रतिक्रिया दी।

हमें एक देश के रुप में यह समझना होगा कि शिक्षा का संबंध हमारे बच्चों से है। यह समझने के लिए हम राष्ट्रीय विपत्तियों का इंतज़ार नहीं कर सकते कि लोगों को उचित अवसरों से मिलाना उत्कृष्टता का मार्ग बनाने का बेहतर तरीका है। हमें उन छात्रों के लिए विकल्प खोजने होंगे जो उच्च विद्यालय के मानक पाठ्यक्रम को आसानी से पूरा कर लेते हैं और इन विकल्पों का प्रचार करना चाहिए।

उत्कृष्टता शिक्षा का मूल है – संकट के प्रति इसकी प्रतिक्रिया नहीं है।

उन्नत प्लेसमेंट के बारे में पूरी जानकारी

क्या आप जानते थे कि सन् 2004 में दस लाख से ज़्यादा छात्रों ने आश्चर्यजनक 19 लाख उन्नत प्लेसमेंट (ए० पी०) परीक्षाएं दीं ? इसका अर्थ है कि दस लाख से ज़्यादा छात्रों ने उच्च विद्यालय में पढ़ते हुए कॉलेज-स्तर की कक्षाओं में दाखिला लिया। और यह ए० पी० को देश का सबसे बड़े स्तर का गतिवर्धन कार्यक्रम बनाता है, जिसका सपना पहली बार फ़ोर्ड फाउंडेशन ने 1950 के दशक के मध्य में देखा था।

ए० पी० क्रांति देश के सभी भागों के छोटे कस्बों और बड़े शहरों के छात्रों को कॉलेज-स्तर की शिक्षा का एक अनुभव देती है। पाठ्यक्रम चुनौतीपूर्ण हैं और पाठ्यसामग्री को अच्छी तरह समझने और परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का वास्तविक प्रतिफल है – कॉलेज की शिक्षा का असली क्रेडिट।

ए० पी० परीक्षाएं सभी विज्ञानों, कई विदेशी भाषाओं, साहित्य, गणित, कला और संगीत सहित 34 विषयों में उपलब्ध हैं। वर्तमान में साठ प्रतिशत उच्च विद्यालयों में कम-से-कम एक ए० पी० पाठ्यक्रम हैं।

दरअसल भविष्य में कॉलेज जाने वाले हर तीन में से एक से ज़्यादा वरिष्ठ विद्यार्थियों ने ए० पी० पाठ्यक्रम पढ़ा है। ए० पी० कक्षाओं के लिए मारामारी के कारण स्पष्ट हैं।

उच्च विद्यालय में पढ़ते हुए कॉलेज की शिक्षा की इकाई के घंटे प्राप्त कर छात्र उबाऊ शर्तें या बड़े प्रारंभिक पाठ्यक्रमों से बच सकते हैं और छात्रों को इससे अधिक रोचक और आगे की कक्षाओं में पढ़ने में मदद मिलती है।

यह तो ए० पी० के फायदों की महज शुरूआत है। विभिन्न ए० पी० पाठ्यक्रम पढ़ने और ए० पी० परीक्षाएं देकर एक छात्र समय से पहले कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर सकता है और बहुत-सा समय और पैसा बचा सकता है।

उन्नत प्लेसमेंट (ए० पी०) क्या है ?

उन्नत प्लेसमेंट पाठ्यक्रम कॉलेज के पहले साल का वह पाठ्यक्रम हैं, जिन्हें उच्च विद्यालयों में छात्रों को पढ़ाने का प्रस्ताव रखा जाता है। राष्ट्रीय ए० पी० परीक्षाएं छात्रों को उच्च विद्यालय में पढ़ते हुए कॉलेज की शिक्षा की इकाई सफलतापूर्वक पूरा करने का अवसर देती हैं।

क्या आप जानते थे कि :

- ए० पी० कक्षाएं नहीं पढ़ने वाले कॉलेज के विद्यार्थियों के द्वारा स्नातक की डिग्री पूरा करने की संभावना 33% होती है;
- ए० पी० कक्षाएं पढ़ने वाले कॉलेज के विद्यार्थियों के द्वारा स्नातक की डिग्री पूरा करने की संभावना 59% होती है; और
- कॉलेज के जिन छात्रों ने दो या अधिक ए० पी० पाठ्यक्रम पूरे किए हैं उनके स्नातक की डिग्री प्राप्त करने की संभावना बढ़कर 76% हो जाती है।

उत्तर टूल बॉक्स में देखें:
http://www.ed.gov/pubs/Toolbox/toolbox.html
पर अकादमिक तीव्रता, उपस्थिति-प्रतिमान और स्नातक डिग्री की प्राप्ति

ए० पी० पाठ्यक्रम दृष्टिकोण बदलते हैं

दस लाख से ज़्यादा छात्र एक सामाजिक आंदोलन हैं और इतना बड़ा आंदोलन एक देश को आसानी से बदल सकता है।

चूंकि ए० पी० पाठ्यक्रम पढ़ने और परीक्षाएं देने वाले छात्रों की संख्या इतनी तेज़ी से बढी है कि अनुसंधानकर्त्ताओं की रुचि यह देखने में है कि इन ए० पी० स्नातकों के साथ क्या होता है। इसका उत्तर वास्तव में आंकड़ों से उभर कर सामने आया।

ए० पी० वाले बच्चे महत्त्वाकांक्षी होते हैं।

उच्च विद्यालय के सभी स्नातकों में से 43% ने 33 साल की उम्र तक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कर ली थी। जबकि वैसे छात्र, जो ए० पी० स्नातक भी हैं उनके समूह में यह संख्या 76% तक पहुँच गई।

कल्पना करें ए० पी० कक्षा में प्रवेश करने वाले चार में से तीन से ज़्यादा छात्र 15 सालों में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ मंच पर उपस्थित होते हैं।

इससे एक और प्रश्न सामने आता है। अगर पहली कक्षा से लेकर उच्च विद्यालय तक अधिक लोगों के लिए दूसरे गतिवर्धन कार्यक्रम उपलब्ध होते, तो क्या हमारे देश की शैक्षिक उपलब्धियों का स्वरुप कुछ अलग होता?

ए० पी० गतिवर्धन को पुन: परिभाषित करता है

ए० पी० कार्यक्रमों की असाधारण सफलता उस पुराने मिथक को तोड़ती है, जिसके अनुसार गतिवर्धन एकाकी, सामाजिक रुप से अकुशल और बुद्धिमान छात्रों के लिए है। ए० पी० कार्यक्रम का पारदर्शी आकार देखने से जाना जा सकता है कि प्रति वर्ष दस लाख से ज़्यादा छात्र इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

ए० पी० सबको बराबर बनाता है। यह प्रमाणित करता है कि एक छात्र एक निश्चित मात्रा में कॉलेज-स्तर पर होने के लिए बनाई गई अर्थपूर्ण पाठ्यसामग्री जानता है। ए० पी० परीक्षाएं और पाठ्यक्रम गुणवत्ता का प्रतीक हैं, फिर चाहे वह छात्र राज्य के सबसे गरीब या सबसे छोटे उच्च विद्यालय में ही क्यों न हो। यह समान गुणवत्ता वाली शिक्षा है जो राज्य के सबसे अमीर या सबसे बड़े उच्च विद्यालय में पाई जाती है।

ए० पी० जैसे कार्यक्रम सबको अमरीकी शिक्षा में समान अवसर प्रदान करते हुए कार्यक्षेत्र को सबके लिए समान बनाते हैं।

कॉलेज बोर्ड, जो संगठन ए० पी० के पीछे है, बहुत ज़्यादा अल्पसंख्यक समुदाय वाले स्थानों पर या उन स्थानों पर जहाँ बहुत ज़्यादा कम आय वाले विद्यार्थी रहते हैं, अधिकाधिक विद्यालयों में पाठ्यक्रम शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। यह और अधिक ग्रामीण विद्यालयों को शामिल करने की भी कोशिश कर रहा है। ए० पी० कार्यक्रम के मुख्य लाभों में से एक है, ज़्यादा उच्च विद्यालयों में इसके प्रसार से सभी सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों के छात्र इस तक पहुँच पाएंगे।

इसका लक्ष्य इसमें 100% अमरीकी उच्च विद्यालयों को शामिल करना है।

ए० पी० कार्यक्रमों के सामाजिक लाभ

ए० पी० कार्यक्रम का विशाल और बढ़ता हुआ आकार एक बड़े लाभ का महत्त्व बताता है – इसका स्थान। जो छात्र उच्च विद्यालय में रहना चाहते हैं, वे वहीं रहते हैं। वे एक या दो साल और अपने मित्रों, हमउम्र बच्चों वाले समूह और अभिभावक के साथ रह पाते हैं।

कई छात्र शैक्षिक दृष्टि से आगे होने के बावजूद फुटबॉल के खेल, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की प्रथा, घर के खाना और उच्च विद्यालय के औपचारिक नृत्य का मज़ा लेना चाहते हैं।

ए० पी० मस्तिष्क को स्वतंत्र रुप से विचरण करने देता है जबकि हृदय घर के पास ही रहता है।

ए० पी० पाठ्यक्रम – हमेशा पर्याप्त नहीं होते

यूं तो अक्सर ए० पी० पाठ्यक्रम शैक्षिक दृष्टि से अग्रणी कई छात्रों के लिए प्रमुख भाग होता है लेकिन संभाव है कि अकेला ए० पी० कार्यक्रम ही पर्याप्त नहीं हो। यह भी संभव है कि छात्र को कॉलेज के दूसरे पाठ्यक्रमों करने और निर्धारित समय से एक या दो साल पहले कॉलेज में प्रवेश करने की ज़रूरत हो।

हालांकि ए० पी० एक बेहतर समाधान है लेकिन यह कई समाधानों में से एक है।

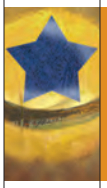

ए० पी० कार्यक्रम के प्रभाव

ला'शायरा जैक्सॅन
दे मोयनॅ, आयोवा

ला'शायरा ने उच्च विद्यालय में 6 ए० पी० कक्षाओं की पढ़ाई की

"ए० पी० पाठ्यक्रम पढ़ने के बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कॉलेज के काम के लिए पहले से कहीं ज़्यादा तैयार थी। मैंने केवल यह सीखा कि उन कक्षाओं में कैसे काम करना चाहिए। ए० पी० में काम हमेशा चुनौतीपूर्ण होता था। इसने मुझे भी आगे बढ़ाया – मैंने आयोवा विश्वविद्यालय की शुरूआत कॉलेज शिक्षा की 15 इकाईयों के साथ की।"

समय से पूर्व कॉलेज जाना

उच्च विद्यालय के एक अग्रणी छात्र के लिए कभी-कभी विश्वविद्यालय ही सर्वश्रेष्ठ स्थान होता है। हालांकि यह एक कठोर समाधान लग सकता है परंतु यह हमारे देश के शुरूआती दिनों से चला आ रहा है।

दरअसल, अमरीकी इतिहास के आरंभ से ही बहुत ज़्यादा सक्षम छात्र समय से पहले कॉलेज जाना शुरू करते रहे हैं। एक कमरे वाले विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र अक्सर अठारह साल की उम्र पूरा करने से पहले हार्वार्ड और येल पहुँचा करते थे।

इस प्रथा के लंबे इतिहास के बावजूद कॉलेज में समय से पहले प्रवेश करना अब भी विवादास्पद है। इसके साथ-साथ अनुसंधानकर्त्ता यह भी कहते हैं कि यह बहुत ज़्यादा आम होता जा रहा है।

कॉलेज में समय से पहले प्रवेश करने का कारण अब भी वही है, जो हमेशा था – उच्च विद्यालय पाठ्यक्रम का पूरा ज्ञान और कभी-कभी स्थानीय उच्च विद्यालय के वातावरण से बोरियत। संभव है कि एक अत्यधिक सक्षम छात्र को उन शैक्षिक चुनौतियों का सामना करने की तीव्र इच्छा हो, जो उपलब्ध नहीं हैं।

कोई छात्र कई सालों से एक चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम का इंतज़ार कर रहा हो सकता है और उच्च विद्यालय तक पहुँचते-पहुँचते आगे बढ़ने का समय आ गया हो।

यह केवल प्रतिभाशाली बच्चों के लिए नहीं है

प्रायः मीडिया समय से पहले प्रवेश करने वाले जिन बच्चों का वर्णन करता है, वे ऐसे बच्चे होते हैं जो असाधारण तौर पर कम उम्र में कॉलेज जाना शुरू करते हैं। तथापि समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले बच्चों की उम्र, क्षमता, भावनात्मक परिपक्वता और पारिवारिक पृष्ठभूमि में बहुत ज़्यादा विविधता होती है। कम उम्र में कॉलेज में प्रवेश करने वाले बहुत से बच्चे किसी दूसरे कॉलेज के छात्र से महज एक या दो साल ही छोटे होते हैं।

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर जूलियन स्टैन्ली, जिन्होंने जो समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले हज़ारों बच्चों के साथ काम किया है और उनमें से अधिकतर 15–17 के आयु-वर्ग वाले होते हैं, कहते हैं, "ऐसे कुछेक छात्रों पर ज़रूरत से ज़्यादा ध्यान दिया गया है, जो 10 साल की उम्र में कॉलेज पहुँच गए।"

समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वालों छात्रों को यह हमेशा एक अंतिम कार्यवाही नहीं लगती। पूरी कक्षा या एक विषय में गतिवर्धन किए जाने वाले कुछ छात्रों ने पहले ही उच्च विद्यालय में अपना अंतिम साल कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के साथ एक ही कक्षा में बिताया है। ऐसे छात्र सामान्य उम्र के कॉलेज में प्रवेश करने वाले छात्रों के बराबर ज्ञान के साथ कॉलेज आते हैं।

समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले अन्य बच्चे पहले कॉलेज आ चुके होते हैं। वे कॉलेज के ग्रीष्मकालीन कार्यक्रमों के अंतर्गत घर से दूर रह चुके हैं और उन्हें पहले ही अपने से बड़े छात्रों के साथ कॉलेज में पाठ्यक्रम पढ़ने का अनुभव है। संभव है कि उन्होंने काफ़ी समय स्थानीय समुदाय के कॉलेज परिसरों में बिताया हो और अक्सर प्रथम वर्ष के अन्य छात्रों के मुकाबले कॉलेज के वातावरण से ज़्यादा परिचित होते हैं।

कॉलेज के जीवन में समय से पहले यह प्रवेश ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम या सामुदायिक कॉलेज की कक्षाएं – शैक्षिक रूप से कुछ अग्रणी छात्रों के लिए पर्याप्त हो सकता है। दूसरे बच्चों के लिए यह एक ऐसी चीज़ से जान-पहचान करने जैसा है, जिसका प्रतिरोध नहीं कर सकते। वे छात्र यहाँ-वहाँ कोई पाठ्यक्रम पढ़ने की बजाय यह निर्णय लेते हैं कि वे पूरे समय के लिए कॉलेज में प्रवेश करना पसंद करेंगे।

परंतु समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले हर बच्चे को कॉलेज का अनुभव लेने का मौका नहीं मिला होता। कुछ अपने विकल्पों से निराशा या फिर कहा जाए कि विकल्पों की कमी के कारण कॉलेज में प्रवेश करते हैं। उनकी ज़रूरतें समय से पहले प्रवेश करने वाले ऐसे बाकी बच्चों, जिन्हें कई सालों तक ग्रीष्मकालीन विद्यालयों और सामुदायिक कॉलेजों में पढ़ने का अनुभव होता है, से काफ़ी अलग होती हैं।

समय से पहले प्रवेश करने का चुनाव

समय से पहले प्रवेश करने वाले बच्चों के अनुभव अलग-अलग हो सकते हैं। हो सकता है कि वे एक छात्रावास में रहें या फिर घर पर रहते हुए प्रति दिन कॉलेज आते-जाते हैं। वे एक बहुत ज़्यादा चयनात्मक कॉलेज या फिर उदार प्रवेश नीति वाले स्थानीय सामुदायिक कॉलेज में जाने का निर्णय ले सकते हैं।

छात्र एक ऐसे कॉलेज में भी प्रवेश ले सकते हैं जिसमें समय से पहले प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए विशेष कार्यक्रम हों। यह कार्यक्रम अतिरिक्त सहायता और इसी प्रकार के अनुभव से गुज़रने वाले हमउम्र बच्चों का समूह प्रदान करते हैं

। कभी-कभी विशेष छात्रावास व्यवस्थाएं और छात्रवृत्तियां उपलब्ध होती हैं।

उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय में स्थित दि टेक्सास अकादेमी ऑफ मैथेमेटिक्स एंड साइंस (टी.ए.एम.एस.) प्रति वर्ष दसवीं कक्षा के 200 छात्रों का नामांकन करती है। टी.ए.एम.एस. के छात्रों को उच्च विद्यालय के अंतिम दो वर्षों और कॉलेज के पहले दो वर्षों की पढ़ाई साथ-साथ करते हुए उच्च विद्यालय का डिप्लोमा प्रदान करती है।

विद्यालय से कॉलेज तक के सफर को आसान बनाने वाले वाशिंगटन विश्वविद्यालय के विशेष पारगमन विद्यालय के साथ समय से पहले प्रवेश कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक करने का लंबा इतिहास है। बार्ड उच्च विद्यालय का समय-पूर्व कॉलेज कार्यक्रम एक और सफल कार्यक्रम है, जो न्यूयॉर्क शहर के निवासियों के लिए नि:शुल्क है।

मेरी बॉल्डविन कॉलेज असाधारण तौर पर प्रतिभाशाली बच्चों के लिए समय -पूर्व प्रवेश कार्यक्रम (पी.ई.जी.) प्रायोजित करता है और पश्चिमी जॉर्जिया राज्य का विश्वविद्यालय जॉर्जिया की उच्च अकादमी को प्रायोजित करता है।

समय से पूर्व प्रवेश लेने वालों को अपने विकल्पों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। वे अपने दोस्तों के साथ उच्च विद्यालय में रहते हुए भी स्थानीय कॉलेज में पढ़ सकते हैं। दरअसल उच्च विद्यालय और कॉलेज की पढ़ाई साथ-साथ भी की जा सकती है और इस तरह एक साथ दो डिप्लोमा प्राप्त किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन विद्यालय और पूर्ण-कक्षा गतिवर्धन जैसे विकल्पों के ज़्यादा आम बनने के कारण हो सकता है कि अधिक छात्र समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करें। यह छात्र उच्च विद्यालयों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम को अपने सहपाठियों से ज़्यादा तेज़ी से पूरा करेंगे।

यह भी संभव है कि अमरीकी उच्च विद्यालय निकट भविष्य में और भी अधिक चुनौतियों का प्रस्ताव रखें। जैसे-जैसे उन्नत प्लेसमेंट (ए.पी.) कार्यक्रमों का प्रसार होता है और दूसरे गतिवर्धक विकल्प अधिक उपलब्ध होते हैं, (जैसे सरकारी सहायता पाने वाले अधिक चयनात्मक उच्च विद्यालय) संभव है वैसे-वैसे अधिक छात्र उच्च विद्यालय में उपयुक्त चुनौतियां पाएंगे।

चुने हुए समय से पहले प्रवेश कार्यक्रमों की एक सूची परिशिष्ट छ में देखी जा सकती है।

सामाजिक चिंताएं

यह उम्मीद करना अवास्तविक होगा कि प्रवेश करने वाला हर छात्र उच्च विद्यालय से कॉलेज तक एक समस्या-रहित पारगमन का अनुभव करेगा। सामान्य उम्र के छात्रों को भी अक्सर शैक्षिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिनके कारण कॉलेज में समायोजन में समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

कम उम्र के छात्र और भी ज़्यादा आकर्षण का केंद्र होते हैं। कम उम्र का होने के कारण होने वाली कुछ कठिनाइयों, जैसे सहपाठियों के एक या दो साल बाद ही वाहन चलाने की कानूनी उम्र का होना, के बावजूद समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले अधिकतर छात्र अपने अनुभवों से खुश हैं।

समय से पहले विद्यालय या कॉलेज प्रवेश से संबंधित अधिकतर अनुसंधान के सकारात्मक नतीजे देखने को मिलते हैं परंतु समय से पहले विद्यालय या कॉलेज में प्रवेश करने वाला हर छात्र अच्छी तरह समायोजित नहीं होता।

कुछ अभिभावकों के अनुसार उन्हें समय पूर्व प्रवेश के निर्णय के प्रति आश्वस्त होने के लिए सफलता की जिस स्पष्ट और बाध्यकारी छवि की ज़रूरत है, उसे अब तक अनुसंधान ने प्रस्तुत नहीं किया है। डॉ० जूलियन स्टैन्ली इसे एक व्यक्ति की तस्वीर बनाम समूह की छवि के रूप में देखते हैं।

स्टैन्ली कहते हैं, "इस बात का प्रमाण मौजूद है कि आम तौर पर छात्र जिस उम्र में कॉलेज में प्रवेश करते हैं उससे कम उम्र में प्रवेश करने वाले कुछ छात्रों को समायोजन में कठिनाई हुई है।" "निश्चित तौर पर यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि अगर इन बच्चों ने कुछ देर से कॉलेज जाना शुरू किया होता तो क्या होता।"

स्टैन्ली कहते हैं, "स्पष्टत: समय पूर्व प्रवेश करने वाले छात्रों के समूहों पर अनुसंधान, चाहे वे नियमित तौर पर कॉलेज में प्रवेश करने वाले विद्यार्थी हों या फिर एक समय-पूर्व कॉलेज कार्यक्रम में भाग लेने वाले, इस बात का सशक्त सुझाव देता है कि उनमें से कई किसी सामाजिक या भावनात्मक कठिनाई का सामना किए बिना शैक्षिक दृष्टि से बहुत ज़्यादा सफल हुए।"

शुरूआत में बढ़त प्राप्त करना

सभी इस बात से सहमत होंगे कि समय से पहले कॉलेज में प्रवेश के कारण विद्यालय में कम साल लगते हैं। इसके अपने फायदे हैं।

समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाले हडसन, आयोवा के अलेक्सिस हैन्सॅन कहते हैं, "मैं इस बात से उत्साहित हूँ कि जब मैं स्नातक की डिग्री प्राप्त करूंगा तो यह समझने के लिए कि मेरे आसपास क्या हो रहा है, मेरे पास एक अतिरिक्त साल होगा। मैं कॉलेज और ग्रैजुएट स्कूल के बीच एक साल की छुट्टी भी ले सकता हूँ और मुझे ऐसा लगता है कि तुरंत ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं है।"

चिकित्सा जैसे कुछ पेशों में पूर्वस्नातक की डिग्री के बाद आठ साल या ज़्यादा तक का समय अपेक्षित होता है। समय से पहले प्रवेश करने वाले छात्रों का गतिवर्धन करने से वे जल्दी व्यावसायिक जीवन की शुरूआत कर सकते हैं। कुछ लोगों के लिए यह अतिरिक्त समय पारिवारिक और व्यावसायिक दायित्व में संतुलन को आसान बना सकता है।

दूसरों से पहले शुरूआत करने के कारण व्यक्तिगत रुचियों की गवेषणा करने का मौका भी मिलता है। कई ऐसे छात्र जिनका गतिवर्धन किया गया है और जो बीस साल की उम्र में कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेते हैं, वे विदेश में काम कर सकते हैं, अपने आम कार्यक्षेत्र से बाहर अस्थायी नौकरी कर सकते हैं, उनके पास खेलने का समय होता है और इस सबके बावजूद वे अपने पेशे में अग्रणी रह सकते हैं। गतिवर्धन किए गए कुछ छात्रों का साक्षात्कार किया गया

तो उनका कहना था कि इस अनुभव में उनका मनपसंद भाग वह अतिरिक्त समय था जब उन्होंने पारम्परिक रास्ते से हट कर काम किया।

हालांकि जनसाधारण का विचार है कि समय से पहले प्रवेश करने वाले छात्र उच्च विद्यालय का विशेष समय गंवा देते हैं परंतु असलियत यह है कि वे केवल अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक अन्वेषण के लिए कुछ समय प्राप्त कर सकें। समय से पहले प्रवेश करने वाले पुराने छात्रों का कहना है कि यह सर्वश्रेष्ठ शिक्षा हो सकती है।

समय से पहले कॉलेज जाने वाले एक छात्र का वक्तव्य

शिकागो, इलीनोइस में पला-बढ़ा जेम्स ईडल अपने उच्च विद्यालय का पहला ऐसा छात्र है जिसने समय से एक साल पहले उच्च विद्यालय की शिक्षा पूरी की और कॉलेज में प्रवेश किया। वह आयोवा विश्वविद्यालय के समय -पूर्व प्रवेश कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल अकादेमी ऑफ आर्ट्स, स्आइंस एंड इंजीनियरिंग (एन.ए.ए.एस.ई.) में पढ़ रहा है, जहाँ अंग्रेज़ी और दर्शन-शास्त्र उस्के मुख्य विषय हैं।

आपने समय से पहले उच्च विद्यालय छोड़ने का निर्णय क्यों लिया ?

जब मैं कॉलेज के दूसरे वर्ष का छात्र था तो मुझे सीनियॅरिटिस (पढ़ाई के अंतिम दिनों में पढ़ने की प्रेरणा और पढ़ाई के प्रति उत्साह की कमी) हुई। अगर मैं अंतिम वर्ष की पढ़ाई करने के लिए वहाँ रहता तो मैंने कुछ नहीं किया होता। मेरा विकास रुक गया होता। विद्यालय इतना ज़्यादा आसान था और हमें अपनी कक्षाओं में कुछ भी चुनने का अवसर नहीं मिलता था। मैं बस उच्च विद्यालय से बाहर निकलने के तरीके ढूंढ रहा था।

आपको एन.ए.ए.एस.ई. के बारे में कैसे पता लगा ?

अजीब बात है। मुझे डाक द्वारा एक पैम्फ़्लेट मिला और अपने उच्च विद्यालय का मैं अकेला ऐसा छात्र था, जिसे यह मिला था।

आपके उच्च विद्यालय के लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी ?

जब मैंने अपने शिक्षा-सलाहकार से पहली बार इस बारे में बात की तो उनका पहला वाक्य था, "तुम जानते हो कि तुम अंतिम वर्ष पास नहीं करने वाले।" हमारे विद्यालय के किसी बच्चे ने समय से पहले कालेज जाने के लिए विद्यालय नहीं छोड़ा था क्योंकि इस बारे में किसी ने नहीं सुना था।

मेरे समय से पहले विद्यालय छोड़ने ने निस्संदेह द्वार खोले और कई बच्चों ने कहा कि वे भी ऐसा करना चाहते थे। अब मैं ऐसे बच्चों को जानता हूँ जो एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में गए।

जब मैंने लोगों को बताया कि मैं विद्यालय छोड़ रहा हूँ तो उनमें से कई लोग मुझे अजीब नज़रों से देखते थे। ऐसा नहीं था कि मुझे बड़ा होने की जल्दी थी परंतु मैं समय से बहुत पहले बड़ा हो गया।

क्या कॉलेज में आपकी उम्र एक समस्या थी ?

अधिकतर लोगों के लिए यह एक अनूठी बात थी। लोगों को यह रोचक लगता है और विस्तारपूर्वक यह समझाना मुश्किल है इसलिए मैं ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करता। जब मैं एक साल तक आयोवा विश्वविद्यालय में था तो मैंने कई लोगों को भ्रमित किया और फिर मैं उच्च विद्यालय की परीक्षा पास करने के लिए वापस गया।

17 साल का हो जाने के बाद उम्र से कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। और मुझे कॉलेज बहुत पसंद है।

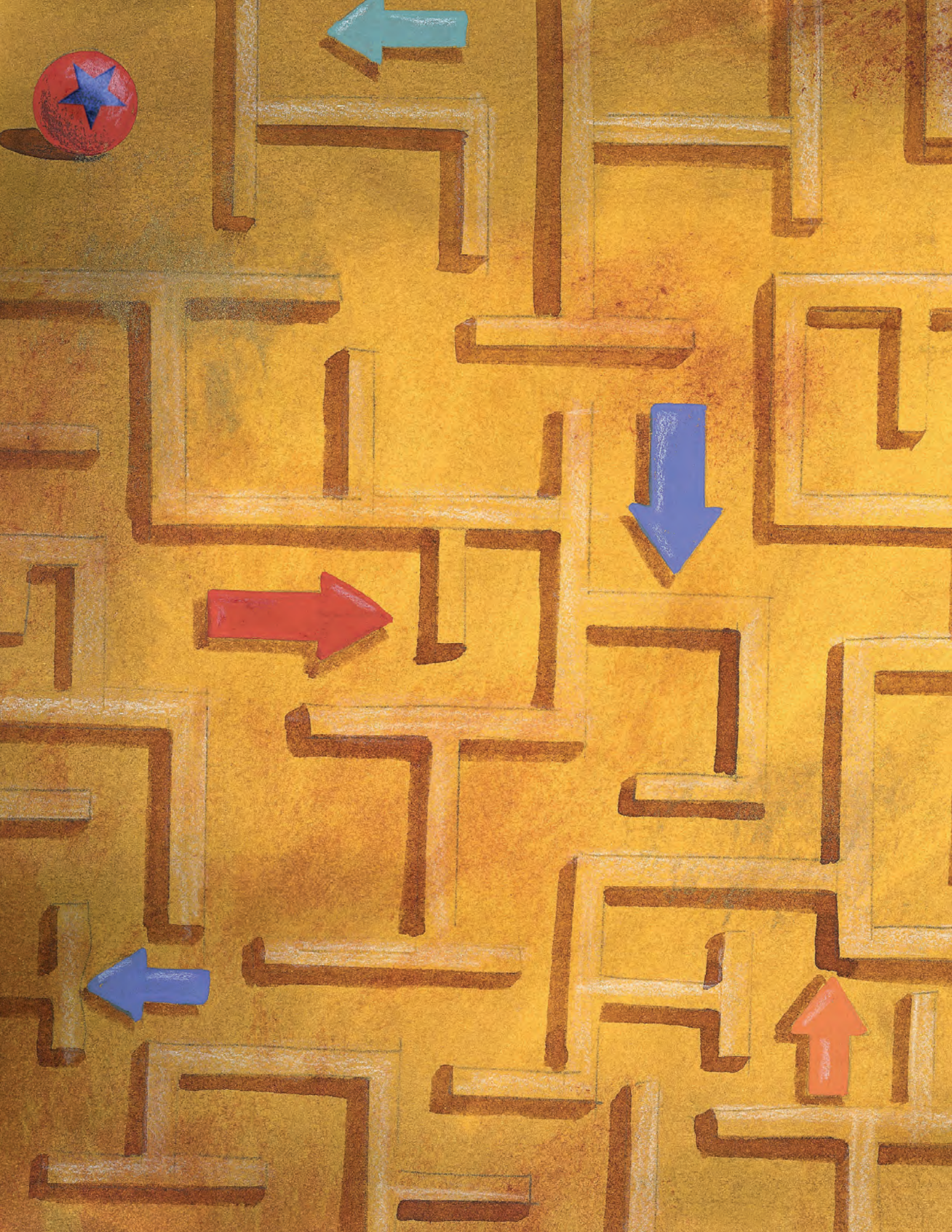

लोक नीति : आकांक्षाओं के कानून

अमरीका में बुनियादी कौशलों के प्रति जुनून है। हमें बताया जाता है कि जॉनी पढ़ नहीं सकता। और जॉनी लिख भी नहीं सकता है।

नेतागण परीक्षाओं में कम अंकों की ओर सबका ध्यान आकर्षित कराते हैं और शोर मचाते हैं कि समानता के लिए कार्रवाई करने की आवश्यकता है। हाल के कुछ वर्षों में, उन्मत्त राजनीतिक पहल ने शिक्षकों को परीक्षाओं पर केंद्रित होने के लिए दबाव डाला है।

हालांकि परीक्षाएं लेना विवादास्पद है परंतु यह विचार विवादास्पद नहीं है कि सभी बच्चों को उपयुक्त शिक्षा मिलनी चाहिए जिससे वे समाज में प्रभावी तरीके से काम करने का कौशल प्राप्त कर सकें; यही अर्थपूर्ण है।

समानता सबके लिए शिक्षा तक पहुँच पर निर्भर करती है। अमरीका के शिक्षकों का साम्यता के विचारों और सामाजिक न्याय के सपने में गहरा विश्वास है। दरअसल कई शिक्षक समाज के कमज़ोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के माध्यम से एक मौका देने की उम्मीद के साथ कक्षा में आते हैं।

इसके साथ क्या समस्या है?

वान्डरबिल्ट विश्वविद्यालय में कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन डॉ० कैमिला बेनबो कहती हैं, "होनहार बच्चों सहित सभी बच्चों को प्रति दिन कुछ नया सीखने का अधिकार है।" "साम्यता प्राप्त करने के लिए हम अपने प्रयासों में उत्कृष्टता को नहीं भूल सकते।"

जब सभी नेतागण बुनियादी कौशलों के बारे में बहस कर रहे हैं ऐसे समय पर मानवीय क्षमता की सीमाओं के दायरे को बढ़ाने के बारे में कोई भी संदेश इस शोर में दब जाता है।

***प्रतिभा अस्वीकरण* वेबसाइट**

(http://www.geniusdenied.com) बताता है कि अमरीका में 4,78,46,000 बच्चे के–12 के छात्र हैं और इनमें प्रतिभासंपन्न छात्रों की संख्या लगभग 5% या 23,93,000 छात्र है।

"शैक्षिक गतिवर्धन के मामले में भाग्यवश संभव है कि जिस चीज़ को बदलने की ज़रूरत है, वह कोई लिखित नीति नहीं बल्कि नीतियां बनाने वालों की मनोवृतियां हैं।

जेम्स गलाग़र,
चैपल हिल स्थित उत्तरी करोलिना विश्वविद्यालय;
प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा संबंधी नीति विषयक मामलों के विशेषज्ञ

कानून और दृष्टिकोण

हालांकि कानून विकलांग छात्रों के लिए उपयुक्त शिक्षा के अधिकारों की रक्षा करता है लेकिन प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए कोई ख़ास कानूनी सुरक्षा नहीं है। जो बच्चे साल-दर-साल कक्षा में चुनौतियों की कमी के साथ बैठे रहते हैं, अधिकतर राज्यों में ऐसे बच्चों के लिए उपयुक्त शैक्षिक कार्रवाई को अनिवार्य बनाने वाला कोई कानून नहीं है।

कानून और लोक नीति ने गतिवर्धन के क्षेत्र में कोई ख़ास भूमिका नहीं निभाई है। गतिवर्धन का भविष्य नीतियों या कानून में किसी भी परिवर्तन से पहले दृष्टिकोण में बदलाव पर निर्भर करता है।

प्रतिभासंपन्न छात्रों से संबंधित कानूनी मुद्दों के बारे में बहुत कुछ लिखने वाले एक वकील लेहाई विश्वविद्यालय के पेरी ज़िरकॅल कहते हैं कि *ब्राउन बनाम बोर्ड ऑफ एजुकेशन* के 50 साल बाद भी हमारा देश कक्षा में समानता नहीं ला पाया है। ब्राउन ने इस सफर की शुरूआत त्वचा के रंग के आधार पर समूह बनाने को कानूनी तौर पर खत्म करने के लिए की। आज गतिवर्धन के प्रति दृष्टिकोण को बदलना, जन्मदिन के आधार पर समूह बनाने की प्रथा का अंत करने की दिशा में एक प्रयास है।

अमरीका के विद्यालय बदलते ज़रूर हैं परंतु बदलाव हमेशा जल्दी नहीं आते।

अमरीका के समानता के आदर्शों को साकार करने की सभी कोशिशों की तरह ही पहला संघर्ष है दृष्टिकोण को बदलना। गतिवर्धन को अमरीका के सबसे होनहार बच्चों के बारे में चर्चा में शामिल करने की शुरूआत मनोवृति को बदलने के साथ होगी और इसका अंत नीतिगत बदलाव के साथ होगा।

लोकप्रिय मीडिया

यद्यपि शैक्षिक अनुसंधान से संबंधित पत्रिकाएं ऐसे अध्ययनों से भरी पड़ी हैं जो गतिवर्धन के सकारात्मक लाभ दिखाते हैं तथापि समाचारों से संबंधित लोकप्रिय मीडिया ने अब तक यह संदेश जनसाधारण तक नहीं पहुँचाया है।

शैक्षिक अनुसंधानकर्त्ताओं को इन तथ्यों के बारे में जानकारी है परंतु जो अभिभावक यह निर्णय लेने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या अपने बच्चे को एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने देना चाहिए, उन्हें इस अनुसंधान के बारे में जानकारी नहीं है।

प्रतिबद्ध पत्रकारों ने अमरीका के कई सामाजिक आंदोलनों को की गति तेज़ करने में योगदान दिया है। अमरीका के होनहार छात्रों की कुछ उम्मीदें मीडिया पर भी टिकी है। अगर पत्रकार इस महत्त्वपूर्ण कहानी को समझने में कुछ समय लगाएं तो इससे पूरे देश को लाभ हो सकता है।

मीडिया सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करता है। जब होनहार बच्चों की बात आती है तो अगर मीडिया सही ढंग से इस मुद्दे की जानकारी का प्रसार करता है तो पहले जनता का नज़रिया और फिर, अमरीका में कानून बनाने वालों के दृष्टिकोण को बदला जा सकता है।

जनता की राय बदलने के तरीके

गतिवर्धन की सार्वजनिक कहानी में जानकारी और दृष्टिकोण ऐसे प्रमुख अंग हैं, जो इस पहेली में मौजूद नहीं हैं। सार्वजनिक नीति को बदलने के तरीकों के बारे में चैपल हिल स्थित उत्तरी करोलिना विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर जेम्स गलाग़र के विचार निम्नलिखित हैं:

- जिन वयस्कों का गतिवर्धन किया गया है, उनके साथ साक्षात्कारों का प्रसार करना;
- विद्यालय में समय से पहले प्रवेश करने के बारे में आदर्श कानून विकसित करना;
- प्रतिभासंपन्न बच्चों के हितों की रक्षा के लिए कानून बनाने वालों के साथ गठबंधन करना।

प्रतिभासंपन्न बच्चों की ओर जनता का ध्यानाकर्षण सुनिश्चित करने के लिए अभिभावक, शिक्षक और इस विषय में रुचि रखने वाले नागरिक स्थानीय मीडिया और राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं।

भविष्य के लिए उम्मीद

असली उम्मीद जनता से है। जैसे-जैसे अभिभावक, अध्यापक और प्रधानाचार्य गतिवर्धन के बारे में सच्चाई जानेंगे वैसे-वैसे वे चुने हुए अधिकारियों को प्रतिभासंपन्न छात्रों की हिमायत करने के लिए प्रभावित कर सकेंगे।

यद्यपि हमारे देश की उत्तरजीविता सभी अमरीकियों के लिए बुनियादी कौशल प्राप्त करने पर निर्भर करती है तथापि हमारे देश की उन्नति इस बात पर भी निर्भर करती है कि उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिक्रिया कैसी है।

इस बारे में चिंतित नागरिकों को कार्यवाही करनी होगी। हमारा देश छात्रों को बोरियत या अनुचित पाठ्यक्रम के कारण खोने का खतरा नहीं मोल सकता। हमें खुद को और अपने नेताओं को शिक्षित करने के साथ-साथ शैक्षिक नीति भी बदलनी होगी।

**एन.ए.ए.एस.ई., नेशनल अकादेमी ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड इंजीनियरिंग, आयोवा विश्वविद्यालय में समय-पूर्व प्रवेश कार्यक्रम है।*

समय-पूर्व कॉलेज में प्रवेश

चौथी कक्षा में कैथरीन हिर्श ने एक प्रतिभा-खोज अभियान में भाग लिया। उसका कहना है कि इससे वह कई डाक-सूचियों में शामिल हुई। इसके कारण, उसे मिलने वाली डाक में एक आयोवा विश्वविद्यालय के एन.ए.ए.एस.ई. कार्यक्रम की विज्ञापन-पुस्तिका थी। और उसी कारण, 4थी कक्षा की एक परीक्षा की बदौलत हिर्श समय से पहले कॉलेज में प्रवेश करने वाली एक छात्रा बनी। वह अपने उच्च विद्यालय में ऐसा करने वाली पहली छात्रा थी।

क्या आपके उच्च विद्यालय में और ऐसे भी छात्र थे जिन्होंने समय से एक साल पहले विद्यालय छोड़ा था ?

जहाँ तक मुझे पता है, मुझसे पहले कोई भी एक साल पढ़े बिना आगे नहीं बढ़ा था।

क्या आप अपने निर्णय से खुश हैं ?

हाँ, बेशक। कुल मिलाकर यह बहुत ही सकारात्मक अनुभव रहा है। मुझे उच्च विद्यालय के अपने अंतिम वर्ष का इतना लाभ नहीं होता जितना कि मुझे कॉलेज में पहले साल का हुआ।

मैंने उच्च विद्यालय को छोड़ने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि मुझे एन.ए.ए.एस.ई.* ऐसे अवसर जैसा लगा जिसे मैं ठुकरा नहीं सकती थी। मैं कॉलेज के बारे में हमेशा से उत्साहित रही थी। मुझे याद है कि माध्यमिक विद्यालय के दिनों में मेरे मन में उच्च विद्यालय के बारे में कुछ ख़ास उत्साह नहीं था परंतु मैं कॉलेज ज़रूर जाना चाहती हूँ। इस बारे में मेरे मन में हमेशा से उत्साह रहा था।

क्या आप सोचती हैं कि आपने कुछ खोया ?

नहीं, बिल्कुल नहीं। मैं घर-वापसी और स्नातक होने जैसे बड़े कार्यक्रमों के लिए वापस आ सकी और मुझे रोज़मर्रा की चीज़ों की याद नहीं आती थी।

एक साल पहले आने पर आप किस बात को लेकर चिंतित थी ?

मुझे लगा कि सबका ध्यान मेरी ओर जाएगा परंतु पहले कुछ महीनों के बाद उम्र महत्त्वपूर्ण नहीं रही। जब तक मैं किसी को नहीं बताती, मेरी उम्र का पता किसी को नहीं लगता।

इसका असर केवल एक बार हुआ था और तब मैं महज 17 साल की थी। मैं अपनी उम्र के कारण कुछ मायनों में सीमाओं में बंधी थी जैसे कहाँ-कहाँ आना-जाना कर सकती थी। एक बार मतदान वर्ष के दौरान राजनीति-शास्त्र की कक्षा में सब इस बारे में चर्चा कर रहे थे कि वे अपना मत किसे देंगे और मैं 17 साल की थी और मतदान नहीं कर सकती थी। परंतु कक्षा में मेरे सामने आने वाली वह एकमात्र ऐसी स्थिति थी जिसमें उम्र का मुद्दा सामने आया था।

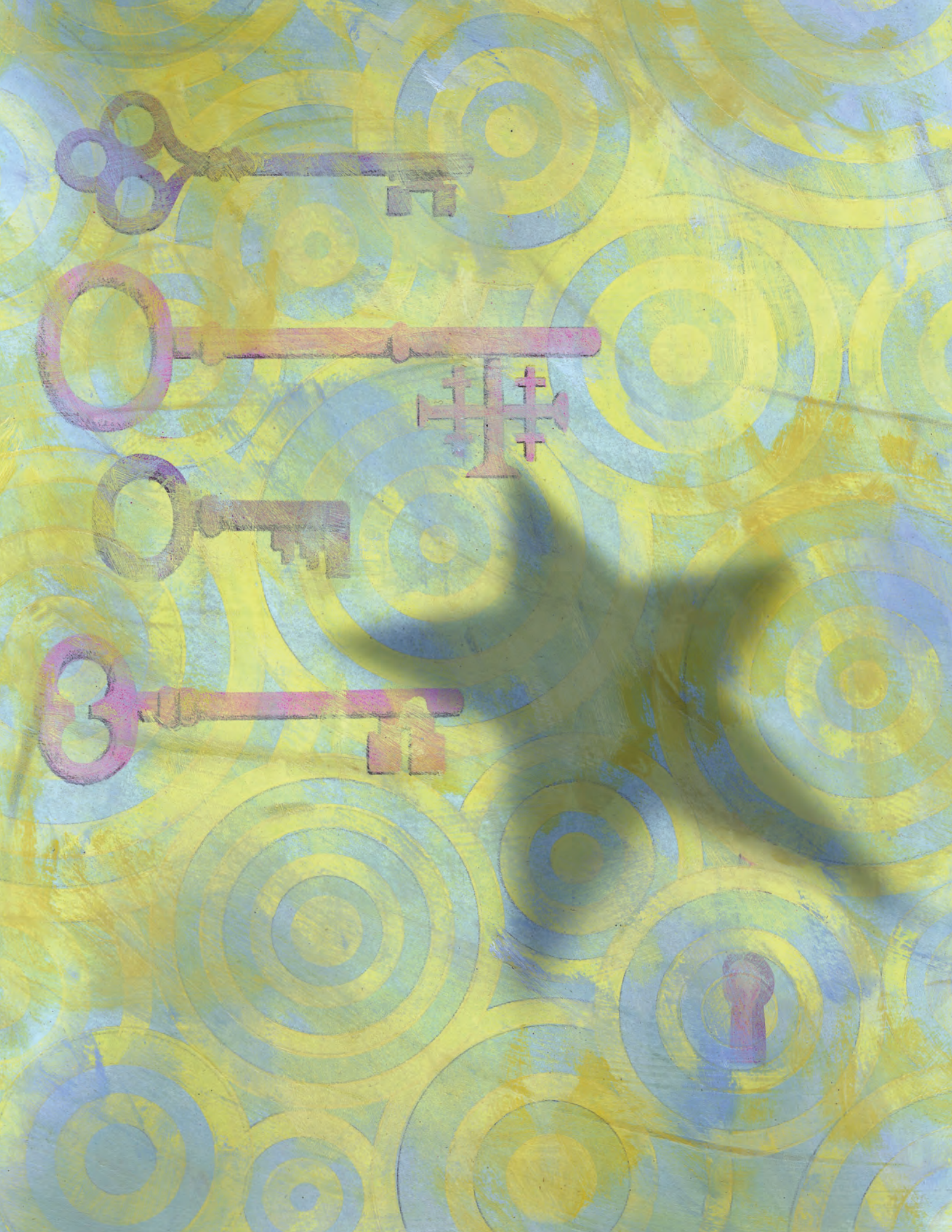

पैसा बोलता है: गतिवर्धन का वित्तीय पक्ष

सुर्खियां हर साल बदसूरत होती जाती हैं। कॉलेज में पढ़ाई की लागत नियमित रूप से वार्षिक मुद्रास्फीति की दर से ज़्यादा तेज़ रहती है; अक्सर यह वेतन की दर से दो, तीन या चार गुना गति से बढ़ती हैं।

कॉलेज बोर्ड के अनुसार 2003–04 में एक निजी संस्थान में कॉलेज की एक साल की पढ़ाई की लागत औसतन 19,710 डॉलर थी यानी 6% की वृद्धि। सार्वजनिक संस्थानों में औसत वार्षिक दर 4,694 डॉलर थी यानी 14.1% की वृद्धि। यह वेतनों में 3–4% की मानक वृद्धि से कहीं अधिक है।

जैसे-जैसे शिक्षा-शुल्क बढ़ता है, शिक्षक निराशा के साथ देखते हैं कि कम आय वाले परिवारों से कॉलेज आने वाले छात्रों की संख्या कम होती जाती है। मध्यम-वर्ग के ऐसे छात्रों की संख्या बढ़ती जाती है, जिन पर बड़े ऋण का बोझ भी बढ़ता रहता है और उनकी पढ़ाई की कीमत चुकाने के लिए अक्सर अभिभावक दूसरी बार गिरवी रखने के लिए बाध्य होते हैं।

अगर इस लागत का 12% से 25% तक भार कम करने का तरीका होता तो कैसा रहता ?

समय से छः महीने पहले स्नातक होने वाले छात्र अपनी पढ़ाई की कीमत का आठवां हिस्सा बचाते हैं और एक साल पहले स्नातक होने पर यह बचत एक चौथाई हो जाती है। इसी तरह कॉलेज के एक विषय के घंटे को कम करके छात्र अपनी पढ़ाई की कीमत कम करने के लिए उन्नत प्लेसमेंट के अंकों का प्रयोग करते हैं और अपने परिवारों या अपना पैसा बचाने के साथ-साथ कठिन और अर्थपूर्ण पाठ्यक्रमों का अनुभव ले सकते हैं।

कॉलेज में आम गति से ज़्यादा तेज़ी से पढ़ाई करना सबके बस की बात नहीं है। परंतु जो छात्र तेज़ी से और ऊँचे स्तर पर पढ़ते हैं उनके लिए गतिवर्धक कार्यक्रम के वित्तीय और शैक्षिक लाभ हो सकते हैं।

विद्यालय जिलों के लिए लागत

एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना किफायती है। इसका अर्थ है एक नई मेज़-कुर्सी या ज़्यादा से ज़्यादा एक मेज़-कुर्सी दूसरी कक्षा से तीसरी कक्षा में ले जाना। नए शिक्षकों को नौकरी पर रखने या नए निजी शिक्षक ढूंढने की कोई ज़रूरत नहीं है।

करदाता के लिए लागत का मुद्दा है। कुछ बच्चों को तेज़ी से विद्यालय की शिक्षा पूरी कराने से करदाताओं का पैसा बचता है।

आयोवा विश्वविद्यालय के डॉ० निकोलस कॉलेन्जेलो कहते हैं, "जब गतिवर्धन की बात आती है तो सबसे बड़ी कीमत दृष्टिकोण है।"

शिक्षकों को छात्रों के गतिवर्धन के बारे में अपना दृष्टिकोण समायोजित करने में समय लग सकता है और प्रधानाचार्यों को वर्तमान अनुसंधान के बारे में स्वयं को शिक्षित करने की ज़रूरत पड़ सकती है। परंतु जो लोग चेक पर हस्ताक्षर करते हैं, उनके लिए सुखद आश्चर्य होगा।

अभिभावकों के लिए लागत

अभिभावकों के लिए गतिवर्धन किफायती है। ट्यूटर ढूंढने और कभी-कभार उन्हें वेतन देने के बजाय विशेष शिविर और अन्य संवर्धन कार्यक्रम, बच्चे को अधिक उपयुक्त कक्षा में भेजना मात्र न केवल बेहतर समाधान है बल्कि लागत कम करनेवाला सार्थक समाधान भी है।

अभिभावक भी एक ऊबे हुए या अलग-थलग पड़े बच्चे की पीड़ा देखने से बच सकते हैं। अत्याधिक बोरियत के प्रभावों को बदलने में कई साल और धन लगाने के बजाय एक नई कक्षा में जाने भर से भविष्य में होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है।

प्राथमिकता याद रखें

हालांकि कॉलेज की शिक्षा पर खर्च होने वाले धन की बचत की गणना करना बहुत आकर्षक लग सकता है लेकिन शैक्षिक निर्णय कभी भी पहले धन के बारे में नहीं होता। हमेशा बच्चे का कल्याण ही सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होता है। गतिवर्धन के साथ बच्चे को शैक्षिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से लाभ होता है जबकि जिलों और अभिभावकों को वित्तीय दृष्टि से लाभ होता है।

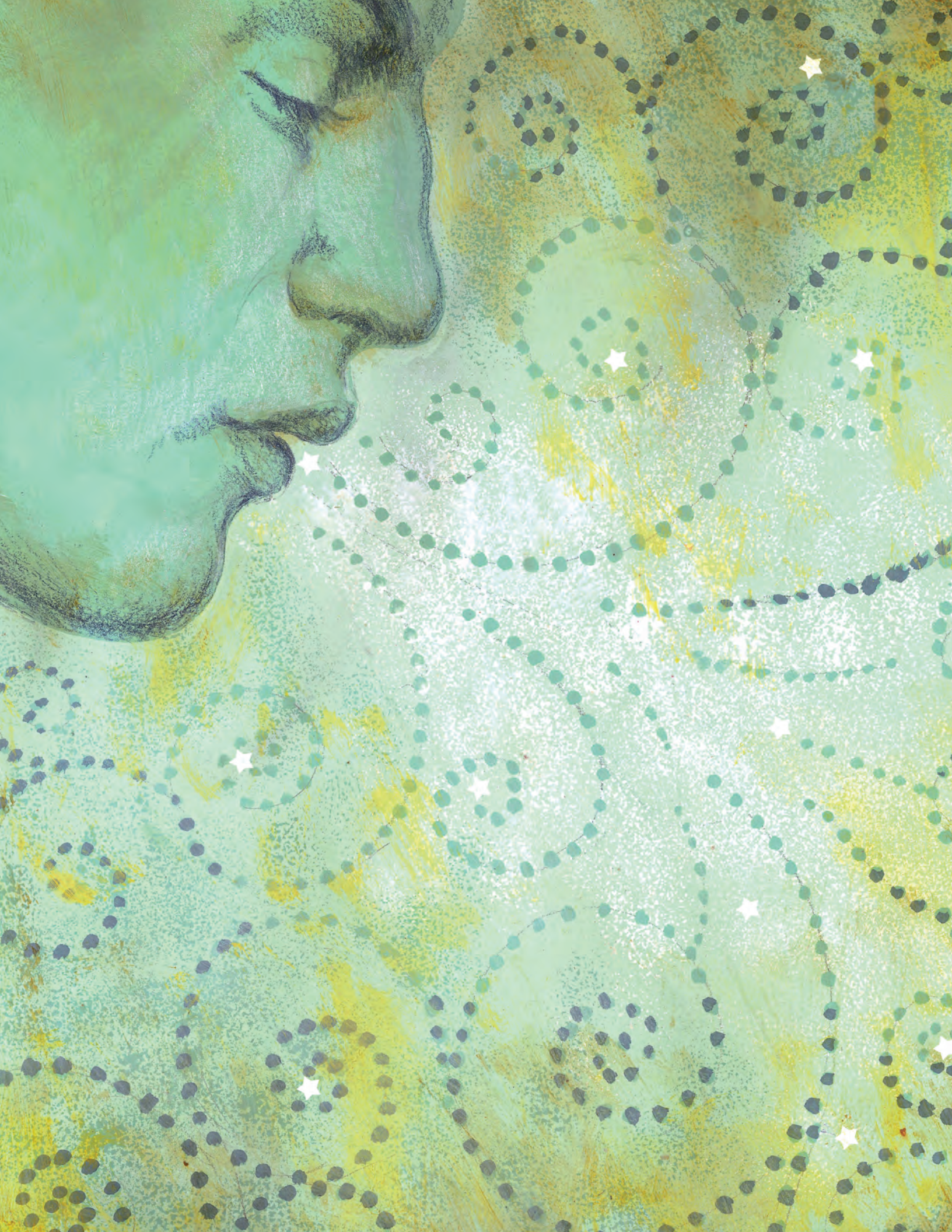

गतिवर्धन संबंधी विचार

एक छात्र का विचार

जिसका गतिवर्धन किया गया है उसके नज़रिये से देखें तो यह कैसा है ? आयोवा के हडसन नामक छोटे से शहर में पली-बढ़ी अलेक्सिस हैन्सन अपनी कहानी सुनाती हैं। आजकल वे आयोवा विश्वविद्यालय में प्री-मेड की पढ़ाई कर रही हैं।

गतिवर्धन के अपने अनुभव का वर्णन करें

मैं छठी कक्षा में थी जब मुझे एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में भेजा गया और गणित में मेरा विषय-वस्तु गतिवर्धन कर मुझे तीसरी कक्षा से आठवीं कक्षा में भेजा गया। मैंने ए० पी० के तौर पर कैलकुलॅस को चुना और चूंकि यह छोटा विद्यालय जिला था इसलिए वहाँ एकमात्र ए० पी० यही था और फिर मैंने एक साल पहले कॉलेज जाना शुरू किया। मुझे लगता है कि मैं बहुत खुशकिस्मत रही हूँ कि मुझे इन सब अनुभवों में भाग लेने का अवसर मिला।

क्या आपके लिए गतिवर्धन कठिन था ?

विषय-वस्तु के मामले में सातवीं कक्षा में मेरा गतिवर्धन किया गया और मुझे इससे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई। मेरे लिए कॉलेज जाने से ज़्यादा समस्याएं उत्पन्न हुईं। चूंकि मैंने उनका इस्तेमाल नहीं किया था इसलिए मेरे अध्ययन कौशलों को कुछ जंग-सा लग गया था।

शायद यह उन छात्रों के लिए काफ़ी बढ़ जाता है जिन्हें गतिवर्धन में भाग लेने का अवसर नहीं मिलता और जो कई सालों तक ऊबते रहते हैं। भावनात्मक और मानसिक दृष्टि से – मुझे वहाँ कुछ ख़ास समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ा।

**एन.ए.ए.एस.ई., नेशनल अकादेमी ऑफ आर्टस, साइंस एंड इंजीनियरिंग, आयोवा विश्वविद्यालय में समय-पूर्व प्रवेश कार्यक्रम है।*

क्या ऐसा कुछ था, जिसने आपके अनुभव को आसान बनाया ?

सातवीं कक्षा में, मेरा गतिवर्धन पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली मेरी प्रिय अच्छी सहेली के साथ किया गया और यह वाकई उपयोगी था। हम दोनों साथ-साथ रह सकें और प्रगाढ़ता बना पाएं फिर् हमने मुश्किलों का सामना भी साथ-साथ किया। मुझे यह सब अकेले नहीं करना पड़ा।

यहाँ एन.ए.ए.एस.ई. कार्यक्रम की हमारी कक्षा में बारह छात्र हैं। हमें एक साथ ऑनर्स छात्रावास में रखा जाता है जो हमें अपने अनुभवों के बारे में चर्चा करने के लिए एक समुदाय प्रदान करता है।

बेलिन ब्लांक केन्द्र के स्नातक छात्रों में से एक हमारे साथ पाक्षिक बैठकों में भाग लेता था और यह बहुत ही उपयोगी था।

अन्य छात्र हमारे तल पर रहने वाले छोटे छात्रों के बारे में मज़ाक करते थे परंतु जब वे हमें जानने लगे तो हम उन्हें पसंद आए। मेरे अधिकतर मित्र उम्र में मुझसे बड़े हैं।

सबसे मुश्किल भाग कौन से थे ?

मुझे कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मेरे सब मित्रों को मुझसे पहले वाहन चलाने का लाइसेंस मिल गया इसलिए ज़्यादातर समय उन्हें ही मुझे इधर-उधर ले जाना पड़ता था। अब जब मैं लोगों से पहली बार मिलती हूँ तो अपनी उम्र नहीं बताती क्योंकि वे आपको हेय समझते हैं और मुझे लगता है ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं है कि बच्चे कुछ कर सकते हैं और वे परिपक्व हैं।

मैं इस बात से उत्साहित हूँ कि जब मैं स्नातक की डिग्री प्राप्त करूंगी तो मेरे आसपास क्या हो रहा है, यह समझने के लिए मेरे पास एक अतिरिक्त साल होगा। मैं कॉलेज और ग्रैजुएट स्कूल के बीच एक साल की छुट्टी ले सकती हूँ और मुझे ऐसा लगता है कि तुरंत ऐसा करने की कोई ज़रूरत नहीं है।

गतिवर्धन के बारे में समग्र रुप से आपका क्या विचार है ?

यह मेरे लिए एक आश्चर्यजनक अनुभव था और मुझे लगता है कि यह [जानकारी] समुदाय तक पहुँचाना और देशभर व दुनियाभर के लोगों को यह बताना बहुत ज़रूरी है कि उन्हें दूसरे छात्रों को भी यह अनुभव देना चाहिए।

क्या हमउम्र बच्चों के समूह का कोई फर्क पड़ता है ?

"आम तौर पर समय से पहले कॉलेज में प्रवेश बहुत सफल होता है, चाहे वह हमउम्र बच्चों के समूह के साथ हो या अकेले हो। तथापि, एक समूह में समय से पहले प्रवेश करने के कई लाभ हैं। अपने जैसे अनुभवों से गुज़रने वाले दूसरे होनहार बच्चों के साथ रहने से खुद को तसल्ली मिलती है।"

डॉ० निकोलॅस कोलेन्जेलो, आयोवा विश्वविद्यालय

अधीक्षक का नज़रिया

डॉ० लेन प्लग आयोवा शहर के सामुदायिक विद्यालय जिले के अधीक्षक हैं। यह एक ऐसा जिला है जो शिक्षा, कला और खेल-कूद के क्षेत्र में बहुत अच्छा माना जाता है।

प्लग कहते हैं, "एक के-12 अधीक्षक के नज़रिये से देखूं तो इस रिपोर्ट का शीर्षक मुझे कुछ आशंकित करता है।" "मैं मानता हूँ कि अधिकतर के-12 जिलों में किसी न किसी प्रकार के गतिवर्धन का चलन है लेकिन यह अवश्य मानूंगा कि शायद हम इस पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना देना चाहिए।"

उन्होंने विस्तारपूर्वक समझाया कि गतिवर्धन करते हुए विद्यालय क्यों हिचकिचाते हैं। वे कहते हैं, "हम ऐसा करते हुए सावधान रहते हैं क्योंकि हम बच्चे पर किसी प्रकार का दबाव नहीं डालना चाहते।" "यह [गतिवर्धन] एक ऐसी चीज़ है जिस पर हमें ध्यान देने की ज़रूरत है।"

प्लग के अनुसार उनके जिले में गतिवर्धन बहुत विरल है।

वे कहते हैं, "हमारे जिले के 10,500 छात्रों में से साल-भर में केवल लगभग 5 के अभिभावक ही गतिवर्धन के बारे में बातचीत करने के लिए सामने आते हैं।"

अगर अभिभावक इसका नाम नहीं लेते तो कोई भी इस बारे में बात नहीं करता। "विद्यालय के कर्मचारी इस बारे में चर्चा शुरू करने में रुचि नहीं लेते। जिन पाँच बच्चों के अभिभावक चर्चा के लिए सामने आते हैं, उनमें से दो या तीन बच्चे ही असल में एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाते हैं।"

प्लग इस रिपोर्ट का स्वागत करते हैं क्योंकि उनका विचार है कि यह शिक्षकों का ज्ञान बढ़ा सकती है और गतिवर्धन के बारे में दृष्टिकोण बदल सकती है। "मेरा विचार है कि हम इस पहले से ज़्यादा समझते हैं कि बच्चे क्या जानते हैं।"

अधीक्षक प्लग की शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान करने वाले उन अनुसंधानकर्त्ताओं के लिए एक सलाह है जो यह सोच कर हैरान होते हैं कि शिक्षकों को हमेशा गतिवर्धन के फायदों के बारे में जानकारी क्यों नहीं होती।

"यह मानकर न चलें कि के-12 समुदाय गतिवर्धन के बारे में जानता है। वे नहीं जानते। यह मानकर नहीं चलें कि महज एक रिपोर्ट जारी करने से सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। यह केवल एक शुरुआत है।"

विद्यालय बोर्ड के अध्यक्ष का नज़रिया

जब आयोवा शहर के सामुदायिक विद्यालय जिले के विद्यालय बोर्ड की अध्यक्षा लॉरेन रीस छोटी थीं तो उनका गतिवर्धन किया गया था और उनके सकारात्मक अनुभव ने छात्रों को आगे बढ़ाने के बारे में उनके विचारों को प्रभावित किया।

रीस ने कहा, "विद्यालय बोर्ड शैक्षिक नीति बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस कार्य में विद्यालय बोर्ड का मूल कार्य जिले के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करना है।"

कई जिलों को द्विभाषी छात्रों, अप्रवासी छात्रों, गरीब छात्रों और अलग-अलग तरह की विकलांगता वाले छात्रों को संभालना पड़ता है। आजकल अधिकतर चर्चा इसी पर केंद्रित रहती है।

रीस कहती हैं, "बढ़ती संख्या के साथ-साथ छात्रों की ज़रूरतों के स्तर बढ़ रहे हैं। इन छात्रों के लिए जोखिम ज़्यादा है और निस्संदेह कोई बच्चा पीछे नहीं छूटा (नो चाइल्ड लेफ़्ट बिहाइंड) [2002 में पारित किया गया राष्ट्रीय कानून] से इस बात की पुष्टि होती है। बाकी सभी मुद्दे इस शोर में दब जाते हैं।"

एक धोखा खाया हुआ देश क्या कर सकता है, इस बारे में रीस आशावादी हैं। रीस कहती हैं, "यह रिपोर्ट शिक्षा की दिशा बदलने के लिए एक सशक्त घटक हो सकती है। सार्वजनिक विद्यालय की शिक्षा में जिस चीज़ का होना ज़रूरी है, वह राजनीतिक दृष्टि से गलत हो सकती है लेकिन हम सब बच्चों की प्रगति पर नज़र रखने के विचार से इतनी दूर आ चुके हैं कि हम एक बड़े क्षमता-परास के बच्चों को एक समूह में रख रहे हैं। यह ऐसा वातावरण नहीं है जिसमें आप उन होनहार बच्चों को पहचान सकें जिन्हें ज़्यादा तेज़ी से आगे बढ़ना चाहिए।"

पहचाने जाने के बावजूद भी बहुत ज़्यादा सक्षम बच्चों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। रीस विस्तारपूर्वक समझाती हैं, "जब आप एक बहुत बड़ी क्षमता-परास वाली कक्षा में होते हैं तो शिक्षक मेधावी बच्चों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकता। और भी ऐसे बच्चे होते हैं जिनकी ज़रूरते बहुत ज़्यादा होती हैं।"

शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि जनता, ख़ासकर अभिभावक और शिक्षक, गतिवर्धन से संबंधित अनुसंधान से परिचित नहीं हैं और इस बारे में विद्यालय बोर्ड की अध्यक्षा के विचार सशक्त हैं।

रीस सलाह देती हैं, "आपको अनुसंधान को सबके सामने रखने और समुदाय में अभिभावकों की आवाज़ को और सशक्त करने की ज़रूरत है। अभिभावक सबके सामने आकर यह कहने से थोड़ा हिचकिचाते हैं, "मेरा बच्चा इतना होनहार है और विद्यालय जिले ने कुछ ख़ास नहीं किया है।""

रीस सुझाव देती हैं कि विद्यालय बोर्ड को नहीं भूलें। "विद्यालय बोर्ड के सदस्यों या एक विद्यालय के बोर्ड के सदस्य को इस तरह विकसित करें कि वह प्रतिभाशाली बच्चों और गतिवर्धन की आवाज़ बनाया सके। ऐसी आवाज़ के बिना चर्चा को सही दिशा देना बहुत मुश्किल होगा।"

क्या गतिवर्धन का अर्थ नज़र रखना है ?

नहीं। 1960 के दशक में जिस तरह ट्रैकिंग को कार्यान्वित किया गया था, उसका अर्थ बच्चों को योग्यता के आधार पर अत्यंत सख्त तरीके से अलग करना था। यह अत्यधिक विवादास्पद शैक्षिक कार्य था। आज की क्षमता के आधार पर समूह बनाने की कार्य-प्रणालियां उससे कहीं ज़्यादा लचीली हैं। गतिवर्धन, नज़र रखने और क्षमता के आधार पर समूह बनाने के विपरीत, उम्र की बजाय योग्यता के आधार पर छात्रों की सीखने की ज़रूरत पर ध्यान देने वाला अत्यंत वैयक्तिक, विशिष्टता से युक्त और परिवर्तनशील तरीका है।

ट्रैकिंग में सामूहिक अंतरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है; गतिवर्धन में व्यक्तिगत अंतरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

शिक्षक कैसे मदद कर सकते हैं

एक प्रभावी शिक्षक कई महत्वपूर्ण तरीकों से प्रतिभासंपन्न बच्चे की मदद कर सकता है। पहले पहचानें कि बच्चा शैक्षिक रुप से बाकियों से उन्नत है। इसके बाद उस बच्चे को नई चुनौतियों से परिचित कराएं और सुनिश्चित करें कि विद्यालय हमेशा एक सकारात्मक अनुभव बना रहे। अंततः यह सुनिश्चित करें कि बच्चे के गतिवर्धन के लिए तत्परता का सटीक मूल्यांकन किया जाता है।

यद्यपि, लोकप्रिय बुद्धिमता के अनुसार बच्चे खुद ही सीख सकते हैं और पुस्तकालय में स्वयं-करें सीरीज के माध्यम से सीख सकते हैं तथापि विशेषज्ञों के अनुसार सच्चाई यह है कि शैक्षिक रुप से प्रतिभाशाली छात्रों को योग्य और जानकार शिक्षकों की ज़रूरत होती है।

वैंडरबिल्ट विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन और प्रतिभासंपन्न बच्चों के विषय की जानी-मानी विशेषज्ञ डॉ० कैमिला बेनबो कहती हैं, "कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षक प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए भी महत्त्वपूर्ण हैं।"

डॉ० बेनबो विस्तारपूर्वक समझाती हैं, "उत्तम शिक्षक अन्य आवसरों के द्वार खोलते हैं।"

शिक्षकों को क्या जानना चाहिए

हर प्रतिभासंपन्न बच्चे के जीवन में शिक्षक महत्त्वपूर्ण है, भले ही उसके माता-पिता जानकार और सहयोग देने वाले क्यों न हों।

आयोवा विश्वविद्यालय के बेलिन-ब्लांक केंद्र की सहायक निदेशिका डॉ० सूज़न असूलीन स्पष्ट करती हैं, "माता-पिता अपने बच्चों के पहले पक्षधर हैं लेकिन बदलाव का कार्यान्वयन करने के लिए उन्हें अपने बच्चों के शिक्षकों और प्रशासकों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।"

प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए सच यह है कि शिक्षक द्वारा उनकी ज़रूरतों को प्राथमिकता नहीं दिया जाता है। ऐसे बच्चों की जरुरतें तब हाशिये पर चले जाते हैं जब शिक्षक अपने समय की अत्यधिक माँग का सामना करते हैं।

आजकल, पूरे देश का ध्यान *नो चाइल्ड लेफ़्ट बिहाइंड* नामक कानून पर केंद्रित है। इसमें सभी बच्चों को न्यूनतम कौशल जानने पर ज़ोर दिया जाता है। जिन बच्चों की दक्षता न्यूनतम स्तर से बहुत अधिक है, उनके कौशल को जितना हो सके उतना बढ़ाना प्राथमिकता नहीं है। प्रतिभासंपन्न छात्रों की ज़रूरतों का सम्मान करने का मतलब दूसरे बच्चों की उपेक्षा करना नहीं है।

शिक्षक क्या कर सकते हैं

- मेधावी बच्चों को पहचानें
- नई चुनौतियां प्रदान करें
- बच्चे के अभिभावक को गतिवर्धन के बारे में जानकारी दें
- बच्चे जो पहले से जानते हैं, उन्हें जितना कम हो सके उतना कम पढ़ाएं
- अपने सबसे होनहार छात्र सहित... सभी छात्रों के लिए विद्यालय को एक सकारात्मक अनुभव बनाएं

शिक्षकों को गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान और 18 तरह के गतिवर्धन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। कोई बच्चा गतिवर्धन करने के लिए तैयार है या नहीं, यह जानने के लिए उन्हें *आयोवा गतिवर्धन मानदंड* जैसे तरीकों के बारे में पता होना आवश्यक है।

एक रोचक बात यह है कि दृष्टिकोण जैसी साधारण परंतु अड़ियल चीज़ अनुभवी शिक्षकों के लिए सबसे बड़ी समस्या हो सकती है। कई सालों तक गतिवर्धन के बारे में नकारात्मक दृष्टिकोण को स्वीकार करने के बाद कई शिक्षकों को इस बारे में पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह सब निरंतर चलने वाले व्यावसायिक विकास से संबंधित है।

कक्षा में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों को यह पता होना चाहिए कि गतिवर्धन किए जाने वाले ज़्यादातर छात्र अपने शैक्षिक अनुभव से खुश हैं और सामाजिक रुप से अच्छी तरह समायोजित हैं। कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षक *एक धोखा खाया हुआ देश* के खंड I और II में दी गई सामग्री का प्रयोग कर उन अत्याधिक सक्षम छात्रों की सहायता कर सकते हैं जिन्हें वे आगे पढ़ाएंगे।

एक बच्चे की शिक्षा अत्यंत महत्त्वपूर्ण है और इसे गतिवर्धन के बारे में सच्चाई की जानकारी के अभाव में गंवाया नहीं जा सकता।

कॉलेज ऑफ एजुकेशन: एक मूक समस्या

गतिवर्धन संबंधी वर्तमान दृष्टिकोण कहाँ से शुरू हुईं, इस विषय पर बहुत कम शिक्षक ही विचार-विमर्श करना पसंद करते हैं।

किसी को निश्चित नहीं पता लेकिन एक बात जो हम जानते हैं कि अमरीका के शिक्षकों और प्रशासकों में एक बात समान है और वह है – पढ़ाने की डिग्री। शिक्षा की प्रक्रिया में कॉलेज ऑफ एजुकेशन विद्यालयों के साझेदार हैं। समस्या यह है कि जब होनहार बच्चों की बात आती है तो वे मूक साझेदार हैं।

वैंडरबिल्ट विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन डॉ० कैमिला बेनबो स्पष्ट करती हैं, "यह एक सांस्कृतिक समस्या है। कॉलेज ऑफ एजुकेशनों ने सामाजिक न्याय और साम्यता के बारे में बहुत चिंतित हैं।"

"संकाय सदस्य शिक्षा में साम्यता के बारे में बहुत चिंतित हैं। बेशक यह विषय महत्त्वपूर्ण है परंतु हमने एक अत्यधिक महत्त्वपूर्ण चीज़ खोई है और वह है – उत्कृष्टता की चाह। मेरी दृष्टि में, उत्कृष्टता के बिना सामाजिक न्याय खोखला है।"

शिक्षा कॉलेजों के पाठ्यक्रम सूचीपत्रों पर सरसरी नज़र डालें तो पता लगता है कि प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा के संदर्भ में बहुत कम पाठ्यक्रमों (आवश्यक या वैकल्पिक) का प्रस्ताव रखा जाता है। ऐसा लगता है कि अधिकतर प्रस्तावित पाठ्यक्रम सेवाकालीन हैं और यह विकल्प केवल तभी उपलब्ध हैं जब एक शिक्षक या प्रशासक डिग्री प्राप्त कर लेता है। जो पाठ्यक्रम कक्षा में प्रतिभासंपन्न छात्रों को पहचानने में शिक्षकों की मदद करते हैं वे कभी-कभार ही डिग्री प्राप्त करने की आवश्यकताओं में शामिल होते हैं।

चूंकि प्रतिभासंपन्न छात्र आवश्यक पाठ्यक्रम का हिस्सा ही नहीं हैं इसलिए कई शिक्षक अत्यंत सक्षम छात्रों के बारे में उपयुक्त निर्णय लेने की तैयारी के बिना कॉलेज से स्नातक होते हैं।

यद्यपि शिक्षकों और प्रशासकों को अक्सर विद्यार्जन संबंधी विशेष ज़रूरतों वाले छात्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक पाठ्यक्रम पढ़ना होता है तथापि प्रतिभासंपन्न छात्र इन विशेष ज़रूरतों वाले पाठ्यक्रम में या तो शामिल नहीं होता या फिर अनुबोध मात्र होते हैं।

कॉलेज ऑफ एजुकेशन गतिवर्धन के बारे में इतने ख़ामोश इसलिए हैं क्योंकि प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा और उत्कृष्टता संबंधी विषयों पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता। चूंकि गतिवर्धन के बारे में व्यापक अनुसंधान कई सालों से उपलब्ध रहा है इसलिए यह अजीब-सी बात है कि पाठ्यक्रम संबंधी बुनियादी कार्रवाई को शिक्षकों की तैयारी के तौर पर नहीं पढ़ाया जाता।

आयोवा विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन सान्द्रा डैमिको कहती हैं, "शिक्षा कॉलेजों की उत्कृष्टता का प्रतीक यह होना चाहिए कि वे शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में अनुसंधान का गंभीरतापूर्वक मूल्यांकन करते हैं और फिर इसका प्रचार करते हैं।" "हमारे भावी शिक्षकों को सभी छात्रों के लिए बेहतरीन कार्य-प्रणालियों को समझने और उनका कार्यान्वयन करने संबंधी जानकारी और कौशल प्रदान करना शिक्षा संकायों की व्यावसायिक ज़िम्मेदारी है।

डैमिको कहती हैं, "गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान का शिक्षकों और प्रशासकों के प्रशिक्षण का भाग नहीं होना शिक्षा कॉलेजों के मिशन पर आघात है।"

शिक्षक दोषी नहीं हैं

कुछ शैक्षिक नेता चिंतित हैं कि कक्षा में पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रतिभासंपन्न छात्रों की शिक्षा संबंधी सभी समस्याओं के लिए उसी तरह दोषी ठहराया जाता है, जैसे दूसरी समस्याओं के लिए भी दोषी ठहराया जा रहा है।

प्रतिभासंपन्न छात्रों के गुणों और आवश्यकताओं या गतिवर्धन के बारे में विशिष्ट जानकारी नहीं होने के लिए शिक्षकों को दोषी मानना उचित नहीं है। शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को तैयार करना विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की ज़िम्मेदारी है। सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी और प्रथाएं प्रदान करने के लिए समाज इन संस्थानों की ओर देखता है। फिर, जानकारी और प्रथाओं में इतनी दूरी क्यों है ?

शैक्षिक प्रथाओं के लिए अनुसंधान का आधार शिक्षा कॉलेजों से शुरू होता है। इस अनुसंधान को दृष्टिकोणों और प्रथाओं को प्रभावित करना चाहिए। हमारा अनुभव है कि शिक्षा-कॉलेजों के प्रोफ़ेसर शैक्षिक प्रथाओं के आधार के तौर पर अनुसंधान के महत्त्व के बारे में भाषण देते हैं। तथापि जब गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान की बात आती है तो वे अपनी शिक्षा पर अमल नहीं करते। गतिवर्धन की प्रथा के आधार के तौर पर वे गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान को बढ़ावा नहीं देते।

वैंडरबिल्ट विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन डॉ० कैमिला बैनबो कहती हैं, "हमें केवल जानकारी की ही नहीं बल्कि पेशागत विकास की भी ज़रूरत है। व्यवहारों को बदलना बहुत कठिन है। जैसे-जैसे शिक्षक अपने दृष्टिकोण और व्यवहार बदलते हैं वैसे-वैसे हमें उन्हें समर्थन देने की ज़रूरत है।"

राष्ट्र के शिक्षकों को गतिवर्धन के व्यापक सकारात्मक इतिहास के बारे में शिक्षित करना मुश्किल होगा परंतु बेनबो को विश्वास है कि ऐसा किया जाना चाहिए।

वे कहती हैं, "यह आसान नहीं है। लोग यह सोचना चाहेंगे कि आप एक सप्ताहांत या सप्ताह-भर के व्यावसायिक विकास सेमिनार द्वारा इन शिक्षकों के विचार बदल सकते हैं। मेरे विचार से यह इतना आसान नहीं हैं। फिर भी महज इसलिए कि यह आसान नहीं है, हमें ऐसा करते रहना बंद नहीं करना चाहिए।

बेनबो कहती हैं, "शिक्षा के क्षेत्र में एक दिवसीय कार्यशालाएं भरी पड़ी हैं। यह एक दिन का समाधान नहीं है।"

शिक्षकों को कहाँ मदद मिल सकती है

आयोवा विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एजुकेशन की डीन डॉ० सैंड्रा डैमिको कहती हैं, "यही कारण है कि जो केंद्र शिक्षकों को शैक्षिक रुप से उन्नत छात्रों के बारे में शिक्षित और प्रशिक्षित करते हैं वे देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।"

"कनेक्टिकॅट विश्वविद्यालय के मेधावी और प्रतिभाशाली बच्चों के साथ काम करने वाला राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र और आयोवा विश्वविद्यालय के बेलिन-ब्लांक केंद्र जैसे केंद्र व्यावसायिक विकास के आदर्श होने के साथ-साथ शैक्षिक रुप से उन्नत बच्चों के बारे में हाल के अनुसंधान के शोधन-गृह भी हैं। और इसके साथ-साथ वे उन शिक्षकों की सहायता भी करते हैं जो यह सीखना चाहते हैं कि इन छात्रों को उपयुक्त चुनौतियां कैसे दी जा सकती हैं।

डैमिको कहती हैं, "जैसे-जैसे ज़्यादा से ज़्यादा शिक्षकों को अत्यधिक सक्षम छात्रों को पढ़ाने संबंधी विशेष चुनौतियों और छात्रों की सहायता करने वाले विभिन्न प्रकार के गतिवर्धनों के बारे में जानकारी दी जाती है वैसे-वैसे मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रों के साथ काम करने वाले ऐसे केंद्र सही निर्णय लेने में शिक्षकों की सहायता के लिए मौजूद होंगे।

डैमिको और बेनबो को एक और बात पर पूरा विश्वास है। प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए संसार के सबसे अच्छे उपकरणों से लैस केंद्रों के होने के बावजूद भी शिक्षकों की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के बिना बहुत कम बच्चों की सहायता होगी। एक प्रतिभासंपन्न बच्चे को पहचानना और उपयुक्त शैक्षिक विकल्पों के बारे में सुझाव देना लगभग हमेशा कक्षा में पढ़ाने वाले एक अकेले अध्यापक की चुनौतियां होती हैं।

हर बच्चे के जीवन में शिक्षक का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। मगर एक प्रतिभासंपन्न बच्चे के लिए शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि बच्चे को हमेशा एक उपयुक्त चुनौतीपूर्ण पाठ्यक्रम दिया जाता है तो यह एक नवीन शैक्षिक पथ का द्वार खोल सकता है।

यह रिपोर्ट पढ़ने के लिए धन्यवाद।

हमने गतिवर्धन की क्रिया से
संबंधित मुद्दों को उनके कई रूपों में
पेश करने की कोशिश की है।

हम उन शिक्षकों के प्रति पुन: सम्मान प्रकट करना
चाहेंगे जो अपने छात्रों के लिए सर्वोत्तम निर्णय
लेने की कोशिश कर रहे हैं। इस रिपोर्ट के खंड I
और II शिक्षकों और माता-पिता को गतिवर्धन के
बारे में पर्याप्त जानकारी देते हैं।

हम उम्मीद करते हैं कि यह जानकारी उनकी
चर्चाओं के साथ-साथ मेधावी छात्रों के लिए
शैक्षिक कार्यक्रम बनाने संबंधी निर्णयों के लिए
एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी।

हमारा मानना है कि यह मुद्दा हमारे देश की
प्रगति के लिए ज़रूरी है। हम सब एक साथ
मिलकर अपने बच्चों के लिए बेहतरीन मौके बना
सकते हैं।

हम उम्मीद करते हैं कि अमरीका के शिक्षक हमारे
होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से नहीं रोकने का
निर्णय लेंगे।

परिशिष्ट क

कार्यकारी सारांश

एक धोखा खाया हुआ देश: विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं

अमरीका के विद्यालय सामान्य तौर पर उच्च योग्यता वाले छात्रों की सहायता के सरल और सबसे प्रभावी तरीका यानी शैक्षिक गतिवर्धन की उपेक्षा करते हैं। हालांकि लोकप्रिय मान्यता यह है कि जो बच्चा एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने वाले बच्चे का सामाजिक विकास अवरुद्ध हो जाता है, तथापि पचास वर्षों के अनुसंधान बताते हैं कि होनहार बच्चों को आगे बढ़ने देने से वे अक्सर खुश होते हैं।

गतिवर्धन का अर्थ है पारंपरिक पाठ्यक्रम को आम गति से ज़्यादा तेज़ी से पढ़ाना। गतिवर्धन के 18 प्रकारों में एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाना, समय से पहले विद्यालय में प्रवेश और उन्नत प्लेसमेंट (ए.पी.) पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह उचित शैक्षिक योजना है। इसका अर्थ पाठ्यक्रम के स्तर और जटिलता को छात्र की तत्परता और प्रेरणा के समान रखना है।

जो विद्यार्थी आगे बढ़ाए जाते हैं वे आम तौर पर ज़्यादा महत्त्वाकांक्षी होते हैं और वे दूसरे विद्यार्थियों के मुकाबले अधिक उच्च दर पर स्नातक की डिग्री प्राप्त करते हैं। कई सालों बाद साक्षात्कार करने पर आगे बढ़ाए जाने वाले अधिकतर विद्यार्थी कहते हैं कि गतिवर्धन उनके लिए एक उत्कृष्ट अनुभव था।

गतिवर्धन किए जाने वाले विद्यार्थी महसूस करते हैं कि उन्हे शैक्षिक दृष्टि से चुनौती दी गई है और समाज उन्हें स्वीकार करता है; और वे उस बोरियत का शिकार नहीं होते जिसका सामना हमउम्र बच्चों वाला पाठ्यक्रम पढ़ने को बाध्य कई उच्च योग्यता वले विद्यार्थियों को करना पड़ता है।

पहली बार, यह सम्मोहक अनुसंधान इन खोजों को अभिभावकों, शिक्षकों और अध्यापकों के हाथों पहुँचाने वाली नए साहसिक पहल के रूप में जनता के सामने उपलब्ध है। इस रिपोर्ट की मांग करने वाले विद्यालयों, मीडिया और अभिभावकों के लिए यह रिपोर्ट नि:शुल्क उपलब्ध है।

इसमें आपको समय से पहले विद्यालय में प्रवेश, प्राथमिक विद्यालय में एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने, उन्नत प्लेसमेंट कार्यक्रम और समय से पहले कॉलेज शुरू करने के बारे में जानकारी मिलेगी। आप गतिवर्धन किए जाने वाले विद्यार्थियों की टिप्पणियों के साथ-साथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के डीन, विद्यालय के अधीक्षकों और विद्यालय बोर्ड के सदस्यों की टिप्पणियां भी पढ़ेंगे। इस खंड का हर वाक्य अमरीका के अग्रणी शिक्षा-विशेषज्ञों के अनुसंधान से चुनकर लिया गया है। अगर आप अनुसंधान के बारे में अधिक जानकारी चाहते हैं तो इस रिपोर्ट का खंड II देखें।

इस सारे अनुसंधान के बावजूद विद्यालयों, अभिभावकों और शिक्षकों ने गतिवर्धन के विचार को स्वीकार क्यों नहीं किया है? *एक धोखा खाया हुआ देश* उन कारणों को प्रस्तुत करता है जो स्पष्ट करते हैं कि विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार बच्चों को पीछे क्यों रखते हैं:

- गतिवर्धन संबंधी अनुसंधान के साथ सीमित परिचय
- यह दर्शन कि बच्चों को हमउम्र बच्चों के साथ ही रखा जाए
- यह मान्यता कि गतिवर्धन से बच्चों का बचपन जल्दी बीत जाता है
- यह डर कि गतिवर्धन से बच्चों को सामाजिक नुकसान होता है
- साम्यता के बारे में राजनीतिक चिंताएं
- यह चिंता कि यदि एक बच्चे का गतिवर्धन किया जाता है तो दूसरे बच्चे आहत होंगे।

यह रिपोर्ट दर्शाती है कि कोई भी अनुसंधान इन कारणों का समर्थन नहीं करता। एक जन जागरुकता अभियान की शुरुआत और हज़ारों प्रतियां बांटकर 'एक धोखा खाया हुआ देश' नामक यह रिपोर्ट शिक्षकों और अभिभावकों को गतिवर्धन पर विचार करने के लिए ज्ञान, सहयोग और आत्मविश्वास प्रदान करती है।

ऑनलाइन और मुद्रित दोनों रुप में इस रिपोर्ट की कीमत जॉन टेंपलटन फ़ाउंडेशन द्वारा वहन किया गया है। *एक धोखा खाया हुआ देश* अमरीका में होनहार बच्चों की शिक्षा के बारे में चर्चा में बदलाव लाने की उम्मीद करता है। पूरे देश में विचार-विमर्श को बढ़ावा देने के लिए www.nationdeceived.org वेबसाइट बनाई गई है।

अमरीका के बच्चों के लिए गतिवर्धन इतना महत्त्वपूर्ण क्यों है, यह जानने के लिए हम आपको आमंत्रित करते हैं। इस रिपोर्ट के बारे में अधिक जानकारी और इसे डाउनलोड करने के लिए www.nationdeceived.org पर जाएं। इस इंटरएक्टिव वेबसाइट पर आप रिपोर्ट के बारे में अपनी राय दे सकते हैं।

दि कोनी बेलिन एंड जॅकलिन एन. ब्लांक इंटरनेशनल सेंटर फॉर गिफ्टेड एजुकेशन एंड टैलेंट डेवेलपमेंट
कॉलेज ऑफ एजुकेशन, आयोवा विश्वविद्यालय
600 ब्लांक ऑनर्स केंद्र
आयोवा सिटी, आयोवा 52242-0454
800.336.6463
http://www.education.uiowa.edu/belinblank

"एक धोखा खाया हुआ देश: विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं" के लेखकों के बारे में

निकोलॅस कोलेंजलो आयोवा विश्वविद्यालय में प्रतिभासंपन्न छात्रों की शिक्षा के माइरॉन व जॅकलिन ब्लांक प्रोफ़ेसर हैं। वे प्रतिभासंपन्न शिक्षा और प्रतिभा विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलिन एन. ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक भी हैं। उन्होंने वॅर्माट विश्वविद्यालय से परामर्श देने में एम.एड. और विस्कोन्सिन-मैडिसॅन विश्वविद्यालय से शिक्षा परामर्शदाता में पी.एच.डी. की है। उन्होंने प्रतिभासंपन्न छात्रों को परामर्श देने और प्रतिभासंपन्न बच्चों के भावनात्मक विकास पर कई लेख लिखे हैं। उन्होंने दो पाठ्यों का संपादन किया है: *प्रतिभासंपन्न छात्रों को परामर्श देने संबंधी नवीन विचार* (रोनॉल्ड ज़ाफ़ान के साथ) और *प्रतिभासंपन्न छात्रों की शिक्षा के लिए हैंडबुक I, II और III* (गैरी डेविस के साथ)। उन्होंने काउंसिलिंग एंड डेवेलपमेंट, *गुफ्टेड चाइल्ड क्वार्टर्ली, जर्नल ऑफ क्रिएटिव बिहेवियर,* जर्नल फॉर द एजुकेशन ऑफ गिफ्टेड और *रोपर रीव्यू* सहित कई प्रमुख पत्रिकाओं के संपादकीय मंडल में भी काम किया है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई अनुसंधान संबंधी लेख प्रस्तुत किए हैं और कई बार मुख्य-व्याख्यान के वक्ता रह चुके हैं। 1991 में उन्हें प्रतिभासंपन्न बच्चों की राष्ट्रीय संस्था द्वारा प्रतिष्ठित विद्वान का पुरस्कार दिया गया; 1995 में उन्हें विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के शिक्षा-विद्यालय द्वारा स्नातक उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2000 में उन्हें आयोवा शिक्षा अकादमी में चुना गया और उन्होंने संकाय उत्कृष्टता के लिए आयोवा राज्य का आयोवा रीजेंट्स पुरस्कार प्राप्त किया। 2002 में उन्होंने मेधावी बच्चों की राष्ट्रीय संस्था से राष्ट्रपति का पुरस्कार प्राप्त किया। 2004–2005 के लिए डॉ० कोलेंजलो को आयोवा शिक्षा अकादमी का अध्यक्ष चुना गया।

सूसान जी० एसूलीन बेलिन-ब्लांक केंद्र की सहायक निदेशक हैं। उन्होंने आयोवा विश्वविद्यालय से सामान्य विज्ञान में शिक्षण-पुष्टि के साथ बी० एस०, विद्यालय मनोविज्ञान में एड० एस० और मानसिक और परिमाणात्मक आधार में पी.एच.डी. प्राप्त की। अपनी डॉक्ट्रेट की डिग्री पूरी करने के बाद उन्हें जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा "गणित में तेज़ युवकों पर अनुसंधान" (एस.एम.पी.वाई.) के लिए दो साल की डॉक्ट्रेट-पश्चात फ़ेलोशिप दी गई थी, जिसे पूरा करने के बाद उन्होंने 1990 में बेलिन-ब्लांक केंद्र में काम करना शुरू किया। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों में शैक्षिक प्रतिभा की खोज में उन्हें ख़ास रुचि है और वे *डेवेलपिंग मैथेमेटिकल टैलेंट: ए गाइड फॉर चैलेंजिंग एंड एजुकेटिंग गिफ्टेड स्टूडेंट्स* की सह-लेखिका (एन लुप्कोव्स्की के साथ) हैं। इसके साथ-साथ वे *प्रतिभा विकास:मेधावी होने और प्रतिभा के विकास के लिए वैलेस अनुसंधान विचार-गोष्ठी की कार्रवाइयां और आयोवा गतिवर्धन पैमाना – 2रा संस्करण* नामक श्रृंखला की सह-संपादिका भी हैं एवं शिक्षकों और अभिभावकों को छात्रों को एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने का निर्णय लेने के लिए बनाए गए उपकरण, की सह-विकासकर्ता हैं। वे गतिवर्धन की प्रक्रिया के बारे में निर्णय लेने के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञ हैं और उन्होंने 100 से ज़्यादा गतिवर्धन के मामलों पर परामर्श दिया है। उन्होंने गतिवर्धन, गणित-संबंधी प्रतिभा के विकास और मेधावी/विकलांग विद्यार्थियों के बारे में माता-पिता और शिक्षकों के साथ कई कार्यशालाएं आयोजित की हैं। डॉ० एसूलीन ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में वक्तव्य दिए हैं। आजकल वे बेलिन-ब्लांक केंद्र के दोगुने-असाधारण बच्चों पर राष्ट्रीय अध्ययन की मुख्य अन्वेषक हैं।

मीरासा यू० एम० ग्रॉस प्रतिभासंपन्न शिक्षा की प्रोफ़ेसर और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में गिफ्टेड एजुकेशन रिसर्च, रिसोर्सेज एंड इंप्रूमेशन सेंटर (जी.ई.आर.आर.आई.सी) की निदेशिका हैं। वे मेधावी और प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं। वे अमरीका में ख़ास तौर पर प्रसिद्ध हैं जहाँ वे बीस साल से अधिक समय से शिक्षा विभागों और विद्यालय जिलों को गतिवर्धन कार्यक्रम बनाने और पाठ्यक्रम विकास पर परामर्श देकर मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा में लगातार योगदान देती रही हैं। डॉ० ग्रॉस शैक्षिक रुप से प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए गतिवर्धन के प्रयोग पर अग्रणी विशेषज्ञों में से एक हैं। उन्होंने पर्ड्यू विश्वविद्यालय से प्रतिभासंपन्न शिक्षा में विशेषज्ञता के साथ एम.एस.ई. और पी.एच.डी. की डिग्रियां अर्जित की हैं। इसके बाद के सालों में उन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार जीते। 1987 में मेधावी शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए हॉलिंगवर्थ पुरस्कार प्राप्त कर यह सम्मान पाने वाली पहली गैर-अमरीकी व्यक्ति बनीं। 1988 और 1990 में उन्हें उत्कृष्टता के लिए मेन्सा अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थान के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1995 में प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए (अमरीकी) राष्ट्रीय संघ ने उन्हें अपने प्रतिष्ठित प्रारंभिक विद्वान पुरस्कार से सम्मानित किया। वे अमरीकी शैक्षिक सम्मेलनों में एक नियमित मुख्य-व्याख्यान देने वाली आमंत्रित वक्ता हैं। 2003 में डॉ० ग्रॉस को ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा की सेवा करने के लिए सर हैरोल्ड वाइन्डैम पदक प्रदान किया गया।

"एक धोखा खाया हुआ देश" *के लेखक सलाहकार के बारे में*

अविया कुश्नेर स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाली एक पत्रकार हैं, जो नॉन-फिक्शन लेखन में स्नातकोत्तर डिग्री की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने बोस्टन विश्वविद्यालय से कविता लेखन में एम.ए. और जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय से कला साहित्य व रचनात्मक लेखन में स्नातक बी.ए. की डिग्री प्राप्त की है। वे *द जेरुसलम पोस्ट* के लिए नियमित रूप से लिखती हैं और उनके लेख *हार्वार्ड रीव्यू, पार्टिसन रीव्यू और प्रेरी स्कूनर में छप चुके हैं। उट्ने रीडर और द क्रॉनिकल ऑफ़ हायर एजुकेशन* में उनके लेखों के बारे में लिखा गया है और राष्ट्रीय सार्वजनिक रेडियो पर इनके बारे में चर्चा हो चुकी है। Bankrate.com के लिए लिखी गईं उनकी वित्तीय कहानियां कई बार पुनः प्रकाशित की गईं हैं और यह MoneyCentral.MSN.com की उन कहानियों में से हैं जिनकी सबसे ज़्यादा मांग की गई है। वे कई सालों तक BarnesandNoble.com के लिए कविता के क्षेत्र में सहयोगी संपादिका रह चुकी हैं और वे अमरीका और विदेश दोनो में व्यापार और कला के क्षेत्र के कई अलग-अलग प्रकाशनों में लिखती हैं।

प्रतिभाशाली शिक्षा और योग्यता विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलिन एन० ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र

पूरी दुनिया के छात्रों, शिक्षकों और परिवारों के प्रतिभाशाली समुदाय को समर्थन, कार्यक्रम बनाने और अनुसंधान में अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से उन्हें प्रेरित करना और उनकी सहायता करना ही हमारा सपना है।

बेलिन-ब्लांक केंद्र निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करता है :

- मेधावी और प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को पहचानना
- छात्रों को विशेषीकृत अवसर प्रदान करना
- मेधावी होने के बारे में व्यापक अनुसंधान करना
- शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में सहायता करना
- सम्मेलनों और प्रकाशनों के माध्यम से सूचनाओं का प्रसार करना
- मेधावी छात्रों और उनके परिवारों का मूल्यांकन करना और उन्हें सलाह देना
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से शैक्षिक अवसरों को बढ़ाना
- स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीति निर्माण में अग्रणी रहना
- प्रतिभा के विकास में समानता और इस तक पहुँच को बढ़ावा देना
- विद्यालयों और व्यावसायिकों के साथ विचार-विमर्श करना
- बच्चों और परिवारों के लिए पैरवी करना
- मेधावी कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना

http://www.education.uiowa.edu/belinblank

परिशिष्ट घ

होनहार बच्चों की शिक्षा संबंधी अनुसंधान, संसाधन और सूचना केन्द्र

हमारे उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- होनहार और प्रतिभाशाली छात्रों की प्रभावी शिक्षा पर अनुसंधान करना और उसे प्रोत्साहन देना।
- होनहार छात्रों की शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने में शिक्षकों की सहायता के लिए विविध सेवाकालीन शिक्षक कार्यक्रम विकसित करना और उनका संचालन करना।
- होनहार छात्रों के शिक्षकों, परामर्शदाताओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं और विशिष्ट सेमिनारों का आयोजन और उनका प्रशासन करना।
- होनहार और प्रतिभाशाली स्कूली छात्रों के लिए न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के प्रशासन के लिए उत्तरदायी होना और होनहार छात्रों के लिए अतिरिक्त और पूरक कार्यक्रमों का निर्देशन करना।
- होनहार और प्रतिभाशाली छात्रों की आवश्यकताओं की पहचान करने और उन पर कार्रवाई करने में शिक्षकों की मदद करने के लिए तैयार की गई व्यावसायिक विकास सामग्रियों को प्रकाशित करना

http://gerric.arts.unsw.edu.au/

होनहार बच्चों और किशोरों की शैक्षिक, सामाजिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुसंधान करना व उसे प्रोत्साहन देना और इन बच्चों, उनके परिवारों और विद्यालयों को सेवाएं प्रदान करना।

जॉन टेम्पलटन फ़ाउंडेशन

जॉन टेम्पलटन फ़ाउंडेशन का मिशन विविधतापूर्ण क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता से प्रतिभाशाली प्रतिनिधियों को एकत्रित कर, एक दृढ़, खुले दिमाग वाले और प्रयोगसिद्ध तरीकों से धर्मशास्त्र और विज्ञान की सीमाओं के बीच नई अंतर्दृष्टि को खोजना है।

"विनम्र दृष्टिकोण" का प्रयोग करते हुए फ़ाउंडेशन ख़ासकर उन प्रासंगिक क्षेत्रों की वैज्ञानिक जाँच के तरीकों और संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करता है, ब्रह्मांडविज्ञान से स्वास्थ्य की देखभाल तक विस्तारित हैं और इनका आध्यात्मिक और धर्मशास्त्र-संबंधी महत्त्व है। मानव-विज्ञान के क्षेत्र में फ़ाउंडेशन उन कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, प्रकाशनों और अध्ययनों में सहायता प्रदान करता है जो नैतिक शिक्षा और पूरे जीवनकाल के दौरान सकारात्मक मूल्यों और उद्देश्य के अन्वेषण को प्रोत्साहन देते हैं। यह टेम्पलटन स्वतंत्रता पुरस्कारों (टेम्पलटन फ़्रीडम अवार्ड्स), नई पाठ्यक्रम प्रस्तुतियों और मुक्त-बाज़ार के सिद्धांतों को प्रोत्साहित करने वाले अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुक्त उद्यम शिक्षा और विकास का समर्थन करता है।

http://www.templeton.org

अभिभावकों और शिक्षकों के लिए संसाधन

इंटरनेट के आगमन के साथ अभिभावकों और शिक्षकों के लिए संसाधनों की उपलब्धता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अब सैकड़ों ऐसी लिस्टसर्व और वेबसाइटें हैं, जो प्रतिभासंपन्न बच्चों और उनके शिक्षकों व अभिभावकों को सूचनाओं, कार्यक्रमों और सेवाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं।

इस परिशिष्ट के पहले खंड में प्रतिभा-खोज अभियान प्रायोजित करने वाले केंद्रों सहित मेधावी और प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा के केंद्रों की सूची दी गई है। कई केंद्र छात्र कार्यक्रम और/या व्यावसायिक विकास के अवसरों को प्रायोजित करते हैं।

नीचे दी गई सूचियां पूर्ण नहीं हैं। हमारा उद्देश्य आपके लाभ के लिए एक नमूना प्रदान करना है।

प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा और प्रतिभा-खोज अभियानों के लिए केंद्र

शैक्षिक प्रतिभा-खोज
प्रतिभा-खोज अभियान और 6–9 कक्षा के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन और सप्ताहांत कार्यक्रम।
कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैक्रामेंटो, सी० ए०
http://edweb.csus.edu/projects/ATS

प्रतिभाशाली शिक्षा और प्रतिभा विकास हेतु बेलिन-ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
प्रतिभा-खोज अभियान [असाधारण छात्र प्रतिभा-खोज अभियान बेलिन-ब्लांक – बी.ई.एस.टी.एस.], कक्षाएं 2–9; नियमित और आवासीय कार्यक्रम, कक्षाएं 3–12।
आयोवा यूनिवर्सिटी, आयोवा शहर, आई० ए०
http://www.education.uiowa.edu/belinblank

प्राथमिक विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए कार्नेगी मेलॉन इन्स्टीट्यूट (सी-माइट्स)
प्रतिभा-खोज अभियान, 3–6 कक्षाएं; पेनसिलवेनिया में हर जगह नियमित कार्यक्रम, कक्षा के–7।
कार्नेजी मेलॉन यूनिवर्सिटी, पिट्सबर्ग, पी० ए०
http://www.cmu.edu/cmites

प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा के लिए केंद्र
प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में स्नातक शिक्षा प्रदान करता है और उच्च योग्यता वाले सीखने वालों के लिए पाठ्यक्रम विकसित और प्रसारित करना।
विलियम और मेरी कॉलेज, विलियम्सबर्ग, वी० ए०
http://www.cfge.wm.edu

प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा के लिए केंद्र
कलगेरी यूनिवर्सिटी, कलगेरी, अलबेर्टा, कनाडा
http://www.ucalgary.ca/~gifteduc/

अर्कान्सस यूनिवर्सिटी का प्रतिभासंपन्न छात्र शिक्षा-केंद्र
लिटल रॉक में स्थित अर्कान्सस यूनिवर्सिटी का प्रतिभासंपन्न छात्र शिक्षा-केंद्र प्रतिभाशाली छात्रों, उनके परिवारों, शिक्षकों और प्रबंधकों को कार्यक्रम
और सेवाएं प्रदान करता है।
http://www.ualr.edu/giftedctr/

प्रतिभासंपन्न छात्र-शिक्षा केंद्र
मेधावी छात्रों की शिक्षा के सबसे बड़े केंद्रों में से एक जो बच्चों, अभिभावकों और अध्यापकों को सेवाएं प्रदान करता है।
पश्चिम केन्टकी यूनिवर्सिटी, बाउलिंग ग्रीन, न्यूयॉर्क
http://www.wku.edu/gifted

प्रतिभा विकास केंद्र
प्रतिभा-खोज अभियान, कक्षा 4–9; ग्रीष्मकालीन और सप्ताहांत कार्यक्रम, नियमित और आवासीय, के–12 कक्षाएं।
नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, इवैनस्टॅन, आई० एल०
http://www.ctd.nwu.edu

प्रतिभाशाली युवाओं के लिए केंद्र (सी० टी० वाई०)
नियमित और आवासीय कार्यक्रम, प्राथमिक और माध्यमिक छात्र; विभिन्न उम्र के लोगों के लिए पत्राचार पाठ्यक्रम।
जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, एम० डी०
http://www.cty.jhu.edu

डेविडसन प्रतिभा-विकास संस्थान
अत्यधिक बुद्धिमान युवाओं को पहचानने, उन्हें शिक्षित करने और उनकी सहायता के लिए, रेनो, एन० वी०
http://www.ditd.org

फ़्रान्सेज़ ए० कार्नेस मेधावी छात्र-शिक्षा केंद्र
7–10 कक्षाएं।
दक्षिणी मिसीसिपी यूनिवर्सिटी, हैटीसबर्ग, एम० एस०
http://www-dept.usm.edu/~gifted

प्रतिभासंपन्न विकास केंद्र
डेन्वर, सी० ओ०
http://www.gifteddevelopment.com

प्रतिभासंपन्न बच्चों की शिक्षा संबंधी अनुसंधान, संसाधन और जानकारी का केंद्र
न्यू साउथ वेल्ज़ यूनिवर्सिटी, सिडनी, एन० एस० डब्लयू०, ऑस्ट्रेलिया
http://gerric.arts.unsw.edu.au/

हैंपशायर कॉलेज ऑफ समर स्टडीज इन मैथेमेटिक्स
उच्च विद्यालय के गणित में प्रतिभाशाली और प्रेरित छात्रों के लिए कार्यक्रम।
हैंपशायर कॉलेज, एमहर्स्ट, एम० ए०
http://www.hcssim.org

अत्याधिक प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए हॉलिंगवर्थ केंद्र
हॉलिंगवर्थ केंद्र एक राष्ट्रीय सहायता और संसाधन संगठन-तंत्र है जो अत्यधिक प्रतिभासंपन्न बच्चों की ज़रूरतों पर ध्यान केंद्रित करता है।
http://www.hollingworth.org

इंटरलोचेन सेंटर फॉर द आर्ट्स
3–12 कक्षाएं
इंटरलोचेन, एम० आई०
http://www.interlochen.org

मेधावी और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र (एन० आर० सी०)
जैकब के० जेविट्स अधिनियम और कनेक्टिकॅट यूनिवर्सिटी में स्थित एन० आर० सी० तीन मौलिक अनुसंधान-I विश्वविद्यालयों (कनैक्टिकॅट यूनिवर्सिटी, वर्जीनिया यूनिवर्सिटी और येल यूनिवर्सिटी) के अनुसंधानकर्ताओं, पेशेवरों व नीतियां बनाने वालों की राष्ट्रव्यापी सहकारी संस्था है। सूचना-पत्र, संक्षिप्त पुस्तिका, ऑनलाइन संसाधन और अन्य संस्थानों व संसाधनों के लिए व्यापक लिंक।
कनैक्टीकॅट यूनिवर्सिटी, स्टॉर, सी० टी०
http://www.gifted.uconn.edu

ऑफिस ऑफ प्री कॉलेजियट प्रोग्राम फॉर टैलेंटेड एंद गिफ्टेड (ओ.पी.पी.टी.ए.जी.)
विभिन्न विषयों की ग्रीष्मकालीन आवासीय कक्षाएं, 7–9 कक्षाएं; विद्यालय-वर्ष के दौरान स्थानीय छात्रों के लिए गणित की कक्षाएं उपलब्ध हैं।
आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी, एम्स, आई० ए०
http://www.public.iastate.edu/~opptag_info

युवा वैज्ञानिकों के लिए गणित कार्यक्रम (पी.आर.ओ.एम.वाई.एस.)
उच्च विद्यालय के महत्त्वाकांक्षी छात्रों को गणित की रचनात्मक दुनिया की गवेषणा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया एक चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम
बोस्टन यूनिवर्सिटी, बोस्टन, एम० ए०
http://math.bu.edu/people/promys

पर्ड्यू यूनिवर्सिटी का मेधावी छात्रों की शिक्षा हेतु संसाधन संस्थान
7–12 कक्षाएं।
पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, पश्चिमी लाफ़ायेत, आई० एन०
http://www.geri.soe.purdue.edu

विज्ञान अनुसंधान संस्थान
उच्च विद्यालय के वरिष्ठ छात्रों को उन्नत बनाने के लिए गणित का मार्गदर्शन कार्यक्रम।
वियेना, वी० ए०
http://www.cee.org/rsi/

रॉकी पर्वत प्रतिभा-खोज अभियान और ग्रीष्मकालीन संस्थान
11–16 साल की उम्र के बच्चों के लिए नियमित और आवासीय कार्यक्रम।
डेन्वर, सी० ओ०
http://www.du.edu/education/ces/si.html

रॉस गणित कार्यक्रम
गणित व विज्ञान में बहुत ज़्यादा रुचि लेने वाले 14 से 17 साल की उम्र के बच्चों के लिए। गणित के गहन पाठ्यक्रम।
ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, कोलम्बस, ओ० एच०
http://www.math.ohio-state.edu/ross

सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी गिफ्टेड स्टूडेंट्स इंस्टीट्यूट एंड प्रे कॉलेज प्रोग्राम
7–11 कक्षाएं।
सदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, डलास, टी० एक्स०
http://www.smu.edu

मौखिक दृष्टि से और गणित में तेज़ युवाओं के लिए ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम
7–10 कक्षाएं।
मेधावी छात्र-शिक्षा केंद्र
पश्चिम केन्टॅकी यूनिवर्सिटी, बाउलिंग ग्रीन, न्यूयॉर्क
http://www.wku.edu/gifted

प्रतिभा पहचान कार्यक्रम (टी.आई.पी.)
7–12 कक्षाओं के लिए ग्रीष्मकालीन आवासीय कार्यक्रम।
4–6 कक्षाओं को दी गई शैक्षिक जानकारी।
ड्यूक यूनिवर्सिटी, डर्हैम, एन० सी०
http://www.tip.duke.edu

मिन्नेसोटा यूनिवर्सिटी का प्रतिभाशाली युवाओं के लिए गणित का कार्यक्रम (यू.एम.टी.वाई.एम.पी.)
5–12 कक्षा के छात्रों के लिए गतिवर्धन किए गणित का दैनिक आवागमन कार्यक्रम।
शैक्षिक कार्यक्रमों के केंद्र के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान
मिन्नेसोटा यूनिवर्सिटी, मिनियापोलिस, एम० एन०
http://www.math.umn.edu/itcep/umtymp

शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभाशाली युवाओं के लिए विस्कोन्सिन केंद्र (डबल्यू.सी.ए.टी.वाई.)
4–12 कक्षाएं।
मैडीसन, डब्लयू० आई०
http://www.wcaty.org

कॉलेज कार्यक्रमों में समय से पूर्व प्रवेश

गतिवर्धित कॉलेज प्रवेश केंद्र
9–12 कक्षाएं।
कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैक्रामेंटो, सी० ए०
http://www.educ.csus.edu/projects/ace

जॉर्जिया की प्रगतिशील अकादेमी
10वीं कक्षा के लिए आवेदन करें और 11वीं और 12वीं कक्षा एवं कॉलेज के पहले दो साल पूरा करें।
वेस्ट जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, कैरलटाइन, जी० ए०
http://www.westga.edu/~academy

क्लार्कसॅन विद्यालय
उन छात्रों के लिए जिन्होंने 11वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी कर ली है। कॉलेज में समय से पूर्व प्रवेश।
क्लार्कसन विद्यालय, पोट्स्डैम, एन० वाई०
http://www.clarkson.edu/tcs

आयोवा यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय कला, विज्ञान और अभियांत्रिकी अकादमी
उच्च विद्यालय के उन छात्रों के लिए जिन्होंने 11वीं कक्षा के बराबर की पढ़ाई पूरी कर ली है।
आयोवा यूनिवर्सिटी, आयोवा शहर, आई० ए०
http://www.education.uiowa.edu/belinblank

असाधारण रूप से प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए कार्यक्रम
लड़कियां इस कार्यक्रम में 8वीं कक्षा में ही आवेदन कर सकती हैं। आम तौर पर छात्र अपनी स्नातक की डिग्री चार सालों के अंदर-अंदर पूरी कर लेते हैं।
मेरी बाल्डविन कॉलेज, स्टोंटन, वी० ए०
http://www.mbc.edu/peg

सिमॉंस रॉक
उन छात्रों के लिए समय से पहले प्रवेश जिन्होंने 10वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी कर ली है। निदेशक: नामांकन
सिमांस रॉक ऑफ़ बार्ड कॉलेज, ग्रेट बैरिंगटॅन, एम० ए०
http://www.simons-rock.edu

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी
कम उम्र के छात्रवृत्ति प्राप्त छात्रों के लिए हाल्बर्ट और नैन्सी रॉबिन्सन केंद्र।
वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सिएटल, डब्लयू० ए०
http://www.depts.washington.edu/cscy

पत्राचार शिक्षा

उन्नत प्लेसमेंट कार्यक्रम
कई उच्च विद्यालयों में प्रदान किया जाने वाला पाठ्यक्रम। हर साल मई में दी जाने वाली राष्ट्रीय परीक्षाएं। अधिक अंकों से कॉलेज की शिक्षा की इकाई का श्रेय मिलता है। वर्तमान में चौंतीस पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जो छात्र अपने उच्च विद्यालयों में ए० पी० पाठ्यक्रमों तक नहीं पहुँच पाते वे एपेक्स लर्निंग कॉर्पोरेशन जैसे संगठनों के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। कई राज्यों में ऑनलाइन ए० पी० पाठ्यक्रमों का शुल्क जमा करने के लिए राज्य द्वारा प्रायोजित अनुदान हैं।
प्रिंसटन, एन० जे०
http://apcentral.collegeboard.com

प्रतिभासंपन्न युवाओं के लिए शैक्षिक कार्यक्रम (ई.पी.जी.वाई.)
नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभाशाली छात्रों के लिए गणित, गणितीय विज्ञानों और व्याख्यात्मक लेखन में कंप्यूटर पर आधारित पत्राचार पाठ्यक्रम।
स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, स्टैनफोर्ड, सी० ए०
http://www-epgy.stanford.edu

विस्तार यूनिवर्सिटी
घर-पर पढ़े जाने वाले अध्ययन पाठ्यक्रम ऑनलाइन या मालिक द्वारा एवं इससे संबंधित इंटरनेट प्रशिक्षण और पत्राचार शिक्षा संगठन-तंत्र के माध्यम से पूरा किया जा सकता है।
http://www.onlinelearning.net

आयोवा ऑनलाइन उन्नत प्लेसमेंट अकादमी (आई.ओ.ए.पी.ए.)
बेलिन-ब्लांक केंद्र, आयोवा यूनिवर्सिटी, आयोवा शहर, आई० ए०

आयोवा उन्नत प्लेसमेंट अकादेमी (आई० ओ० ए० पी० ए०) एक राज्यव्यापी कार्यक्रम है जो ग्रामीण/छोटे विद्यालयों पर ध्यान केंद्रित कर आयोवा के उच्च विद्यालयों के सभी छात्रों को उन्नत प्लेसमेंट (ए० पी०) पाठ्यक्रम तक पहुँच प्रदान करता है। ए० पी० पाठ्यक्रम छात्रों के लिए वेब आधारित प्रौद्योगिकी या आयोवा के ऑप्टिक फ़ाइबर संगठन-तंत्र के माध्यम से उपलब्ध हैं। मूल उद्देश्य उन्नत प्लेसमेंट में भागीदारी बढ़ाना था। आई.ओ.ए.पी.ए. की स्थापना 2001 में उस समय की गई जब प्रति 1,000 छात्रों द्वारा दी गई परीक्षाओं की संख्या की दृष्टि से आयोवा देश में 45वें स्थान पर था। छात्रों के प्रवेश में 25% प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हुई है और अब आयोवा देश में 37वें स्थान पर है। जब छात्र पत्राचार कक्षाओं में भाग लेते हैं तो पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर 50% या ज़्यादा होना आम है। आई.ओ.ए.पी.ए. के लिए ऐसा नहीं है। इसमें पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर 7% जितनी कम हो सकती है। आई.ओ.ए.पी.ए. के बेजोड़ मार्गदर्शन भागों के कारण आई.ओ.ए.पी.ए. छात्रों की पूर्ण करने की दर 93% है और यह असाधारण है।
http://www.iowaapacademy.org/

जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी
प्रतिभाशाली युवाओं के लिए केंद्र व्याख्यात्मक लेखन और गणित पत्राचार द्वारा शिक्षा के केंद्र के माध्यम से निजी शिक्षक द्वारा पत्रों द्वारा पढ़ाने की सुविधा प्रदान करते हैं।
http://www.jhu.edu/gifted/cde

नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी
प्रतिभा-विकास केंद्र 6–12 कक्षा के शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभासंपन्न छात्रों के लिए लेटर-लिंक विद्यार्जन और पत्राचार पाठ्यक्रमों सहित अनुसंधान संबंधी जानकारी और कार्यक्रम प्रदान करता है।
नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, इवैनस्टन, आई० एल०
http://www.ctd.northwestern.edu

नेब्रास्का यूनिवर्सिटी का स्वतंत्र अध्ययन उच्च विद्यालय
क्लिफ़ोर्ड हार्डिन नेब्रास्का प्रौढ़शिक्षा केंद्र
लिंकॉन, एन० ई०
http://dcs.unl.edu/ishs

प्रतियोगिताएं और प्रतिस्पर्द्धाएं

अमरीकी इतिहास निबंध प्रतियोगिता
5–8 कक्षाएं, द डॉटर्स ऑफ़ अमेरिकॅन रेव्यूलेशन द्वारा प्रायोजित
http://www.dar.org

अमरीकी गणित प्रतियोगिता (पूर्व ए.एच.एस.एम.ई.)
हर ऐसा छात्र जिसने उच्च विद्यालय की शिक्षा पूरी नहीं की है, इसके लिए पात्र है। उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र गणित की अमरीकी निमंत्रणपरक परीक्षा, अमरीकी गणित ओलंपियॉड और अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियॉड की ओर बढ़ते हैं।
नेब्रास्का-लिंकॉन यूनिवर्सिटी, लिंकॉन, एन० ई०
http://www.unl.edu/amc

अमेरिकॅन मॉडल युनाइटेड नेशन्ज़ इंटरनेशनल
http://www.amun.org

अमरीकी राजकीय गणित लीग (ए.आर.एम.एल.)
उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए एक वार्षिक राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता। ए.आर.एम.एल. एक साथ तीन स्थानों पर आयोजित की जाती है। पेन राज्य, आयोवा यूनिवर्सिटी और सॅन जोस राजकीय यूनिवर्सिटी।
http://www.arml.com

वार्षिक गणित लीग प्रतियोगिताएं
गणित लीग प्रेस, टेनाफ़्लाई, एन० जे०
http://www.mathleague.com

डेस्टीनेशन इमैजिनेशन
http://www.destinationimagination.org

भावी समस्याओं को सुलझाने का कार्यक्रम
रचनात्मक समस्या समाधान के क्षेत्र में पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्यक्रम के साथ प्रतियोगी और
गैर-प्रतियोगी गतिविधियां।
लेक्सिंगटॅन, के० वाई०
http://www.fpsp.org

होवार्ड ह्यूज़ मेडिकल इन्स्टीट्यूट
कॉलेज-पूर्व विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम।
http://www.hhmi.org/grants/reports/scienceopp/main

इंटेल विज्ञान प्रतिभा खोज अभियान
(पूर्व वेस्टिंगहाउस विज्ञान प्रतिभा-खोज अभियान) उच्च विद्यालय के अंतिम वर्ष में पढ़ने वाले छात्र हर साल 29 नवंबर तक स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाएं प्रस्तुत करते हैं। जीतने वालों को कॉलेज की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्तियां मिलती हैं।
वाशिंगटन, डी० सी०
http://www.sciserv.org/sts

जूनियर इंजीनियरिंग तकनीकी सोसायटी (जे.ई.टी.एस.)
एक राष्ट्रीय शैक्षिक संगठन जो उच्च विद्यालय के छात्रों की अभियांत्रिकी, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में रुचि को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम बनाता है।
अलेक्सेंड्रिया, वी० ए०
http://www.jets.org

नॉलेज मास्टर ओपन
http://www.greatauk.com/KMO.html

मैंडलब्रोट प्रतियोगिता
उच्च विद्यालय के छात्रों के लिये
http://www.mandelbrot.org

मैथकाउंट्स
7–8 कक्षाओं के लिए बनाई गई कविताओं की एक श्रृंखला। यह चार-चरणों वाला साल-भर लंबा कार्यक्रम है जो पेशेवर इंजीनियरों की राष्ट्रीय सोसायटी, गणित के शिक्षकों की राष्ट्रीय परिषद, नासा और सी.एन.ए. संस्थान द्वारा साथ मिलकर चलाया जा रहा है।
अलेक्सेंड्रिया, वी० ए०
http://www.mathcounts.org

मोएम्स
प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के लिए गणित के ओलंपियाड 8वीं कक्षा या उससे छोटे छात्रों के लिए शैक्षिक-वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली एक प्रतियोगिता है। इसकी दो इकाइयां हैं: 4–6 कक्षाओं के लिए "ई" और 6–8 कक्षाओं के लिए "एम"।
बेलमोर, एन० वाई०
http://www.moems.org

राष्ट्रीय शैक्षिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता
http://www.naqt.com

नेशनल जिओग्रफिक बी
4–8 कक्षाएं
http://www.nationalgeographic.com/geographybee/index.html

राष्ट्रीय उत्कृष्टता छात्रवृत्तियां
जो छात्र पी.एस.ए.टी. (11वीं कक्षा में दी जाने वाली परीक्षा) में अच्छे अंक प्राप्त करते हैं वे प्रतियोगिता के अन्य स्तरों की ओर आगे बढ़ते हैं।
http://www.nationalmerit.org

नेशनल साइंस बोल
http://www.scied.science.doe.gov/nsb

ऑडिसी ऑफ़ द माइंड
http://www.odysseyofthemind.com

साइंस ओलंपियाड
विज्ञान की शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, विज्ञान में छात्र की रुचि बढ़ाने और विज्ञान की शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों और शिक्षकों को श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए पुरस्कृत करने के लिए प्रयुक्त होने वाली प्रतियोगिताएं, कक्षा में होने वाली गतिविधियां और प्रशिक्षण कार्यशालाएं। जीव-विज्ञान, भू-विज्ञान, रसायनशास्त्र, भौतिक शास्त्र, भौतिकी, कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी आदि विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
रोचेस्टर, एम० आई०
http://www.soinc.org

स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी
http://www.spellingbee.com

अमरीकी रसायनशास्त्र दल (उच्च विद्यालय)
अमरीकी रसायन सोसायटी, वाशिंगटन, डी० सी०
http://www.acs.org/education/student/olympiad.html

अमरीकी भौतिक शास्त्र दल (उच्च विद्यालय)
भौतिक शास्त्र के शिक्षकों का अमरीकी संघ,
अमरीकी भौतिकी केंद्र
कॉलेज पार्क, एम० डी०
http://www.aapt.org/Contests/olympiad.cfm

अमरीकी गणित प्रतिभा-खोज अभियान (यू.एस.एम.टी.एस.)
http://www.nsa.gov/usamts

युनाइटेड स्टेट्स अकैडमिक डीकैथलॉन
http://www.usad.org

मुद्रित सामग्री

अकेडमिक कंप्टीशंस फॉर गिफ्टेड स्टूडेंट्स
टैलेंट-रनेल्स, एम० के० और कैन्डलर-लॉटवन, ए० सी० (1995). कॉर्विन प्रकाशन, थाउज़ैंड ओक्स, सी० ए० द्वारा प्रकाशित

कंपटिशन्स: मैक्सिमाइजिंग योर अबिलिटिज़
कॉर्नस, एफ़० ए० और राइली, टी० एल० (1996) द्वारा। प्रूफ़्रॉक प्रकाशन, वैको, टी० एक्स० द्वारा प्रकाशित। इस पुस्तक में कई अलग-अलग प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्धाओं की सूची दी गई है।

डेवेलपिंग मैथेमेटिकल टैलेंट: ए गाइड फॉर चेलेंजिंग एंड एजुकेटिंग गिफ्टेड स्टूडेंट्स
एसूलीन, एस० और लुप्कोव्स्की०शॉप्लिक, ए० द्वारा (2003)। प्रूफ़्रॉक प्रकाशन, वैको, टी० एक्स० द्वारा प्रकाशित। यह एक ऐसी बहुआयामी निर्देश-पुस्तिका है जिसमें गणित में प्रतिभाशाली छात्रों की अनूठी ज़रूरतों पर प्रतिक्रिया करने के संदर्भ में शिक्षकों और अभिभावकों की अनुपम भूमिकाओं को शामिल किया गया है।

अत्यधिक योग्य कॉलेज-पूर्व छात्रों के लिए विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण संबंधी निदेशिका
विज्ञान सेवाएं, वाशिंगटन, डी० सी०
http://www.sciserv.org/stp

शैक्षिक अवसर मार्गदर्शिका
ड्यूक यूनिवर्सिटी के प्रतिभा पहचान कार्यक्रम से (टी.आई.पी.)। यह मार्गदर्शिका प्रति वर्ष प्रकाशित की जाती है। इसमें पूरे अमरीका में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न ग्रीष्मकालीन और विद्यालय-वर्ष के दौरान कार्यक्रमों की सूची दी गई है। जो छात्र टी.आई.पी. के प्रतिभा-खोज अभियान में अच्छे अंक प्राप्त करते हैं उन्हें इसकी मुफ़्त प्रति दी जाती है।
ड्यूक यूनिवर्सिटी, डर्हैम, एन० सी०
http://www.tip.duke.edu

असाधारण रूप से मेधावी छात्र (2रा संस्करण)
ग्रॉस, एम० यू० एम० (2004) द्वारा। रूट्लेज फ़ॉल्मर, लंदन द्वारा प्रकाशित।
http://www.routledgefalmer.com

जीनियस डिनाइड
डेविडसॅन, जे० और डेविडसॅन बी० द्वारा (2004)। साइमॅन और शूस्टर, न्यूयॉर्क द्वारा प्रकाशित।
http://www.geniusdenied.com

मेधावी शिक्षा की निर्देश-पुस्तिका (3रा संस्करण)
कोलैंजेलो, एन० और डेविस, जी० द्वारा संपादित (2003)। एलीन और बेकन, नीडहैम हाइट्स, एम० ए० द्वारा प्रकाशित
आयोवा गतिवर्धन मानदंड एसूलीन, एस० जी०, कोलेंजलो, एन०, लुप्कोव्स्की शॉप्लिक, ए० ई० व लिप्स्कांब, जे० और फ़ॉर्स्टैड्ट, एल द्वारा विकसित (2003)। ग्रेट पोटेंशियॅल प्रेस द्वारा प्रकाशित। यह मार्गदर्शक उपकरण उन शिक्षकों और अभिभावकों को निर्णय लेने के लिए एक सुव्यवस्थित और विस्तृत तरीका प्रदान करता है जो नर्सरी से 8वीं कक्षा तक के छात्रों का पूर्ण-कक्षा गतिवर्धन करने के बारे में विचार कर रहे हैं।
ग्रेट पोटेंशियॅल प्रेस, स्कॉट्सडेल, ए० ज़ेड०
http://www.giftedbooks.com

गणित प्रशिक्षक: गणित में सफलता प्राप्त करने में बच्चों की मदद के लिए अभिभावकों की मार्गदर्शिका
विकलग्रेन, डब्लयू० ए० और विकलग्रेन आई० बर्क्ले बुक्स, न्यू यॉर्क द्वारा प्रकाशित।

पीटरसन के बच्चों और किशोरों के लिए ग्रीष्मकालीन अवसर
यह प्रकाशन ग्रीष्मकालीन कैंपों के बारे में जानकारी का स्रोत है जिसे प्रति वर्ष अद्यतन किया जाता है। किताबों की स्थानीय दुकान के माध्यम से प्रतियां मंगवाएं या फिर 1-800-338-3282 पर फ़ोन करें।

पत्रिकाएं

एड्वांस्ड डेवलॅपमेंट जर्नल
उच्च विकास अध्ययन संस्थान
डेन्वर, सी० ओ०
http://www.gifteddevelopment.com/Merchant2/merchant.mvc

गिफ्टेड चाइल्ड त्रैमासिक
प्रतिभासंपन्न बच्चों के राष्ट्रीय संघ का आधिकारिक प्रकाशन (एन.ए.जी.सी)। इसमें पेशेवरों और ऐसे लोगों के लिए रोचक लेख हैं जिन्हें मेप्रतिभासंपन्नबच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में कुछ अनुभव है।
http://www.nagc.org/Publications/GiftedChild/

गिफ़्टेड चाइल्ड टुडे
शिक्षकों और अभिभावकों के लिए प्रकाशित यह पत्रिका तकनीकी शब्दावली का इस्तेमाल नहीं करती और प्रतिभासंपन्न, रचनात्मक व प्रतिभाशाली बच्चों के साथ काम करने के बारे में व्यावहारिक सलाह देती है। यह पत्रिका प्रूफ़्रॉक प्रेस द्वारा प्रकाशित की जाती है।
http://www.prufrock.com

इमैजिन
शैक्षिक दृष्टि से प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक पत्रिका। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के प्रतिभाशाली युवा केंद्र द्वारा रचित और वर्ष में पाँच बार प्रकाशित होती है।
http://www.jhu.edu/~gifted/imagine

जर्नल फ़ॉर द एड्यूकेशन ऑफ़ द गिफ़्टेड (जे.ई.जी.)
प्रतिभासंपन्न व्यक्तियों की संस्था (टी.ए.जी.), असाधारण बच्चों की परिषद का एक भाग और आधिकारिक प्रकाशन केन्द्र है। यह इस प्रकार का साहित्य पढ़ने वाले अनुभवी पाठकों के लिए लिखी गई है।
प्रूफ़्रॉक प्रेस, वैको, टी० एक्स०
800-998-2208
http://www.prufrock.com/client/client_pages/prufrock_jm_jeg.cfm

उच्च योग्यता के लिए पालन-पोषण करना
अभिभावकों के लिए रचित एन.ए.जी.सी. द्वारा प्रकाशित एक श्रेष्ठ पत्रिका।
वाशिंगटन, डी० सी०
202-785-4268
http://www.nagc.org/Publications/Parenting/index.html

रोपर रीव्यू
यह पत्रिका व्यावसायिकों के लिए बनाई गई है। इसमें छपे लेख अनुसंधान पर आधारित हैं और अक्सर यह सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों मुद्दों के बारे में होते हैं।
ब्लूमफ़ील्ड हिल्ज़, एम० आई०
http://www.roeperreview.org

अंडरस्टैंडिंग आवर गिफ़्टेड
ओपन स्पेस कम्यूनिकेशन्स, इन्क०, बूल्डर, सी० ओ०
303-444-7020 या 800-494-6178
http://www.openspacecomm.com

विज़न
प्रतिभाशाली शिक्षा और प्रतिभा विकास हेतु कोनी बेलिन व जॅकलीन एन० ब्लांक अंतर्राष्ट्रीय केंद्र से समाचार।
आयोवा यूनिवर्सिटी, आयोवा शहर, आई० ए०
319-335-6148 या 800-336-6463
http://www.uiowa.edu/~belinctr/vision

संगठन

अधिकतर राज्यों में एक राजकीय संगठन है जो राज्य और स्थानीय स्तर पर मेधावी और प्रतिभाशाली छात्रों के समर्थन को प्रोत्साहन देता है, मेधावी बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में सेवा से पहले और सेवा के दौरान प्रशिक्षण देता है और अभिभावक/समुदाय में जानकारी, शिक्षा और सक्रिय भागीदारी का समर्थन करता है। राज्य द्वारा दी गई विशिष्ट जानकारी के लिए एन.ए.जी.सी. की वेबसाइट देखें।

नेशनल एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन
एन.ए.जी.सी. एक ऐसी संस्था है जो लाभ के लिए काम नहीं करती और पिछले 50 सालों से इसका अस्तित्व है। यह एक वार्षिक सम्मेलन आयोजित करती है और दो पत्रिकाएं प्रकाशित करती है: पेरेंटिंग फ़ॉर हाई पोटेंशियॅल और गिफ़्टेड चाइल्ड क्वार्टर्ली। एक संगठन के तौर पर इसका उद्देश्य अभिभावकों, शिक्षकों, सामुदायिक नेताओं और प्रतिभासंपन्न बच्चों के लिए काम करने वाले अन्य पेशेवरों की सेवा करना है।
वाशिंगटन, डी० सी०
http://www.nagc.org

अमेरिकॅन एसोसिएशन फ़ॉर गिफ़्टेड चिल्ड्रन
ए.ए.जी.सी. प्रतिभासंपन्न बच्चों का समर्थन करने वाला देश का सबसे पुराना संगठन है। इसकी स्थापना 1940 में की गई थी।
ड्यूक यूनिवर्सिटी, डर्हैम, एन० सी०
http://www.aagc.org

अमरीकी मानसिक संघ (ए.पी.ए.) मेधावी बच्चों की शिक्षा के लिए नीति बनाने के लिए एस्थेर कॉट्ज़ रोज़ेन केंद्र
इस केंद्र का उद्देश्य जनता में ऐसी जानकारी फैलाना, समर्थन करना, नैदानिक अनुप्रयोग और अग्रणी अनुसंधान विचारों उत्पन्न करना है जो विशेष रूप से मेधावी और प्रतिभाशाली किशोरों की उपलब्धि और प्रदर्शन को बढ़ाएगी।
http://www.apa.org/ed/cgep.html

मेधावी व्यक्तियों की संस्था (टी.ए.जी.)
असाधारण बच्चों की परिषद (सी.ई.सी.), आर्लिंगटन, वी० ए०, का एक विशेष रुचि समूह
http://www.cec.sped.org

अत्याधिक मेधावी बच्चों के लिए हॉलिंगवर्थ केंद्र
डोवर, एन० एच
303-554-7895
http://www.hollingworth.org

मेधावी बच्चों की भावनात्मक ज़रूरतों का समर्थन करना (एस.ई.एन.जी.)
स्कॉट्सडेल, ए० ज़ेड०
206-498-6744
http://www.sengifted.org

टी.ए.जी. परिवार संगठन-तंत्र
अभिभावकों की एक राष्ट्रीय संस्था, जिसकी शुरूआत ऑरेगन में 1990 में हुई और जो पूरे देश में कार्यरत है। जानकारी ई-मेल द्वारा उपलब्ध है: rkaltwas@teleport.com. टी० ए० जी० हॉटलाइन भी है: 503-378-7851.

बेलिन-ब्लांक केंद्र लिस्टसर्व
इसे मंगाने के लिए निम्नलिखित पते पर ई-मेल संदेश भेजें: listserv@list.uiowa.edu. कृपया विषय को खाली छोड़ दें और संदेश पाठ्य में निम्नलिखित वाक्य लिखें: मेधावी छात्रों के शिक्षक मंगवाएं।

वेबसाइट

Afterschool.gov
http://www.afterschool.gov

अमरीकी याद: ऐतिहासिक संग्रह
http://memory.loc.gov

साइबरकिड्ज़
http://www.cyberkids.com

डिस्कवरी चैनल स्कूल
http://www.school.discovery.com

अमरीका में समय पूर्व प्रवेश कॉलेज कार्यक्रम
एक ऐसे विद्यार्थी द्वारा विकसित व्यापक वेबसाइट जिसने समय से पूर्व कॉलेज में प्रवेश किया; अभिभावकों और छात्रों के लिए
http://earlyentrance.org

आइज़नहॉवर नेशनल कमीशन
गणित और विज्ञान पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम संसाधन और उपयोगी जानकारी:
http://www.enc.org

सौरमंडल को जानें
http://www.nytimes.com/library/national/science/solar-index.html

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय संसाधन
http://www.ed.gov/free

फ़्री फ़ॉयरवुड
छात्रों के लिए पाठ्य-सामग्री का एक बहुत बड़ा संग्रह।
http://www.ignitethefire.com/freefirewood.html

होगीज़ मेधावी शिक्षा पृष्ठ
परिवारों के लिए एक आम, परिचायक संसाधन।
http://www.hoagiesgifted.org

किडसोर्स
http://www.kidsource.com/kidsource/pages/ed.gifted.html

सीखने का संगठन-तंत्र, आज की तारीख में
http://www.nytimes.com/learning/general/onthisday

सीखने का पृष्ठ
http://lcweb2.loc.gov/ammem/ndlpedu/index.html

उत्तरी केंटकी यूनिवर्सिटी में गणित की शिक्षा
http://www.nku.edu/~mathed/gifted.html

मेरा इतिहास अमरीका का इतिहास है
http://www.pueblo.gsa.gov/cic_text/misc/my-history-p/my-hist.htm

राष्ट्रीय कला दीर्घा
http://www.nga.gov/education/education.htm

संग्रहालय में प्रदर्शित वस्तुओं के लिए राष्ट्रीय पार्क सेवा
http://www.cr.nps.gov/museum/exhibits/index.html

शो मी केंद्र
http://www.showmecenter.missouri.edu

आप अभी क्या कर सकते हैं

स्वयं जानकारी प्राप्त करें

हमारे देश का भविष्य सही जानकारी पर निर्भर करता है। वैसे छात्र जो हमारे देश के पेशेवर, तकनीकी और राजनीतिक नेता बनते हैं, अक्सर ये वही छात्र होते हैं जिनमें ऐसे उन्नत स्तर का वाचिक और गणित कौशल होता हैं और हमारे विद्यालयों में उनका ठीक से ध्यान नहीं रखा जा रहा है। हमें इस मामले में अनिवार्य रुप से स्वयं जानकारी प्राप्त करना चाहिए और हमारे छात्रों के लिए उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

बदलाव के लिए दबाव डालें

हर नागरिक मदद कर सकता है। भले ही आपका बच्चा या छात्र गतिवर्धन का उम्मीदवार नहीं हो, फिर भी आप दृष्टिकोण में बदलाव का समर्थन कर सकते हैं। हर अमरीकी होनहार बच्चों सहित सबके लिए अवसर देखना चाहता है।

यह हमारे देश के चरित्र के विरुद्ध है कि लोगों को आगे बढ़ने से और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने से रोका जाए। जब विद्यालय सभी बच्चों की सीखने की ज़रूरतों को पूरा करते हैं तो इससे हम सबको फायदा होता है।

बच्चों को ध्यान में रखते हुए मतदान करें

यदि विद्यालय बोर्ड के लिए किसी उम्मीदवार को शैक्षिक रुप से उन्नत बच्चों की सहायता के लिए एक कार्यनीति के रुप में गतिवर्धन के लंबे और सकारात्मक इतिहास के बारे में जानकारी है तो उस उम्मीदवार पर विशेष ध्यान दें। किसी विषय में सच्चाई सीखने के लिए तत्पर उम्मीदवार अक्सर एक अच्छा विकल्प होता है। हर विद्यालय बोर्ड को एक ऐसे उम्मीदवार से फायदा हो सकता है जो सबसे होनहार बच्चों सहित सभी छात्रों के बारे में चिंतित हो।

असली साम्यता का अर्थ है-उपयुक्त अवसर। मतदान करते समय खुद से पूछें कि क्या उम्मीदवार सभी छात्रों के लिए अवसर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

अपने लेजिस्लेटरों को लिखें

अपने राज्य के और राष्ट्रीय लेजिस्लेटरों को लिखें। अपने विद्यालय बोर्ड को लिखें। अपने स्थानीय प्रधानाचार्य से संपर्क करें। उन्हें बताएं :

मैंने हाल ही में एक धोखा खाया हुआ देश:विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं *पढ़ी है और मैं बहुत चिंतित हूँ। हमारे सबसे होनहार छात्रों के साथ क्या हो रहा है, यह जानने के लिए कृपया कुछ समय निकालें। मुझे उम्मीद है कि आप उन्हें वे अवसर देने का निर्णय लेंगे जिसके वे हकदार हैं।*

पूरी रिपोर्ट के लिए http://nationdeceived.org देखें।

बहाने ही बहाने

गतिवर्धन संबंधी चर्चा के दौरान आपको कई-कई बहाने सुनने को मिलेंगे, उनमें से कुछ यहाँ दिए गए हैं :

बहाना #1 :
हमें नहीं लगता कि वह इसके लिए तैयार है। सब कुछ ठीक-ठाक है और हम इससे पैदा होने वाले सामाजिक और भावनात्मक मुद्दों के बारे में कुछ नहीं कह सकते। अगर हम छात्र को एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में भेजते हैं तो संभव है कि बाकी छात्र उसे छेड़ें।

बहाना #2 :
इससे बच्चे पर बहुत ज़्यादा दबाव पड़ता है। अभी वह महज आठ साल की ही है ! उसे चैन से रहने दो।

बहाना #3 :
इस विद्यालय में कई स्मार्ट बच्चे हैं। हम यह कैसे जान सकते हैं कि यह बच्चा उनसे अलग है ? हम कैसे जान सकते हैं कि वह वाकई एक कक्षा पढ़े बिना अगली कक्षा में जाने के लिए तैयार है ?

बहाना #4 :
ऐसा कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि छात्र को आगे बढ़ाने से उसे शैक्षिक या सामाजिक लाभ होगा।

वैसे प्रश्न, जो विद्यालयों को पूछना चाहिए

अमरीका में उन सभी चर्चाओं में, जिनमें "गतिवर्धन" शब्द शामिल है, तीन महत्वपूर्ण और तर्कसंगत प्रश्न भी शामिल होना चाहिए। अगर किसी छात्र के गतिवर्धन के बारे में सोचा जा रहा है तो सुनिश्चित करें कि इन महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के बारे में चर्चा की गई हो :

महत्त्वपूर्ण प्रश्न #1 :
क्या हमने यह जानने के लिए छात्र की योग्यता का ठीक से मूल्यांकन किया है कि वह उन्नत, तेज़ गति वाले पाठ्यक्रम के लिए वाकई तैयार है या नहीं ?

महत्त्वपूर्ण प्रश्न #2 :
हमारे मूल्यांकन के परिणामों को देखते हुए इस बच्चे के गतिवर्धन के लिए सर्वोत्तम तरीका क्या हो सकता है ?

महत्त्वपूर्ण प्रश्न #3 :
हम जानते हैं कि कुछ मामलों में गतिवर्धन प्रभावी नहीं रहा है। इस छात्र के गतिवर्धन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एक विद्यालय के रुप में हम क्या कर सकते हैं?

एक धोखा खाया हुआ देश

के खंड I और II में सूचित प्रतिक्रियाएं पाई गईं।

एक धोखा खाया हुआ देश :

विद्यालय अमरीका के सबसे होनहार छात्रों को आगे बढ़ने से कैसे रोकते हैं